भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

हिन्दी दिवस आज

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta

/jagrukjantanews

jagruk_janta

आश्विन, पक्ष - कृष्ण, तिथि - चतुर्थी, संवत 2079 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-8, अंक-29, 14 सितम्बर - 20 सितम्बर, 2022 मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

जन्म दिन की बधाईयों से बदरंग होता शहर!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

जिस दिन मनुष्य पृथ्वी पर जन्म लेता है उसी दिन से उसके लिए गीत, बधाईयां, निछावरी, ईनाम, बख्शीश आदि देना प्रारंभ हो जाता है। और ये सिलसिला उसकी मृत्यु पर्यन्त चलता ही रहता है। हां उसके स्वरूप अलग-अलग हो जाते हैं। कहीं उत्सव तो कहीं गाना-बजाना तो कहीं पार्टी और कहीं पोस्टर। आजकल किसी भी नेता को अपनी पार्टी के मुखिया को अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना होता है तो वह अपने समर्थकों के साथ उससे मिलने जाता है। जिससे उसके मुखिया को ये अंदाजा हो जाए कि इस व्यक्ति के समर्थन में कितनी ताकत है। इसी प्रकार आजकल जन्मदिन की शुभकानाओं का प्रचलन तेजी से चल रहा है। और चलना भी चाहिए क्योंकि ये अपने व्यक्तिगत संबंधों को उजागर करता है। लेकिन आजकल एक नेता से दूसरे नेता के लिए अपनी आस्थाएं प्रदर्शित करने का माध्यम भी ये पोस्टर हो गए हैं। अधिकांश लोग उगते सूर्य को नमस्कार करते हैं। अगर सूर्य अस्ताचल की ओर जाता हुआ दिखाई देता है तो लोग उसको नमस्कार नहीं करते, बल्कि उसको डूबते हुए (सन सेट) देखने के लिए टकटकी लगाए रहते हैं। खैर, अपन बात कर रहे थे कि जन्म दिन की बधाईयों की। तो आजकल ये बधाईयां और शुभकामनाओं के लिए शहर में चारों तरफ पोस्टर और बड़े-बड़े होर्डिंग अनायास ही नजर आ जाएंगे। छुटभैया नेता से लेकर पार्षद, विधायक, सांसद और मंत्री, मुख्यमंत्री, भावी मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के लिए शुभकामनाओं के होर्डिंग और पोस्टर हर सड़क, चौराहा और मकानों के ऊपर लगे हुए दिखाई दे जाएंगे। इन पोस्टरों से शहर की खूबसूरती चौपट हो तो हो। बाहर से आने वाले पर्यटक क्या कहेंगे इसकी इन पोस्टरबाजों को बिल्कुल भी परवाह नहीं है। इन पोस्टरों के माध्यम से लोग आस्था का पाला बदलने के संकेत भी दे देते हैं। जिस नेता में ऐसे पोस्टरबाजों की आज आस्था है वही ऐसे पोस्टरों के माध्यम से अपनी आस्था बदलने का संकेत दे देता है। हालांकि सभी समाज के लोग अपने नेता को बधाई देने के लिए पोस्टर चिपकाते हैं, मगर अधिकांशतः नेताओं को दी जाने वाली शुभकामनाओं के पोस्टर ज्यादा दिखाई पड़ते है।

shivdayalmishra@gmail.com

पूर्वी लद्दाख में 2020 की झड़प के बाद बढ़ा था तनाव

गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स से हटीं भारत-चीन सेनाएं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। उजबेकिस्तान में 15-16 सितंबर को होने वाले शंघाई सहयोग संगठन के सालाना शिखर सम्मेलन के 3 दिन पहले भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव में कमी आई है। सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग शामिल हो रहे हैं। मंगलवार को पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन की सेनाएं तनाव वाले गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स क्षेत्र से पीछे लौट गई हैं। दोनों देशों की ओर से वर्तमान हालात की समीक्षा भी कर ली गई है। इससे एक दिन पहले यानी सोमवार को भारतीय सेना प्रमुख मनोज पांडेय ने कहा था कि अभी गश्त चौकी-15 से सैनिकों की वापसी की समीक्षा की जानी बाकी है।

कोर कमांडर बैठक में बनी थी सहमति

सेनाओं के पीछे हटने की प्रक्रिया 8 सितंबर को कोर कमांडर स्तर के 16वें दौर के दौरान दोनों पक्षों के बीच हुई चर्चा के बाद शुरू हुई थी। इस दौरान दोनों देश गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स क्षेत्र से सेनाओं की वापसी पर सहमत हुए थे। इसके साथ ही डेमचोक और देपसांग क्षेत्रों में गतिरोध को हल करने की कोशिश जारी है।मई 2020 में जब दोनों देशों की सेनाओं के बीच गतिरोध बढ़ा था तब से भारत-चीन के सैनिकों को पैट्रोलिंग पॉइंट 15 के पास तैनात किया गया है। भारत और चीन पैंगोंग त्सो लेक के दोनों किनारों से सैनिकों को हटा भी चुके हैं।

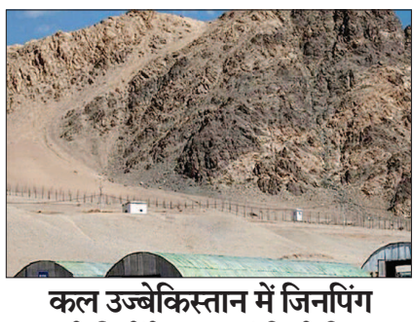

कल उज्बेकिस्तान में जिनपिंग से मिलेंगे प्रधानमंत्री मोदी-

सीमा पर शांति के लिए यह एक अच्छा कदम है। दोनों देशों की सेनाएं ऐसे समय पीछे हटीं है, जब 15 सितंबर से उज्बेकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन का सालाना शिखर सम्मेलन होना है। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग शामिल होंगे।

गलवान में हुई थी हिंसक झड़प

गलवान घाटी में 15 जून 2020 की रात भारत और चीन के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। इस दिन गलवान में हमारे ग्राउंड ट्रूप्स पर दबाव था, चीन पर भी दबाव था। चीन की सेना उस साइट पर बैठी हुई थी तो भारतीय सेना ने उनसे वापस जाने को कहा। हालांकि वो लोग मान गए, पर विवाद शुरू हुआ चीनी हरकत से। चीन ने दो टेंट लगाए, जो ऑब्जर्वेशन पोस्ट की तरह थे। चीनी सैनिकों ने तर्क दिया कि अगर हम वापस चले गए तो आपकी गतिविधियों पर नजर नहीं रख पाएंगे।

राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल

गहलोत ने किया ब्लाक स्तर पर शुभारंभ

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश सरकार को संवेदनशील, पारदर्शी तथा जवाबदेह प्रशासन देने के साथ राज्य के चहुंमुखी विकास तथा आमजन के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता से जुटी होना बताते हुए कहा हे कि राज्य में विकास कार्यों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। गहलोत जयपुर, चूरू एवं सीकर जिलों में राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल गतिविधियों का अवलोकन एवं ब्लाक स्तर पर इनका शुभारंभ तथा सीकर एवं चूरू में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण कर रहे थे।

जागरूक खबरें

■ बी.एससी नर्सिंग के लिए ऑनलाइन आवेदन 16 सितंबर तक

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) की ओर से सत्र 2022-23 में बी.एससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बी.एससी नर्सिंग और एम.एससी नर्सिंग में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ाकर 16 सितंबर कर दी। लेकिन फीस 15 सितंबर तक जमा करानी पड़ेगी। बी.एससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बी.एससी नर्सिंग और एम.एससी नर्सिंग में प्रवेश एंट्रेस टेस्ट के जरिए मिलेगा।

■ जिला जल एवं स्वच्छता मिषन की बैठक 21 सितम्बर को

जयपुर @ जागरूक जनता। जिला कलक्टर प्रकाष राजपुरोहित की अध्यक्षता में 21 सितम्बर (बुधवार) को सांय 4 बजे कलक्ट्रेट सभागार में जिला जल एवं स्वच्छता मिषन की बैठक आयोजित की जायेगी। बैठक में एजेण्डावार बिन्दुओं पर गहनता से समीक्षा की जायेगी।

■ संस्कृत शिक्षा में तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादले

जयपुर @ जागरूक जनता। सामान्य शिक्षा में तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादलों पर सरकार ने भले ही रोक लगा रखी है। लेकिन संस्कृत शिक्षा में तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादले किए जा रहे हैं। सोमवार को संस्कृत शिक्षा में तृतीय श्रेणी के 455 शिक्षकों के तबादले किए गए। इसके बाद शिक्षक संगठनों ने विरोध शुरू कर दिया। संगठनों ने आरोप लगाया कि सरकार तबादलों में दोहरी नीति अपना रही है। सामान्य और संस्कृत शिक्षा के मंत्री एक ही होने के बाद भी तबादलों में भेदभाव किया जा रहा है।

■ बीसलपुर बांध से आठ माह से ज्यादा का पानी चंबल में बहा

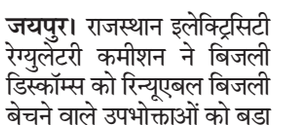

जयपुर @ जागरूक जनता। बीसलपुर बांध लबालब भरने के बाद बीते 18 दिन में बांध से 8.5 टीएमसी पानी की निकासी हो चुकी है। यह पानी बनास नदी के जरिए चंबल में पहुंच कर बर्बाद हो रहा है। पानी की जितनी मात्रा बांध से निकासी हुई है उतने पानी से जयपुर,अजमेर और टोंक जिलों की लगभग 1 करोड़ की आबादी की आठ माह की पेयजल जरूरतें पूरी हो सकती थीं।

पितृ पक्ष में ढूंढने पर भी नहीं मिल रहे कौए

कम होते पेड़, अब मुंडेर पर कौओं का इंतजार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। दिवंगत पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के लिए इन दिनों पितृ पक्ष में छतों की मुंडेर पर कौहंस-कौहंस की आवाजें लगाकर कौओं को आमंत्रित किया जा रहा है लेकिन पितृ प्रतीक माने जाने वाले कौओं का इंतजार करना पड़ रहा है। कौए झुंड में रहना पसंद करते हैं उसके लिए शहरी क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में पेड़ नहीं है। ऐसी शास्त्रोक्त मान्यता है कि कौओं के पंचग्रास तथा गोग्रास का

अन्न पितरों को प्राप्त होता है, लेकिन पेड़ों की लगातार अंधाधुंध कटाई से कौओं के प्राकृत आवास खत्म हो रहे हैं। परकोटे के अलावा शहर के बाहरी क्षेत्र में भी झुंड के रूप में नजर आने वाले कौओं की संख्या अत्यंत कम हो चुकी है। घरों की जूठन को कचरा पात्र में प्रवाहित करने तथा परम्परागत खेळियों के गायब हो जाने से कौओं का पलायन हो रहा है। कौआ चूंकि दीर्घायु पक्षी है, इसीलिए जिन पितरों को मुक्ति नहीं मिली है वे पितृ पक्ष में इस रूप में भी विचरण करते रहते हैं ।

बर्ड फ्लू भी एक प्रमुख कारण

पिछले साल पक्षियों में फैली महामारी बर्ड फ्लू से सर्वाधिक संख्या कौओं की रही है। शहर से ईमली व नीम के पेड़ों का खात्मा, परम्परागत खेळियां खत्म होने और कौओं को उनके घोंसला बनाने वाली सामग्री मिलना मुश्किल भी कौओं की संख्या कम होने का प्रमुख कारण है। पितृ पक्ष में कौओं के माध्यम से पितरों को भोजन मिलने की मान्यता के अलावा पूरे वर्ष में इस समय कौओं के बच्चों के लिए अतिरिक्त भोजन की भी आवश्यकता होती हैं ।

- शरद पुरोहित, पक्षी व्यवहार विशेषज्ञ

गहलोत बोले- कभी न कभी यह सपना भी पूरा होगा, बजट में हो सकती है घोषणा

चौमूं, बगरू, चाकसू, बस्सी तक चलेगी मेट्रो!

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर के आसपास के शहरों को मेट्रो से जोड़ने की योजना पर आगे काम करने के संकेत दिए हैं। चौमू में ग्रामीण ओलिंपिक खेलों के ब्लॉक स्तर की प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में गहलोत ने कहा- चौमू तो जयपुर के पास है। आपको याद होगा मेरा सपना। मेरी तमन्ना है कि जयपुर से चौमू तक कभी न कभी मेट्रो आए। यह बात मैंने पिछले टर्म में भी कही थी, लेकिन सरकार बदल गई। कई स्कीम्स फेल हुए। बगरू, चौमू, चाकसू में सड़कों पर ट्रैफिक ज्यादा होता है। एक्सीडेंट ज्यादा होते हैं। कई लोग मारे जाते हैं। मेट्रो चलने लग जाए तो ऐसी घटनाओं में कमी आएगी। कभी न कभी यह सपना भी पूरा होगा।

गहलोत ने कहा- हमने फैसले करने में कमी नहीं रखी है। हमारी सरकार जनता की सरकार है। हर फील्ड में एक से एक फैसले किए हैं। घर-घर तक पानी पहुंचाने की योजना पर काम चल रहा है। हर घर नल की स्कीम में भारत सरकार 40 फीसदी पैसा दे रही है। बाकी पैसा राज्य सरकार दे रही है।

अगले बजट में चौमूं को बीसलपुर से जोड़ने की घोषणा

गहलोत ने कहा- चौमू तक बीसलपुर का पानी पहुंचाने की मांग की गई है। 20 किलोमीटर दूर हरमाड़ा तक बीसलपुर का पानी पहुंच चुका है। मैं विश्वास दिलाता हूं कि चौमू तक बीसलपुर का पानी पहुंचाने को लेकर बजट से पहले मैं परीक्षण करवाऊंगा। जैसे ही पानी की उपलब्धता मुझे मालूम पड़ेगी, खुद अगले बजट में घोषणा करूंगा। ताकि चौमू को मीठा पानी मिले।

अभी दो रूट पर चल रही है जयपुर मेट्रो

राजधानी जयपुर में अभी मेट्रो मानसरोवर से चांदपोल और चांदपोल से बड़ी चौपड़ तक 2 रूटों पर चल रही है। वर्तमान में मेट्रो का जयपुर में 11.3 किमी का रूट है। इस साल के बजट में मेट्रो के इसी रूट का विस्तार करते हुए बड़ी चौपड़ से दिल्ली बाइपास स्थित ट्रांसपोर्ट नगर और मानसरोवर से 200 फीट पुलिया अजमेर बाइपास का रूट जोड़ने की घोषणा की है। इसके लिए डीपीआर बनाई जा रही है। बजट में की गई घोषणा के पूरा होने के बाद जयपुर मेट्रो का ये रूट बढ़कर 16.5 किलोमीटर का हो जाएगा।

बजट की कमी सबसे बड़ी बाधा

जयपुर के चारों तरफ बसे शहरों तक मेट्रो चलाने के लिए बजट की कमी सबसे बड़ी बाधा है। गहलोत ने इसी वजह से इसे सपना बताया है। सरकार अगर दिल्ली मेट्रो की तर्ज पर जयपुर मेट्रो का विस्तार करती है तो हजारों करोड़ सालाना का फंड चाहिए। राज्य सरकार के पास फंड की कमी है। मेट्रो के विस्तार के लिए भी कर्ज लेना होगा।

गहलोत की घोषणा के मायने

मुख्यमंत्री ने चुनावी साल से पहले जयपुर के आसपास बसे शहरों को मेट्रो रूट से जोड़ने को सपना बताने के सियासी मायने हैं। जयपुर के पास चौमू, बस्सी, चाकसू और बगरू विधानसभा सीटें हैं। चारों शहरों को मेट्रो से जोड़ने की बात कर सीएम ने चर्चाएं जरूर छेड़ दी हैं। इन क्षेत्रों में मेट्रो टॉकिंग पॉइंट बन गया है। अगले बजट में मुख्यमंत्री जयपुर के आसपास के शहरों को मेट्रो से जोड़ने पर डीपीआर बनाने की घोषणा कर सकते हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण में इस बार 9500 नंबर

जयपुर में रेड स्पॉट पर कटेंगे नंबर, बनेगा नो स्पिटंग जोन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। 2023 में होने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में जयपुर के लिए रैंकिंग सुधारने के लिए बड़ी चुनौती रहेगी। इस बार सर्वे में पहली बार शहर के रेड स्पॉट्स को भी देखा जाएगा। अगर शहर के प्रमुख पब्लिक प्लेस पर रेड स्पॉट दिखाई दिए तो उसके भी पॉइंट्स कटेंगे। इस क्लॉज के आने से नगर निगम जयपुर प्रशासन की परेशानी और बढ़ गई है। क्योंकि बस स्टेंड, रेलवे स्टेशन, हॉस्पिटल, पार्क समेत कई जगहों पर बड़ी संख्या में लोग गुटखा या पान खाकर थूंक देते है, इससे इन स्थानों जगह-जगह रेड स्पॉट देखने को मिलते है।

भले ही स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के नतीजों की घोषणा अब तक नहीं हो सकी है, लेकिन केंद्र सरकार ने स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 के लिए टूल किट जारी कर दिया है। और इस बार किसी शहर की नगर निकाय के लिए स्वच्छता सर्वेक्षण में अच्छे नम्बर लाना कोई आसान काम नहीं रहेगा। क्योंकि इस बार सर्वेक्षण के न केवल आंकलन के नंबरों को बढ़ा दिया है, बल्कि इस बार कई बदलाव किए हैं। खास बात यह है कि इस बार दीवारों पर जगह-जगह पीक थूकने को रेड स्पॉट माना जाएगा। सीवरेज के टूटे-फूटे ढक्कनों भी अगर शहर में दिखे तो इनसे भी नंबर कटेंगे। जयपुर नगर निगम ग्रेटर के डिप्टी कमिश्नर मुकेश कुमार का कहना हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर थूकने के लिए जुर्माना निर्धारित है। निगम की रेटिंग अच्छी रहे इसके लिए इस बार मेहनत ज्यादा करनी होगी और हमें में शहर में बने रेड स्पॉट्स को खत्म करना होगा। इसके लिए हमें "नो स्पिटिंग जोन' भी बनाने होंगे।

इस बार चार चरणों में होगा सर्वे

इस बार सर्वे चार चरणों में करवाया जाएगा। इसमें सिटीजन फीडबैक सबसे पहले लिए जाएंगे। अब तक अंतिम चरण पर सिटीजन फीडबैक लिए जाते थे। शहरी विकास मंत्रालय 2023 के सर्वेक्षण में आंकलन 9500 अंकों के आधार पर करेगा, जबकि 2022 तक ये आंकलन 7500 अंक का किया गया है। इसी तरह शहर के सीवरेज सिस्टम की भी मॉनटरिंग की जाएगी।

इस तरह मिलेंगे नंबर

इस बार सर्वेक्षण की थीम "कचरे से समृद्धि' रखी गई हैं। इसमें कचरे से शहर को समृद्ध बनाने पर क्या काम किए जा रहे है इसको देखा जाएगा। इसके लिए निकायों को 3-R यानी रिसाइकल, रियूज व रिड्यूस सिद्धांत पर काम करना होगा। थीम के अनुरूप ही इस बार 48 प्रतिशत अंक यानी 4525 अंक अकेले सर्विस लेवल प्रोग्रेस यानी कूड़े को लेकर सेग्रीगेशन, प्रोसेसिंग व डिस्पोजल पर आधारित रहेंगे।

नवरात्रा और दुर्गापूजा के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

अजमेर से कोलकाता के लिए 5 से चलेगी पूजा सुपरफास्ट ट्रेन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अक्टूबर में नवरात्रा और दुर्गाष्टमी के त्यौहार को देखते हुए रेलवे ने बिहार, पश्चिम बंगाल के लिए अजमेर से स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय किया है। ये ट्रेन 5 से 26 अक्टूबर तक चलेगी, जो जयपुर, आगरा, प्रयागराज, पटना, आसनसोल स्टेशनों से होकर चलेगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे की ओर से जारी शेड्यूल के मुताबिक गाड़ी संख्या 03126, अजमेर से कोलकाता के लिए 5 अक्टूबर से हर शुक्रवार को रात 11 बजे चलेगी। वहीं वापसी में गाड़ी संख्या 03125 कोलकाता से अजमेर के लिए हर 4 अक्टूबर से हर बुधवार को अजमेर के लिए चलेगी। गांडी को पूजा सुपरफास्ट के नाम से चलाया जाएगा। इस दौरान ये ट्रेन किशनगढ़, फुलेरा, जयपुर, गांधीनगर, दौसा, बांदीकुई, आगरा फोर्ट, टूण्डला, कानपुर, प्रयागराज, पं दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पटना, बख्तियारपुर, आसनसोल, दुर्गापुर, बर्द्धमान होते हुए कोलकाता पहुंचेगी।

आपको बता दें कि नवरात्रा में कोलकाता में होने वाले विशेष दुर्गापूजा में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में लोग कोलकाता जाते है। इसके अलावा बिहार, यूपी और पश्चिम बंगाल बड़ी संख्या में लोग दीपावली के पर्व पर भी जाते है, जिसके कारण ट्रेनों में भीड़ ज्यादा रहती है। इसे देखते हुए रेलवे ने विशेष ट्रेन चलाने का फैसला किया है।

26 सितंबर से आरंभ होंगी शारदीय नवरात्रि , इस बार गज पर सवार होकर आएगी मां दुर्गा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मां दुर्गा की उपासना-आराधना का पर्व नवरात्रा 26 सितम्बर को घर घर घट स्थापना के साथ शुरू होगा। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि प्रदेश में सभी देवियों के मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई है । कोरानाकाल के दो साल बाद शारदीय नवरात्र महोत्सव के लिए इस बार जगह जगह होने वाले डांडिया कार्यक्रम को लेकर विशेष उत्साह है। कई जगहों पर डांडिया विशेषज्ञों के संयोजन में रिहर्सल भी शुरू हो चुकी है। राजधानी में कोविडकाल के दो साल बाद मां दुर्गा की पवित्र माटी से मूर्तियों का निर्माण शुरू किया जा रहा है।

देश में बढ़ेगा अन्न धन का भंडार

यूं तो मां दुर्गा का वाहन सिंह को माना जाता है। लेकिन हर साल नवरात्रि के समय तिथि के अनुसार माता अलग-अलग वाहनों पर सवार होकर धरती पर आती हैं। शारदीय नवरात्रि में इस साल माता का वाहन हाथी होगा। इस विषय में देवी भागवत पुराण में वर्णित है कि सोमवार को नवरात्रि आरंभ होने पर माता हाथी पर चढकर आती हैं जिससे खूब अच्छी वर्षा होती है और देश में अन्न धन का भंडार बढ़ता है। ज्योतिषियों के अनुसार मां का वाहन हाथी ज्ञान व समृद्धि का प्रतीक है।

घट स्थापना

प्रतिपदा तिथि का प्रारंभ 26 सितंबर को सुबह 3:24 मिनट को शुरू होकर 27 सितंबर की सुबह 3:08 मिनट तक होगा।

दुर्गा के स्वरूपों की आराधना कब

26 को प्रतिपदा घटस्थापना मां शैलपुत्री, 27 को द्वितीया मां ब्रह्मचारिणी, 28 को तृतीय मां चंद्रघंटा, 29 को चतुर्थी मां कुष्मांडा, 30 को पंचमी मां स्कंदमाता, 1 अक्टूबर को षष्ठी मां कात्यायनी, 2 को सप्तमी मां कालरात्रि, 3 को अष्टमी मां महागौरी दुर्गा, 4 को महानवमी मां सिद्धिदात्री व 5 अक्टूबर को मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन, विजयदशमी दशहरा है।

ANCHOR RERC का सोलर एनर्जी घरेलू उपभोक्ताओं को झटका

2 रुपए यूनिट पर बिजली खरीदेगा डिस्कॉम्स

1 रुपए 14 पैसे रेट घटाई

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान इलेक्ट्रिसिटी रेग्युलेटरी कमीशन ने बिजली डिस्कॉम्स को रिन्यूएबल बिजली बेचने वाले उपभोक्ताओं को बड़ा आर्थिक झटका दिया है। सोलर समेत रिन्यूएबल एनर्जी प्रोडक्शन करने वाले उपभोक्ताओं को डिस्कॉम ग्रिड में एक्सपोर्ट कर बेची जाने वाली एक्सट्रा बिजली के बदले अब 3.14 रुपए प्रति यूनिट की जगह 2 रुपए प्रति यूनिट रेट पर ही डिस्कॉम पेमेंट करेंगे। घरेलू इस्तेमाल के बाद बची हुई एक्सट्रा बिजली बेचने पर उपभोक्ताओं को अब 1 रुपए 14 पैसे प्रति यूनिट का नुकसान होगा।

1 मेगावाट में 1000 यूनिट और 5 मेगावाट में कुल 5000 यूनिट होती हैं। उदाहरण के तौर पर कोई उपभोक्ता अगर 82 प्रतिशत यानी 4100 यूनिट बिजली खुद इस्तेमाल कर लेता है। सिर्फ 18 प्रतिशत एक्सट्रा यानी 900 मेगावाट बिजली डिस्कॉम को ग्रिड में देकर बेचता है। तो पहले उसे 3.14 रुपए यूनिट के हिसाब से 2826 रुपए मिलते थे। अब उसे केवल 1800 रुपए ही मिलेंगे। 1026 रुपए का नुकसान होगा। लेकिन 82 प्रतिशत बिजली हर उपभोक्ता इस्तेमाल नहीं कर पाता है। ऐसे में बिजली की खपत कम होने और एक्सपोर्ट ज्यादा होने पर नुकसान और ज्यादा होगा।

₹2 प्रति यूनिट किया जाएगा भुगतान

राजस्थान डिस्कॉम के चेयरमैन भास्कर ए सावंत ने बताया कि राजस्थान इलेक्ट्रिसिटी रेग्युलेटरी कमीशन ने नेट मीटरिंग उपभोक्ताओं की फीड इन टैरिफ तय की है। जिसमें डिस्कॉम की ग्रिड में डाली गई एक्सट्रा प्रोड्यूस हुई बिजली का भुगतान 2 रुपए प्रति यूनिट की रेट से किया जाएगा। RERC ग्रिड इंटर एक्टिव डिस्ट्रिब्यूडेट रिन्यूएबल एनर्जी जनरेटिंग सिस्टम रेग्युलेशन-2021 के तहत घरेलू कैटेगरी के उपभोक्ताओं की ओर से एक्सपोर्ट की गई बिजली की मात्रा बिलिंग पीरियड के दौरान इम्पोर्ट की गई मात्रा से ज्यादा होने पर एक्सट्रा बिजली की मात्रा को वेटेड एवरेज टैरिफ पर खरीदा जाएगा। यह टैरिफ 5 मेगावाट से उससे बडे सोलर प्रोजेक्ट्स के लिए पिछली वित्तीय वर्ष में कम्पिटीटिव बोली के जरिए पता करने के बाद कमीशन अडॉप्ट करता है।

पहले 3.14 रुपए प्रति यूनिट थी रेट

कमीशन ने 5 मार्च 2019 को नेट मीटरिंग रेग्युलेशन 2019 के तहत केवल घरेलू कैटेगरी के उपभोक्ताओं के लिए एक्सट्रा एक्सपोर्ट की गई बिजली के लिए पेमेंट की रेट 3.14 रुपए प्रति यूनिट तय की थी। लेकिन पिछले फायनेंशियल ईयर 2021-22 में टैरिफ 2 रुपए यूनिट ही आई है। इसलिए 15 सितम्बर 2021 से इसी रेट पर पेमेंट किया जाएगा। मौजूदा समय में राजस्थान में 1.47 करोड़ बिजली उपभोक्ता हैं। इनमें नेटय मीटरिंग के तहत डिस्कॉम सिस्टम से 28000 उपभोक्ता जुड़े हैं। इनमें से 20 हजार घरेलू कैटेगरी के उपभोक्ताओं ने नेट मीटरिंग की फैसिलिटी ले रखी है। ऐसे घरेलू उपभोक्ता प्रोडक्शन होने वाली बिजली में से 82 प्रतिशत बिजली का इस्तेमाल खुद कर लेते हैं।

उपभोक्ता होंगे डिमोटिवेट

डिस्कॉम सूत्र बताते हैं- एक ओर प्रदेश में बिजली संकट बरकरार है। मॉनसून के दौरान भी 2000 से 2500 मेगावाट तक बिजली उच्चतम मांग से कम पड़ी है। मॉनसून पीरियड के बाद बिजली संकट और बढ़ सकता है। कोयले की कमी और महंगा विदेशी कोयला खरीदने की पाबंदियां पहले से हैं। राजस्थान को छत्तीसगढ़ की खानों के एक्सटेंशन से कोयला प्रोडक्शन की मंजूरी भी नहीं मिल पा रही है। ऐसे हालात में भी सोलर और ग्रीन एनर्जी उपभोक्ताओं को बढ़ावा देने और रेट बढ़ाकर मोटिवेट करने की बजाय रेट घटाई गई है। जिससे उपभोक्ता डिमोटिवेट हो सकते हैं। बोली लगाने की रेट 2 रुपए बताई गई है। लेकिन वह बहुत सीमित मात्रा में मिलने वाली बिजली हो सकती है। इसे सभी घरेलू सोलर और रिन्यूएबल उपभोक्ताओं पर लागू करना सही नहीं कहा जा सकता है।

जागरूक खबरें

■ जिला स्तरीय जनसुनवाई कल

जयपुर @ जागरूक जनता। आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम 15 सितम्बर (गुरुवार) को प्रात 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक जिला परिषद के सभागार में आयोजित किया जाएगा, जिसमें स्थानीय सांसद, विधायक, जिला प्रमुख एवं महापौर भाग लेंगे। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्र म में वीडियों कान्फ्रेंस के माध्यम से मुख्य सचिव एवं जिला प्रभारी सचिव भी भाग लेंगे। जिले के सभी उपखण्ड अधिकारी सहित सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी वीडियों कान्फ्रेंस के माध्यम से जुड़ेगे। इस दौरान जिले के सभी विभागों के अधिकारी जनसुनवाई में भाग लेकर आमजन की समस्याओं का निस्तारण करेंगे।

■ कोटा, जयपुर और भरतपुर संभाग में भारी बारिश की संभावना

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश में कमजोर चल रहा मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने 13 से 15 सितंबर तक कोटा, जयपुर, उदयपुर व भरतपुर संभाग के कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। विभाग का मानना है कि पूर्वी राजस्थान के अधिकतर जिलों में चार-पांच दिन मध्यम दर्जे की बारिश होगी। मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ व आसपास के ऊपर बना डिप्रेशन तंत्र आज कमजोर होकर वेलमार्क लो प्रेशर एरिया में बदला है। वर्तमान में दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश के ऊपर अवस्थित है।

■ विधान सभा अध्यक्ष डॉ. जोशी पुणे जायेंगे

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी 16 सितम्बर को पुणे जायेंगे। डॉ. जोशी पुणे में आयोजित राष्ट्रीय युवा विधायिका सम्मेलन में भाग लेंगे।

नागौर और जयपुर में 'राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक' खेल गतिविधियों का अवलोकन

प्रदेश की खेल प्रतिभाओं का आगे लाना सरकार का ध्येय-मुख्यमंत्री

■ मुख्यमंत्री ने किया विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

■ राजस्थान की जनकल्याणकारी योजनाओं को देशहित में अपनाए केंद्र सरकार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को नागौर के नावां और जयपुर के दूदू में ब्लॉक स्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान गहलोत ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास, लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया। समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा, चिकित्सा, सड़क, बिजली, पानी, कृषि, रोजगार सहित सभी क्षेत्रों में राजस्थान को अग्रणी बनाने के लिए किसी भी तरह की कमी नहीं रखी जा रही है। गहलोत ने कहा कि केंद्र सरकार को राजस्थान की जनकल्याणकारी योजनाओं के मॉडल को पूरे देश में लागू करना चाहिए, ताकि हर वर्ग को संबल मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों के ऐतिहासिक आयोजन से ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिला है। यही खिलाड़ी भविष्य में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए पदक विजेता बनेंगे। देश में पहली बार राजस्थान में इस अभूतपूर्व आयोजन से गांव-ढाणी में खेलों का माहौल बना है। राज्य सरकार द्वारा अब हर साल ग्रामीण खेलों का आयोजन किया जाएगा। ग्रामीण ओलंपिक के सफल आयोजन के बाद शहरी ओलंपिक पर भी विचार कर रहे हैं। गहलोत ने कहा कि खेल जात-पात, धर्म, अमीरी-गरीबी से अलग है। सिर्फ खिलाड़ी ही मैदान में उतरता है। ग्रामीण ओलम्पिक से गांवों में सामाजिक समरसता का माहौल और बन रहा है। इससे क्षेत्र के चहुमुंखी विकास को भी गति मिलेगी।

खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए अहम निर्णय

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेलों के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने के लिए अहम निर्णय ले रही है। इसी दिशा में ग्रामीण ओलंपिक एक मजबूत कदम है। इनमें हर आयु वर्ग के लगभग 30 लाख खिलाड़ियों का पंजीकरण खेल के स्वर्णिम भविष्य की ओर इंगित कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन में कोई कमी नहीं आने देगी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियों में 2 प्रतिशत आरक्षण, 229 खिलाड़ियों को आउट-ऑफ-टर्न नियुक्ति, ओलम्पिक व कॉमनवेल्थ पदक विजेताओं तथा गुरू वशिष्ठ व महाराणा प्रताप अवॉर्ड में सम्मान राशि बढ़ाने, मेजर ध्यानचंद स्टेडियम योजनांतर्गत प्रत्येक ब्लॉक में खेल स्टेडियम बनाने सहित कई ?तिहासिक फैसले लिए हैं। पदक विजेता खिलाड़ियों को संविदा नियुक्तियों में भी प्राथमिकता मिलेगी।

ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करें केंद्र सरकार

उन्होंने प्रधानमंत्री से राजस्थान के 13 जिलों के हित में राजस्थान पूर्वी नहर परियोजना (ईआरसीपी) को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की अपील की। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे अहिंसा का माहौल बनाने के लिए देशवासियों को संबोधित करें। साथ ही राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए जल जीवन मिशन के तहत 'हर घर नल' पहुंचाने के लिए राज्य को विशेष श्रेणी में रखकर सहयोग करें।

राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं से मिला संबल

गहलोत ने कहा कि इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना लागू कर अब शहरों में भी जरूरतमंद परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। मांग अनुसार हर परिवार को 100 दिन का रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों की अनुकरणीय पहल की गई है। गरीब तबके के विद्यार्थियों को निजी विद्यालयों में अंग्रेजी पढ़ने के लिए मोटी फीस से भी निजात मिली है। ये बच्चे भी शुरूआत से ही अंग्रेजी सीखकर अपना भविष्य उज्ज्वल कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने किया आरएमजीबी की वार्षिक रिपोर्ट का लोकार्पण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को यहाँ मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान मरूधरा ग्रामीण बैंक (आरएमजीबी) की वार्षिक रिपोर्ट (वित्तीय वर्ष 2021-22) का लोकार्पण किया। गहलोत ने आरएमजीबी द्वारा 25 हजार करोड़ रुपए से अधिक के व्यवसाय का लक्ष्य प्राप्त करने पर बैंक के अधिकारी-कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान आरएमजीबी के चेयरमेन ज्ञानेन्द्र कुमार जैन एवं मुख्य विकास अधिकारी अभिमन्यु चारण भी उपस्थित रहे।

हिन्दूधर्म महासभा 20 को

निश्चलानन्द सरस्वती महाराज की गोविंददेव जी मंदिर में होगी धर्मसभा

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर में 20 सितम्बर को हिन्दूराष्ट्र संगोष्ठी और धर्मसभा का आयोजन होने जा रहा है। इस धर्मसभा को श्री गोवर्धनमठ पुरी पीठाधीश्वर श्रीमज्जद गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चलानन्द सरस्वती महाराज संबोधित करेंगे।

जयपुर के गोविंद देवजी मंदिर सभागार में 20 सितंबर को शाम 5 बजे होगी। इस दौरान महाराज 3 दिवसीय प्रवास पर जयपुर रहेंगे। कार्यक्रम का आयोजन आदित्य वाहिनी, धर्मसंघ, पीठपरिषद और आनन्द वाहिनी की ओर से किया जा रहा है। आदित्य वाहिनी राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष गोपाल शर्मा ने बताया कि महाराज के सानिध्य में राष्ट्रोउत्कर्ष अभियान यात्रा के अंतर्गत हिंदू राष्ट्र संगोष्ठी आयोजित होगी। इसके लिए महाराज 19 सितम्बर को नागौर से जयपुर पहुंचेंगे, जिनका सुबह 4 बजे जयपुर जंक्शन पर श्रद्धालुओं की ओर से स्वागत किया जाएगा। 19 सितम्बर शाम 5 बजे पत्रकार कॉलोनी मानसरोवर में बने माहेश्वरी समाज के जनोपयोगी भवन पर पादुका पूजन व गोष्ठी होगी। 20 को विशाल धर्मसभा शाम 5 बजे ठिकाना श्री गोविंददेव जी मंदिर सभागृह में आयोजित की जाएगी। 21 सितम्बर को पादुका पूजन, गोष्ठी, दीक्षा और विदाई अभिनंदन कार्यक्रम होगा।

मंत्री के रिश्तेदार ने सरेंडर किए 18 करोड़

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान सरकार के गृह राज्यमंत्री राजेंद्र यादव के रिश्तेदारों और उनसे जुड़े ठिकानों पर हुई इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की रेड के बाद कारोबारी फर्म के पार्टनर्स ने 18 करोड़ रुपए की अघोषित इनकम सरेंडर कर दी है। इनकम टैक्स विभाग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक मंत्री के ठिकानों पर यह कार्रवाई नहीं की गई है। क्योंकि वहां ऐसा कुछ नहीं था। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने अब तक करीब 110 करोड़ रुपए की अघोषित आय पकड़ी है। हालांकि विभाग अघोषित इनकम का अमाउंट 175 करोड़ रुपए तक मानकर अपनी जांच कर रहा है। इस पूरी छापेमार कार्रवाई के दौरान इनकम टैक्स अफसरों ने 2.90 करोड़ रुपए की नकदी और 1.25 करोड़ रुपए मूल्य की ज्वेलरी भी जब्त की है।

जगद्गुरु श्री कृपालु जी महाराज द्वारा दिव्य प्रवचन
एवं मधुर संकीर्तन निम्न TV चैनल्स पर अवश्य श्रवण करें
shreedharididi.in
निवेदिका: श्रीधरी दीदी

NEWS 18 इंडिया — प्रतिदिन (प्रातः) EVERY DAY 5:30 AM
न्यूज़ 24 — सोम-शुक्र (प्रातः) MON - FRI 5:30 AM
भारत समाचार — प्रतिदिन (प्रातः) EVERY DAY 6:50 AM
साधना — प्रतिदिन (प्रातः) EVERY DAY 8:15 AM
संस्कार — सोम-शनि (रात्रि) MON - SAT 8:30 PM

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech

ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Digital Marketing ★ Whatsapp Marketing ★ Bulk SMS Marketing
★ Website Development ★ Android Development ★ Software Development ★ Social Media Management
MSGJET
SchoolMaster SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan

WE ARE Google Partner (AdWords, Analytics) Marketing Partner Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

राजस्थान आवासन मण्डल
हमारा प्रयास-सबको आवास

जयपुर के प्रताप नगर में विकसित देश के पहले
इन्तज़ार की घड़ियां समाप्त
कोचिंग हब
आवंटन लॉटरी द्वारा
में निर्मित
संस्थानिक सम्पत्ति की आवंटन प्रक्रिया प्रारम्भ

ऑनलाइन आवेदन 30 सितम्बर, 2022 तक

फोटो प्रतीकात्मक

उपलब्ध कोचिंग परिसरों (परिसम्पत्तियों) का विवरण :

क्र. सं.	निर्मित क्षेत्रफल का वर्गीकरण	उपलब्ध संख्या	सुपर बिल्टअप क्षेत्रफल (वर्गफीट)	दर प्रति वर्गफीट	कीमत (रुपयों में)
1(a)	Type-I (Ground &1st Floor)	16	8025.56	4619.69	3,70,75,600/-
1(b)	Type-I (2nd & 3rd Floor)	14	8025.56	4490.69	3,60,40,300/-
2	Type-II	40	4012.72	4233.86	1,69,89,300/-
3	Type-III	20	2808.79	4233.92	1,18,92,200/-
4	Type-IV	10	2409.91	4233.85	1,02,03,200/-
5	Type-V	20	2424.65	4233.84	1,02,65,600/-
6	Type-VI	20	1588.06	4233.90	67,23,700/-

नोट :- उपरोक्त कीमत के अतिरिक्त नगर निगम को देय 15 प्रतिशत राशि एवं अन्य विविध व्यय पृथक से देय होंगे।

आवेदन के लिए पात्रता
• जयपुर शहर में संचालित कोचिंग संस्थानों को वरीयता • कम से कम तीन वर्षों से कोचिंग के क्षेत्र में कार्यरत एवं पंजीकृत संस्थान

शर्तें/भुगतान प्रक्रिया
- पंजीकरण हेतु आवेदन शुल्क 5000/- रुपये (18% GST अतिरिक्त)
- प्रोसेसिंग फीस राशि 10000/- रुपये (18% GST अतिरिक्त)
- आवेदक उपरोक्त तालिका में दर्शायी 6 श्रेणियों में से किसी एक श्रेणी में ही आवेदन कर सकेगा
- प्रत्येक श्रेणी में लॉटरी द्वारा आवेदकों की वरीयता निर्धारित की जायेगी
- वरीयता निर्धारण पश्चात् सफल आवेदकों को संस्थानिक सम्पत्ति का आवंटन लॉटरी द्वारा किया जायेगा
- 50 प्रतिशत राशि (पंजीकरण राशि समायोजित करते हुए) आवंटन पत्र जारी होने की तिथि से 120 दिवस में जमा करानी होगी
- शेष 50 प्रतिशत राशि आवंटन पत्र जारी होने की तिथि से 180 दिवस में जमा करानी होगी
- आवंटन पश्चात् संस्था आवंटित क्षेत्रफल में आन्तरिक साज-सज्जा का कार्य करवा सकेगी। परन्तु आवंटित परिसम्पत्ति का विधिवत कब्जा सम्पूर्ण राशि जमा कराने के पश्चात् ही दिया जा सकेगा
- आवंटी संस्था द्वारा विधिवत कब्जा प्राप्त करने से तीन माह की अवधि में संस्था संचालन की कार्यवाही करनी अनिवार्य होगी

आवंटन प्रक्रिया में भाग लेने, विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए आवासन मण्डल की वेबसाइट www.urban.rajasthan.gov.in/RHB देखें

हेल्प लाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 0141-2740009 कार्यालय समय उपरान्त: (सायं 6:00 से 8:00 बजे तक) 9461054291 एवं 9460254319, शांतनु वार्ष्णेय (9983131666), पवन सोनी (8852000770) या समन्वयक अधिकारी, श्री भारत भूषण जैन (9828363615) आवासीय अभियंता, श्री प्रकाश चौधरी (9983993886) से सम्पर्क करें।
मौका दिखाने के लिए साइट पर हैल्प डेस्क की व्यवस्था।

RERA Website: www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2022/2068

राजस्थान संवाद

सम्पादकीय

सेनाओं की वापसी

पूर्वी लद्दाख में एक इलाके से चीन के पीछे हटने की खबर किसी खुशखबरी से कम नहीं है, लेकिन क्या हम वाकई समग्र सीमा समाधान की ओर अपेक्षित गति से बढ़ रहे हैं? भारत ने बीते शुक्रवार को कहा कि हॉट स्प्रिंग्स में भारतीय और चीनी सैनिकों की वापसी 12 सितंबर तक पूरी हो जाएगी और दोनों पक्ष वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शेष मुद्दों को हल करने के लिए बातचीत को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। यह देखने वाली बात होगी कि क्या चीन भी समान भाव से पीछे हट रहा है? घुसपैठ तो उसी ओर से हुई थी। सीमा पर शांति के लिए उसका पीछे हटना ज्यादा जरूरी है। खैर, दोनों देशों के सैन्य कमांडरों ने यह संयुक्त बयान जारी किया है, तो इसके निहितार्थ को समझा जा सकता है। बताया जा रहा है कि पीछे हटने पर 17 जुलाई को ही सैन्य कमांडर स्तरीय 16वीं बैठक में सहमति बन गई थी, लेकिन जब जमीनी स्तर पर दोनों देशों की सेनाओं ने पीछे हटना शुरू किया, तब सबको बताया गया। सहमति के अनुरूप गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स के क्षेत्र से सैनिक हटेंगे, इसे पेट्रोलिंग प्वॉइंट-15 या पीपी-15 भी कहा जाता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया है कि पीछे हटने की प्रक्रिया 8 सितंबर को शुरू हुई है और 12 सितंबर तक चलेगी।

पीपी-15 पर चल रहे गतिरोध का अंत सकारात्मक संकेत है। गलवान घाटी, पैंगोंग झील के कुछ इलाकों से सेनाओं की वापसी हो गई है। सैन्य कमांडर स्तर की वार्ता पूरी तरह से नाकाम नहीं कही जा सकती। हालांकि, इस नई सूचना के आने से पहले तक यही चर्चा थी कि सैन्य कमांडर स्तरीय वार्ता से कुछ खास लाभ नहीं है और चीन हठ पर अड़ा हुआ है। यहां तक कहा जा रहा था कि समाधान के लिए मंत्री या कूटनीतिक अधिकारी स्तरीय वार्ता शुरू होनी चाहिए। खैर, अच्छी बात है कि वार्ता में खर्च हुआ समय और संसाधन बेकार नहीं गया। अगर चीन वाकई सीमा पर शांति बहाल करने का इच्छुक है, तो उसे समग्र समाधान की दिशा में बढ़ना चाहिए। भारत सीमा विवाद का यथोचित समाधान चाहता है, उसकी मंशा कभी भी घुसपैठ या किसी की जमीन हड़पने की नहीं रही है और न हम ऐसा कोई दावा करते हैं। हमारे लिए जरूरी है कि हम अपनी भूमि की रक्षा करें। जबकि सच यह है कि चीन हमें धीरे-धीरे खुरचने की नीति के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत को आगे की वार्ताओं में अकाट्य तर्क और तथ्य के साथ चीन को पीछे हटने के लिए मजबूर करना चाहिए। पड़ोसी देश को अगर अपनी गलती का एहसास नहीं है, तो हमें पूरी सक्रियता के साथ उसे समाधान की दिशा में ले जाने की कोशिश करनी चाहिए। एक पहलू यह भी है कि अगले सप्ताह भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात संभावित है। चीन को ठीक से पता है कि भारत को किसी भी आर्थिक क्षेत्रीय सहयोग संगठन में शामिल करने के लिए सीमा समाधान कितना जरूरी है। आज भारत जैसे विशाल देश को चीन नजरअंदाज नहीं कर सकता, उसे यह भी पता है कि भारत के साथ रहने में उसे हर प्रकार से फायदा है। अतः चीन को अपनी नीतियों में परिवर्तन करना चाहिए। उसकी मंशा स्पष्ट होनी चाहिए और भारत-चीन सीमा का स्थायी समाधान ठीक वैसे ही होना चाहिए, जैसे रूस-चीन सीमा का हुआ। भारत को छोटे-छोटे समाधानों पर अभिभूत होने के बजाय अंतिम और संपूर्ण समाधान के लिए प्रयासरत होना चाहिए।

जहां हमारे देश भारत में हिंदी को सिर्फ राजभाषा बनकर सब्र करना पड़ा, वह राष्ट्रभाषा बनने को भी तरसी, वहां दूसरी ओर इंटरनेट के इस युग ने हिंदी को वैश्विक धाक जमाने का बड़ा आसमान दिया।

अपने घर में बेगानी, पर दुनिया में बढ़ा रूतबा

मंजू माहेश्वरी
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

हिन्दीभाषी सबसे ज्यादा भारत में हैं। यहां 53 करोड़ भारतीय हिंदी बोलते हैं। पर हमें अपने आप से यह सवाल करना चाहिए कि लाख प्रयासों के बावजूद हिंदी को वह स्थान क्यों नहीं मिल पाया, जिसकी वह हकदार है?

आज हिंदी दिवस है, इसलिए हिंदी भाषा पर आलेख सवाल उठता है कि साल के सिर्फ एक दिन हमें हिंदी दिवस मनाये जाने की जरूरत क्यों है। जिस देश में हिंदी भाषा ने अपना अस्तित्व बनाया, उस देश में ही उसके साथ उपेक्षित व्यवहार! वैश्विक मंच पर लगातार अपनी मजबूत पहचान बना रही हिंदी अपने देश भारत में राष्ट्र भाषा नहीं बन पाई, अब तक राज-काज की भाषा नहीं बन पाई, आखिर क्यों? महात्मा गाँधी ने कहा था, 'जैसे ब्रिटेन में अंग्रेजी बोली जाती है और सरकारी काम-काज अंग्रेजी में होता है। वैसे ही हिंदी हमारी राष्ट्र भाषा है,जनमानस की भाषा है और इसे राष्ट्र भाषा का सम्मान मिलना चाहिये।' पर क्या गांधीजी का सपनाज सिर्फ सपना ही रहेगा? बेशक, मेरे देश भारत की बिंदी है हिंदी। सरल, सहज, अद्भुत और सुन्दर भाषा है हिंदी । दुनियाभर ने इसके महत्व को जाना भी और माना भी। हमें हिंदी को भारत की भाषा कहने में नहीं, बल्कि बनाये रखने के लिए संकल्पबद्ध होना होगा।

हिंदी; रूह से निकली भाषा, जो अनायास ही दिल में उतर जाती है, दिल के तार झंकृत कर देती है। जाहिर है, अपनी बात को, भावों को, जज्बातों को पूरी तरह से जुबां तभी मिल पाती है, जब उसे अपनी भाषा में कहा जाये, लिखा जाये। मन की कही को शब्द देने के लिए शहद सी मिठास घोल देने वाली हिंदी से बेहतर कुछ हो ही नहीं सकता। इसकी वर्णमाला दुनिया की अन्य भाषाओं से काफी समृद्ध है। इसकी अनेक बोलियां हैं। हमारे देश में तक़रीबन 77 फीसदी लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। दुनिया में भाषाओं का इतिहास बताने वाली संस्था एथनोलॉग के मुताबिक़ विश्व में 75 करोड़ लोगों की भाषा होकर हिंदी का तीसरा स्थान है। 135 करोड़ के साथ अंग्रेजी पहले और 120 करोड़ के संग चीनी मंदारिन दूसरे नम्बर पर है। हिन्दीभाषी सबसे ज्यादा भारत में हैं। यहां 53 करोड़ भारतीय हिंदी बोलते हैं। पर क्या लाख प्रयासों के बावजूद विश्व की तीसरी भाषा को वह स्थान मिल पाया, जिसकी वह हकदार है। किसी देश की संस्कृति की पहचान होती है भाषा, तो उसे संरक्षित करने के लिए क्या हम पुरजोर कोशिश कर रहे हैं?

एक नजर डालें तो 14 सितम्बर 1949 को हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया। संविधान के अनुछेद 343 में यह प्रावधान किया गया था कि 'संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी। अंग्रेजी को 15 साल तक एक सहयोगी आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया गया। यह भी जिक्र किया गया कि 15 साल बाद हिंदी एकमात्र आधिकारिक भाषा बन जाएगी यानी 26जनवरी 1950 से अंग्रेजी की जगह हिंदी को राजभाषा बनना था।' तय हुआ कि केंद्र और राज्य हिंदी में संवाद करेंगे। राजभाषा का गठन किया जाना था । इधर दक्षिण भारत के राज्य हिंदी के आने से फिक्रमंद थे, वहां आंदोलन और हिंसा का दौर चला। 1967 में राजभाषा अधिनियम में संशोधन किया गया कि गैर हिन्दीभाषी राज्य जब तक चाहें,तब तक अंग्रेजी को देश की आधिकारिक भाषा के रूप में माना जाए। यह व्यवस्था आज भी यथावत है।

एक रिपोर्ट के अनुसार हिन्दुस्तान में 2001 में 41 करोड़ लोग हिंदी बोल और समझ सकते थे,जो 2011 में बढ़कर 53 करोड़ तक पहुँच गए। साल 2014 में 12.10 करोड़ लोग हिंदी अखबार पढ़ते थे, 2021 तक 18.60 करोड़ पाठकों के साथ इस आंकड़े ने हिंदीभाषियों में वृद्धि जताई। गौरतलब है कि वर्ष 2022 के अंत तक इंटरनेट पर कुल संख्या के 38 प्रतिशत लोग हिंदी में काम करेंगे, जो हिंदी के उज्जवल भविष्य का संकेत है। यूनिवर्सल एक्सेप्टेन्स एक्सपर्ट हरीश चौधरी के मुताबिक 2022 तक दुनिया में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले एक अरब हो जाएंगे। इनमें से 50 करोड़ से अधिक भारत के होंगे। निश्चित रूप से हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि को इंटरनेट सुविधाएं मुहैया होने से हिंदी को मुख्य भाषा बनने का अवसर मिला है। आंकड़े बताते हैं कि हमारे देश में 50 करोड लोग इंटरनेट प्रयोग करते हैं,जबकि 18 फीसदी ही अंग्रेजी समझ पाते हैं। उनके लिए हिंदी में पेमेंट मोड, एप आदि तैयार करना इसी दिशा की ओर एक कदम है। यहां तक कि विदेशी कंपनियां भी नेट पर हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दे रही हैं। ई-कॉमर्स साइट अमेज़ॉन ने अपना हिंदी एप लांच किया। क्वेपडील, ओएलएक्स, क्रिकर जैसे प्लेटफार्म हिंदी में हैं। हिंदी को यूनिकोड में लिखने की सुविधा ने इंटरनेट पर हिंदी की शानदार उपस्थिति दर्ज कराई है। गूगल तो हिंदी को महत्ता दे ही रहा है, जिसका परिणाम इसके यूज़र्स की संख्या में बढ़ता इजाफा दर्शा रहा है। गूगल के अनुसार हिंदी में कंटेंट पढ़ने वाले हर साल 94 प्रतिशत बढ़ रहे हैं,जबकि अंग्रेजी में यह वृद्धि दर सालाना 17 फीसदी है।

जाहिर है कि इंटरनेट पर हिंदी के यूजर्स का दबदबा बढ़ता जा रहा है, हिंदी ने इसके माध्यम से पुख्ता पहचान बनाई है। केएमपीजी की रिपोर्ट दर्शाती है कि 2016 में इंटरनेट पर 17.5 करोड़ लोग अंग्रेजी उपयोग में लाते थे और हिंदी भाषा का प्रयोग करने वाले यूजर्स 23.4 करोड़ थे। 2021 में यही संख्या बढ़कर अंग्रेजी के उपयोगकर्ताओं की 17.5 करोड़ से 19.9 करोड़ तक पहुंची, वहीं हिंदी भाषियों की संख्या बढ़कर 23.4 करोड़ से दुगनी से ज्यादा बढ़कर 53.6 करोड़ हो गई। 2011की जनगणना के मुताबिक़ भारत की 1.2 अरब आबादी में से 41.03 फीसदी की मातृ भाषा हिंदी है। हिंदी को दूसरी भाषा के साथ इस्तेमाल करने वालों के साथ देश के करीब 75 प्रतिशत लोग हिंदी बोलते हैं। इन लोगों के साथ दुनिया में करीब 80 करोड़ लोग इसे बोल या समझ सकते हैं। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की रिपोर्ट के अनुसार हिंदी 2050 तक दुनिया की सबसे ताकतवर भाषाओं में शामिल होगी। इसका बड़ा कारण है कि हिंदी अब अर्थव्यवस्था और मार्केट की भाषा बनने की दिशा में आगे बढ़ रही है। जरूरत है कि एक दिन हिंदी दिवस मनाकर हम इतिश्री नहीं कर लें, यह हमारा गर्व है, इसे प्रगति की राह की दरकार है।

(लेखक के ये अपने विचार है)

सेव की सेहत और कुछ राजनीति संवभावनाएं

डॉ. रामवतार शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

भारत में करीब 24 लाख टन सेव की पैदावार होती है। इसमें से 17 लाख टन तो कश्मीर में, 6 लाख टन हिमाचल प्रदेश में और बाकी के 1 लाख टन उत्तराखंड, उत्तरपूर्वी राज्यों और तेलंगाना में होते हैं। इस तरह से साफ नजर आता है कि सेव के स्वास्थ्य का कश्मीर और हिमाचल की राजनीति में बड़ा महत्व है। यदि सेव की फसल का उचित दाम नहीं मिला तो बागों के मालिक और मजदूर सत्ता परिवर्तन में बड़ा योगदान दे सकते हैं। और भारतीय सेव का स्वास्थ्य अच्छा नहीं दिख रहा है। भारतीय सेव गुणकारी तो है पर तुलनात्मक रूप से आयातित सेव से महंगा है क्योंकि भारत का वातावरण सेव के उत्पादन के उपयुक्त नहीं है। चूंकि आयातित सेव बड़ा होता है, सस्ता होता है तो आत्म निर्भर भारत के दीवाने भी आयातित सेव ही खरीदना पसंद करते हैं। भारत में सेव चीन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ईरान और यूरोप से आते हैं। संगठित क्षेत्र की बड़ी बड़ी खुदरा श्रृंखलाएं हों या बड़े व्यापारी, सब आयातित सेव के व्यापार को महत्व देते हैं। भारत का किसान असंगठित होने एवं मौसम के परिवर्तन की वजह से विदेशी किसानों से मुकाबला करने में अक्षम है। इस तरह भारतीय सेव की सेहत कुछ नासाज सी है और इसके राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं।

भारत की तकरीबन हर राजनीतिक पार्टी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में केंद्र सरकार का हिस्सा रह चुकी है। हर पार्टी कृषि उत्पादकों की भलाई का जोर शोर से वादा कर उनके वोट प्राप्त करती है पर चुनाओं के बाद वही ढाक के तीन पात। आजादी के अमृतपर्व मनाते हम आज तक ऐसा नहीं कर पाए हैं कृषि उत्पाद खलिहानों से भोजन के थाली तक बिना बड़ी मात्रा में नष्ट हुए पहुंचे। सरकारी संस्थान नाफेड की ईमानदारी और कार्य कुशलता के बारे में न कहना ही उचित होगा क्योंकि यह भी भारतीय खाद्य निगम की जुड़वां बहन है। कश्मीर में जब धारा 370 हटाई गई थी तब केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने आश्वासन दिया था कि कश्मीर के सेव उत्पादकों को बड़ा सहारा दिया जायेगा। अब नेताओं के वादे तो उनके वादे मात्र होते हैं। नहीं निभाए पर बी जे पी फिर भी कश्मीर घाटी में अपना खाता खोलना चाहती है। सेव उत्पादकों के सहयोग के बिना पार्टी ऐसा कैसे कर पाएगी इसको देखना रोचक हो सकता है। संभावना कम है पर राजनीति कौन क्रिकेट से कम होती है ?

बात हिमाचल की काफी महत्वपूर्ण होगी। कांग्रेस और बी जे पी वहां बदल बदल कर सरकार बनाती रही हैं पर इस बार आम आदमी पार्टी कुछ बड़ा कर सकती है । यदि इसकी संभावना शून्य होती तो इसके हिमाचल प्रभारी को येन केन प्रकारने ई डी या सी बी आइ की गिरफ्त में रखने का षडयंत्र नहीं रचा जाता। शायर आशिफ खान के अंदाज में कहूं तो -

वो बात जिस से डर था, खुली तो जां लेगी
सो अब ये देखिए, जा के वो कहां दम लेगी।।

कविता

अंतिम यात्रा

प्रवणी वंजारा
नीमका थाना
@jagrukjanta.net

उठती लपटें, उठता धुआं
अंतिम यात्रा जीवन पथ की यह,
अंतिम सांसे,अंतिम जगत
मृत शरीर का वर्तमान यह,
तिलांजली लगी आग उठी
सरपट दौड़ते लोग यहाँ
धूं-धूं जलती काया-रह गई सब मोह माया,
चक्र यह काल का - इंसानी फितरत जाल का,
यहीं यात्रा अंतिम हैं
यही तो अंतिम संस्कार हैं, राख उड़ती धूल सी
जमघट लगता उसी दिन यहाँ
जो आएगा वो जाएगा
यही जीव का सत्य अटल,
उठती लपटें, उठता धुआं
अंतिम यात्रा जीवन पथ की यह,
चार लोगो ने दिया कांधा
कुछ दिन रहा यादों का आना,
अमीर की शय्या सजी धजी
गरीब की हैं बुझी-बुझी-जलती काया उठती लपटें
रोता मन, करुण पुकार,
एक दिन सबका आएगा
शमसान सब हो जाएगा
कर्म योग का जीवन यह, दंभ लालच लोभ यहाँ
क्या लेकर आया था रे इंसा, क्या लेकर जाएगा
मौत तो इकदिन सबको आनी
झूठा अहंकार तेरा यह, उठती लपटें,उठता धुआं
अंतिम यात्रा जीवन पथ की यह ।

प्रसंगवश

सर्वश्रेष्ठ भारत के लक्ष्य को सुगम बनाएगी हिन्दी

एकता शर्मा
स्वतंत्र लेखिका
@jagrukjanta.net

भारत विविधताओं का देश है। अनेक भाषाओं और बोलियों से सजी यह गौरव धरा लोगों को एकता के सूत्र में जोड़ती है। महान स्वतंत्रता सेनानी आचार्य केशवचन्द्र सेन ने साल 1875 में अपने समाचार पत्र सुलभ समाचार में लिखा था कि अपनी बात को इस देश में आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाने में सबसे सरलतम मार्ग है हिंदी। इसका अर्थ है कि हिंदी भारतीय जनमानस की आत्मा में बसती है। कवि गुरू रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने भी एक बार कहा था कि भारत की सब प्रांतीय बोलियां अपने घर में रानी बन कर रहें और आधुनिक भाषाओं के हार की मध्यमणि हिंदी भारत-भारती होकर विराजती रहें। उनके कहे इन शब्दों की ताकत का नतीजा आधुनिक भारत में दिख रहा है। भारत सरकार ने इस दिशा में कारगर कदम उठाएं है। अब जरूरत है हिंदी के स्वरूप को दुनिया के सामने लाकर विश्व भाषा के तौर पर दर्जा देने की।

क्षेत्रीय भाषाओं से मिलेगी हिंदी को प्रबलता

हिंदी में ब्रज, अवधी, भोजपुरी, राजस्थानी, पहाड़ी, बुंदेली, मागधी, बघेली और खड़ी भाषाओं के साथ ही उन उपजन भाषाओं के शब्द भंडार, लोकोक्तियां और मुहावरे रची बसी हुई है। हिंदी का इन सभी क्षेत्रीय भाषाओं के साथ शताब्दियों से गहरा संबंध रहा है। भाषा में विश्व मन का भाव होने से ही विश्व भाषा के तौर पर हिंदी को स्थापित कर सकेंगे। हिंदी साहित्य की विशालता किसी भी देश के साहित्य प्रेमियों के लिए अनमोल रत्न रूपी खजाना है, जो विश्व के पाठकों और साहित्य के लब्धियों को अपनी और आकर्षित कर पाने में समर्थ है। विश्व भाषा से यह अपेक्षा रखी जाती है कि उसे बोलने और समझने वालों को एक लक्षित क्षेत्र के भौगोलिक विस्तार और अभिव्यक्ति की समझ को परिलक्षित कर सके। हिंदी एकमात्र ऐसी भाषा है जो एक स्वीकृत मानक के आधार पर बनी हुई है। हिंदी का यह विशेष गुण उसे सर्वाधिक प्रिय बनाता है। एनाकाटीर इनसाइक्लोपीडिया के अनुसार चीनी भाषा के बाद दुनिया में सर्वाधिक प्रयुक्त होने वाली भाषा हमारी हिंदी भाषा है।

जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक है हिंदी

सहज, सरल और सुगम होने के साथ ही हिंदी भाषा हमारे भारतीय जीवन मूल्यों, संस्कृति और संस्कारों की सच्ची संवाहक है। एक भाषा के रूप में यह हमारी संवेदनशील परिचायक है।1918 में पहली बार जब हिंदी साहित्य सम्मेलन में महात्मा गांधी ने इसे राष्ट्रभाषा बनाने की बात कही शायद तभी से हिंदी अपने गौरवशाली अतीत को पुकार रही है। हिंदी को सिरमौर बनाने के लिए जरूरी है कि हमें इसे भाषा नहीं अपितु परिवार के एक अभिन्न अंग के तौर पर स्वीकार करना होगा। जरूरत है इस भावनात्मक भाषा को जनमानस तक पहुंचाने की, ताकि मर्यादित भाषा की सौंदर्यता सभी तक पहुंच सके। नए युग में हमने हिंदी को हिंग्लिश में बदल दिया है, जो हिंदी के जीवंत स्वरूप पर कुठाराघात करने जैसा है, अब जरूरत है हमें संप्रेषण के लिए देशज भाषाओं का इस्तेमाल करना होगा, ताकि हम हिंदी को उसका पुरातन गौरव वापस दिला सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

शिव निर्गुण नीराकार सच्चिदानन्द धन परात्पर परब्रह्म हैं। वे अपनी दिव्य शक्तियों से युक्त होकर अनन्त ब्रह्मांडों का उत्पादन, पालन एवं संहार करने के लिए ब्रह्मा, विष्णु, रुद्र आदि संज्ञाओं को धारण करते हैं। परम शिव त्रिदेव, ब्रह्मा, विष्णु, महेश से पृथक हैं। त्रिदेवों का सम्बन्ध तो अपने एक ब्रह्माण्ड से ही हैं, शिव तो अनन्त ब्रह्मांडों के नायक हैं। इशव शब्द का अर्थ है कल्याणकर्ता। परम शिव से ओम्कार रूप परम ज्योति स्वरूप शिव लिंग का प्रादुर्भाव हुआ। पंचानन शिव के पांचों मुखों से अ, उ, म, बिन्दु और नाद उत्पन्न हुए। इन्हीं पांचों का समग्र रूप एकाक्षर ओंकार है, उसी से सगुण ब्रम्ह के रूप त्रिदेव, समस्त वेद एवं जीव जगत की उत्पत्ति हुई। सभी नाम रूपात्मक जगत इस प्रणव (ओम्) से ही व्याप्त है। यह ओम् शिव और शक्ति बोधक है। शिवलिंग इस ओमकार का ही रूप है। निर्गुण निराकार शिव का आकार विशेष शून्य होने से लिंग ही पूजनीय है। सगुण ब्रह्म के रूप अन्य देवों की आकार विशेष मूर्ति की पूजा की जाती है। शिव की सकल सृष्टि के आधार, सबका आदि कारण हैं। वे शाश्वत सुख के दाता हैं। समस्त प्राणियों के अंतिम विश्राम हैं। वे महेश्वर तथा देवाधि देव महादेव हैं। वे सत्यं शिवं सुन्दरम् हैं। वे परमानन्द मय हैं। वे आशुतोष-शीघ्र प्रसन्न होने वाले हैं। वे औढ़रदानी-बिना मांगे ही अलभ्य वस्तु भी सहज ही देने वाले हैं। वे जगद्गुरु हैं। वे पशुपति-(समस्त जीवों की पशु संज्ञा हैं, वे सबके पति यानि स्वामी हैं और जीवों को संसार के पाश से छुड़ाने वाले हैं।) **क्रमशः**

वीरा डॉटर काया चन्दानी, जयपुर

तृतीय विश्व युद्ध की तरफ बढ़ती दुनिया

नरेंद्र चौधरी
सहायक आचार्य
@jagrukjanta.net

संघर्ष तब होता है जब व्यक्तियों समूहों समुदायों और देषों के बीच असहमति पैदा हो। असहमति के फलस्वरूप मतभेद प्रतिरोध विरोध जैसी स्थिति उत्पन्न होती है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें लोगों को शारीरिक मानसिक भावात्मक राजनैतिक आदि कष्टों से गुजरना पड़ता है। वे अपने मूल्यों संस्कृति विष्वासों अनुभव व लिंग के आधार पर अपनी धारणाओं को बनाते हैं। युद्धोन्माद संक्रमणषील होता है। एक चिंगारी उठी नही कि हजारों पवन उसे हवा देने के लिए प्रस्तुत हो जाते हैं। यहाँ तक कि जब केवल दो राष्ट्रों के मध्य युद्ध होते हैं तब भी पूरी दुनिया दो पालो में बंट कर किसी एक पक्ष का समर्थन करने लग जाती है। रूस व यूक्रेन के बीच संघर्ष ने भी बहुत नुकसान किया है, और यह दिन ब दिन विकसित होता जा रहा है। इस विवाद से अब महाषक्तियों के बीच भी जंग छिड़ने का खतरा बढ़ गया है। यह संघर्ष 2014 से शुरू हुआ जिसमें मुख्य रूप से एक तरफ रूस व रूस समर्थक सेनाएँ शामिल थी और दूसरी तरफ यूक्रेन युद्ध क्रीमिया की स्थिति व डोनबास के कुछ हिस्सों पर केन्द्रित है, जिन्हें अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त है।

संघर्ष के कारण

» जब से यूक्रेन सोवियत संघ से अलग हुआ है, रूस व पष्चिम दोनों ने इस क्षेत्र में संतुलन को अपने पक्ष में रखने के लिए लगातार संघर्ष किया है।
» अमेरिका व यूरोपीय संघ के लिए यूक्रेन रूस व पश्चिम के बीच एक महत्वपूर्ण बफर जोन है।
» काला सागर क्षेत्र का अद्वितीय भूगोल रूस को कई भू-राजनीतिक लाभ प्रदान करता है।
» यूक्रेन में यूरोमैदान व अलगाववादी आंदोलन द्वारा विरोध प्रदर्षन।
» रूस ने यूक्रेन से क्रीमिया के जब्त कर लिया था, जो कि द्वितीय विष्वयुद्ध के बाद पहली बार किसी यूरोपीय देष ने किसी अन्य देष के क्षेत्र पर अपना अधिकार स्थापित किया।
» यूक्रेन ने उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन से गठबंधन में अपने देष की सदस्ता में तेजी लाने का आग्रह किया है।

रूस यूक्रेन संकट का भारत पर प्रभाव

वैसे तो रूस व यूक्रेन के बीच विवाद की कई वजहें हैं परन्तु सबसे बड़ी वजह नाटो को माना जा रहा है। इसे 1949 में शुरू किया गया था। शुरूआत में इसमें 12 सदस्य थे लेकिन अब इनकी संख्या 30 हो गई है। यूक्रेन भी नाटो में शामिल होना चाहता है लेकिन रूस को यह पसन्द नहीं क्योंकि नाटो की पॉलीसी है कि अगर कोई देष नाटो सदस्य देष पर हमला करता है तो सभी मिलकर उसका जवाब देंगे। रूस का मानना है अगर यूक्रेन नाटो में शामिल हुआ तो उसके सैनिक रूस यूक्रेन की सीमा पर डेरा जमा लेंगे।

» रूस के आक्रमण ने भारत पर पष्चिम गठबंधन और रूस के बीच चयन करने का दबाव डाला । रूस के साथ मजबूत संबंध बनाए रखना भारत के राष्ट्रीय हितों की पूर्ति करता है। भारत को रूस के साथ एक मजबूत रणनीतिक गठबंधन बनाए रखना होगा।
» इस संकट का प्रभाव यूक्रेन में मौजूद प्रवासी भारतीयों पर भी पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में हजारों भारतीय छात्रों की जान को खतरा है।
» युद्ध की स्थिति के कारण स्वाभाविक रूप से तेल की कीमतों में वृद्धि होगी।

उपसंहार

» युद्ध के कारण कुछ भी हो परन्तु परिणाम एक सा ही होता है, हजारों की संख्या में जानें जाती है। युद्ध राष्ट्रों को वर्षों पीछे धकेल देता है, उन्हें फिर नए सिरे से विकास हेतु संघर्ष करना होता है।
» विश्व के राजनीतिज्ञों को इनका आकलन करना आवष्यक है। यदि वे इसके परिणामों को ध्यान में रखे तथा निजी स्वार्थपरता से परे हों तो संभव है कि युद्ध की विभीषिका से बचा जा सके। आपसी विवादों को यदि वे बातचीत से सुलझाने का प्रयास करें तो कितने ही युद्धोन्मादों को होने से रोका जा सकता है।

(लेखक श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय सीटीई से है, ये उनके अपने विचार है)

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : **9829329070, 9928022718**

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय
शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 14/09/2022

सूर्योदय : 06:10 **सूर्यास्त :** 18:26 **चन्द्रोदय :** 20:59 **चन्द्रास्त :** 09:51 **शक सम्वत :** 1944 सुभाकृतु **अमान्ता महीना :** भाद्रपद **पूर्णिमांत :** आश्विन **सूर्य राशि :** सिंह **चन्द्र राशिः** मेष **पक्ष :** कृष्ण **तिथिः** चतुर्थी, 10:29 तक **वार :** बुधवार **चन्द्रमास आश्विन :** पूर्णिमान्त **भाद्रपद :** अमान्त **शक सम्वत :** 1944 शुभकृत **विक्रम सम्वत :** 2079 राक्षस **गुजराती सम्वत :** 2078 प्रमादी **द्रिक ऋतु :** शरद।

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : अश्विनी, 06:57 तक
योगः ध्रुव, 06:12 तक
प्रथम करण : बालवा, 10:29 तक
द्वितिय करणः कौवाला, 22:42 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:32 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:56 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:20 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:15 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:28 पी एम से
अमृत काल	03:04 ए एम, सितम्बर 15 से
निशिता मुहूर्त	11:53 पी एम से 12:40 ए एम, सितम्बर 15

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
चन्द्रवास : पूर्व में
राहुवास : दक्षिण-पश्चिम
होमाहुति : मंगल

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 06:09 - 07:41	उद्वेग	: 06:25 - 07:53
अमृत	: 07:41 - 09:13	शुभ	: 07:53 - 09:21
काल काल वेला	: 09:13 - 10:45	अमृत	: 09:21 - 10:49
शुभ	: 10:45 - 12:17	चर	: 10:49 - 12:18
रोग वार वेला	: 12:17 - 01:49	रोग	: 12:18 - 01:46
उद्वेग	: 01:49 - 03:21	काल	: 01:46 - 03:14
चर	: 03:21 - 04:53	लाभ	: 03:14 - 04:42
लाभ	: 04:53 - 06:25	उद्वेग	: 04:42 - 06:10

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज चतुर्थी

आज कौन सा कार्य करें

चतुर्थी, नवमी व चतुर्दशी रिक्ता तिथियां हैं। इनमें कोई भी मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

आश्विन, कृष्ण, चतुर्थी, 2079 बुधवार, 14 सितम्बर - 20 सितम्बर, 2022

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

कम समय में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मध्यान पश्चात मित्र-परिजनों के साथ मनोरंजन के अवसर मिलेंगे धार्मिक कार्यो में भी उपस्थिति देंगे। उत्तम भोजन वाहन सुख मिलेगा।

वृषभ ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

क्रय-विक्रय के व्यापार से लाभ होगा विदेशी वस्तुओ के व्यापार में निवेश आगे के लिये लाभदायक रहेगा। प्रेम प्रसंगों में सम्बन्ध बिगड़ेंगे। संध्या बाद असंयमित दिनचर्या से थकान रहेगी।

मिथुन क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह

आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे यात्रा में चोटादि का भय है सावधान रहें। सरकारी दस्तावेजो को संभाल कर रखें। संतान के कारण हानि हो सकती है। विदेशी अथवा दूर रहने वाले व्यक्ति से लाभ हो सकता है।

कर्क हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे

व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,या,यी,यू

नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

मकर भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,

परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

कुंभ गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा

नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

मीन दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

राजस्थान के लोग अभावों का रोना नहीं रोते-मिश्र

राज्यपाल बोले-मुख्यमंत्री से तालमेल बना हुआ है, दिक्कत होने पर बातचीत से सुलझा लेते हैं मसले

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि राज्य सरकार और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ अच्छा तालमेल होने की बात कही है। राज्यपाल ने एक सवाल के जवाब में कहा कि मेरा हमेशा यह प्रयास है कि हमारा आपसी सामंजस्य बना रहे। कभी किसी प्रकार की कठिनाई होती है तो आपसी बातचीत से उसका समाधान निकाल लेते हैं। इसलिए मेरा लगातार राज्य के मुख्यमंत्री से मिलना होता है, उनसे बात होती है। कोई बात या कठिनाई होती है तो हम आपस में बात कर लेते हैं। क्योंकि यह हमारा दायित्व है कि शासन ठीक से चले, आपसी तालमेल बना रहे और संवैधानिक रूप से प्रक्रिया आगे बढ़ती रहे। राज्यपाल तीन साल का कार्यकाल पूरा करने पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान में कई बार अकाल सूखा पड़ा और कई दिक्कतें आई। राजस्थान के लोग कभी अभावों का रोना नहीं रोते। कोरोना जैसी भयंकर आपदा आई, जिसमें सबने बढ़ चढ़कर सहयोग किया। राज्यपाल सहायता कोष से भी मदद की गई। पश्चिमी बंगाल में राज्यपाल को विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति से हटाकर केवल विजटर रखने का बिल लाने के सवाल पर मिश्र ने कहा कि अभी राजस्थान में ऐसा कुछ नहीं है, भविष्य में क्या होगा, इस पर कुछ नहीं कह सकते।

सियासी संकट के वक्त आया था रिश्तों में तनाव

राज्यपाल कलराज मिश्र और सीएम अशोक गहलोत के बीच अच्छा तालमेल रहा है। दो साल पहले जुलाई 2020 में सचिन पायलट खेमे की बगावत के कारण आए सियासी संकट के वक्त राज्यपाल और सरकार आमने सामने आ गए थे। उस वक्त सरकार ने विधानसभा का सत्र बुलाने के लिए राज्यपाल के पास कैबिनेट का प्रस्ताव भेजा लेकिन राज्यपाल ने कम से कम 14 दिन पहले सूचना देने और सत्र बुलाने का कारण पूछते हुए फाइल को लौटा दिया। जब चार बार राजभवन ने विधानसभा सत्र बुलाने की फाइल लौटा दी तो सीएम अशोक गहलोत की अगुवाई में कांग्रेस विधायकों ने दिनभर राजभवन में धरना दिया। इस धरने के बाद विधानसभा सत्र बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी देने की सहमति बनी। इस दौरान राजभवन और सरकार के बीचतल्ख बयानबाजी हुई थी। बाद में 14 अगस्त 2020 को विधानसभा सत्र बुलाकर गहलोत सरकार ने बहुमत साबित कर दिया। बहुमत साबित करने के बाद गहलोत औरराज्यपालके बीच रिश्ते सामान्य हो गए। राजभवन से विधानसभा सत्र को लेकर हुए टकराव के बाद सरकार ने बजट सत्र का सत्रावसान नहीं करने का पैटर्नर्ल अपनाया जो आज तक चल रहा है।

विधानसभा का सत्रावसान नहीं करने पर राज्यपाल का आपत्ति से इनकार

विधानसभा का लंबे समय से सत्रावसान नहीं करने पर राज्यपाल ने किसी तरह की आपत्ति से इनकार कर दिया। बजट सत्र के बाद विधानसभा सत्र का सत्रावसान नहीं करने के सवाल पर राज्यपाल ने कहा कि जब सत्रावसान नहीं होता तो किसी भी समय विधानसभा की बैठक बुला सकते हैं। इसमें राज्यपाल के अनुमोदन की जरूरत नहीं होती है। विधानसभा का सत्रावसान नहीं होने के कारण विधायकों के सवालों के कोटे को लेकर दिक्कत जरूरत आती है।

सभी यूनिवर्सिटीज में एक तरह का सिलेबस होगा

राज्यपाल ने कहा कि राजभवन में संविधान पार्क नवंबर तक बनकर पूरा होने की कोशिश की जा रही है। संविधान पार्क में भारतीय संविधान के निर्माण की पूरी यात्रा को दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में क्वालिटी एज्यूकेशन के लिए टास्क फोर्स बनाने का प्रयास किया जारहा है। विश्वविद्यालयों में एक समान सिलेबस लागू करने के लिए काम शुरु कर दिया है। इसके लिए सिलेबस अपडेट किया जा रहा है।

जयपुर में बनेगा सैनिक कल्याण भवन

राज्यपाल ने कहा कि भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए जयपुर में सैनिक कल्याण भवन बनाया जाएगा। पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों की समस्याओं के समाधान के लिए ऑनलाइन व्यवस्था विकसित की जाएगी।

राजस्थान विधानसभा सत्र 19 सितम्बर से

सरकार से सवाल नहीं कर सकेंगे 33 विपक्षी विधायक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा की 15वीं विधानसभा के सातवें सत्र की बैठक 19 सितंबर से एक बार फिर से शुरू होने जा रही है। मौजूदा सातवें सत्र यानि बजट सत्र के अगले चरण के रूप में इस बैठक को माना जा रहा है। पूर्व में 28 मार्च की शाम बजट सत्र की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुई थी, लिहाजा अब सदन के अंदर विधानसभा के सदस्यों की ओर से लगाए जाने वाले सवालों की संख्या सीमित रहने वाली है। उसकी वजह है कि सदन में एक सत्र में एक सदस्य 40 तारांकित और 60 अतारांकित सवाल ही लगा सकते हैं।

बजट सत्र के दौरान सदन में ज्यादा सवाल लगाकर सक्रिय रहने सदस्य संभवतया इस सत्र में सवाल नहीं लगा पाएंगे। क्योंकि उन्होंने अपने सवालों का कोटा पहले ही पूरा कर लिया है। वे इस सत्र में सवाल लगाने से वंचित रहने वाले हैं। जानकारी के मुताबिक विधानसभा सचिवालय नियमों का हवाला देकर उन सदस्यों के सवालों को स्वीकार नहीं करेगा, जो पहले ही कुल 100 सवाल लगा चुके हैं। इस सत्र में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल समेत सत्ता पक्ष के विधायक रामनारायण मीणा, गणेश घोघरा और भरत सिंह कुन्दपुर सवाल लगाने को लेकर वंचित रहने वाले हैं।

ये विधायक भी नहीं कर पाएंगे सवाल

वहीं विधायक अनिता भदेल, अमृतलाल मीणा, अविनाश, कालीचरण सराफ, गिरधारीलाल, गोपाललाल शर्मा, चन्द्रकान्ता मेघवाल, छगन सिंह, धर्मनारायण जोशी, नारायण सिंह देवल, निर्मल कुमावत, प्रताप सिंह, फूल सिंह मीणा, बलजीत यादव, बिहारीलाल, मदन दिलावर, रामलाल मीणा, वासुदेव देवनानी, संतोष, संदीप शर्मा, सतीश पूनिया, समाराम गरासिया, सुभाष पूनिया, सुमित गोदारा, सुरेश टाक, हमीर सिंह भायल और दीप्ति किरण माहेश्वरी मौजूदा बैठक के दौरान सवाल नहीं लगा पाएंगी।

नाथद्वारा से प्रारंभ होगी 5 जी सेवा

रिलायंस समूह के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने 5जी सर्विस नाथद्वारा से शुरू करने के दिए संकेत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नाथद्वारा। रिलायंस समूह के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने 5जी सर्विस श्रीनाथजी की नगरी नाथद्वारा से शुरू करने के संकेत दिए। अम्बानी यहां प्रभु श्रीनाथजी के दर्शन किए। इस दौरान रिलायंस जिओ मोबाइल की 5जी इंटरनेट सुविधा का आगाज करने का गणेश नाथद्वारा से ही करने की संभावना जताई। तिलकायत पुत्र विशाल बावा से कई विषयों पर चर्चा भी की। विशाल बावा ने अंबानी की माता कोकिलाबेन के स्वास्थ्य के बारे में भी पूछा। मंदिर मंडल की उपाध्यक्ष कोकिला बेन इन दिनों लंदन में मुकेश अम्बानी द्वारा खरीदे गए महल में रह रही हैं। मुकेश अंबानी कोरोनाकाल के बाद दर्शन करने पहली बार आए हैं। उनके साथ उद्योगपति मनोज भाई मोदी और अनंत अंबानी की मंगेतर राधिका मर्चेंट भी साथ थीं। इससे पहले शाम को अम्बानी ने प्रभु श्रीनाथजी की आरती की झांकी के दर्शन किए। अम्बानी अपने मित्रों के साथ मुंबई से विशेष विमान से शाम को डबोक एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से उनकी कारों का काफिला

सीधे श्रीनाथजी मंदिर के मोतीमहल चौक में पहुंचे। उन्होंने प्रभु की आरती की झांकी के दर्शन का लाभ लिया। दर्शन के दौरान अम्बानी ने गोल देहली पर खड़े रहकर प्रभु के स्वरूप को निहारा। उन्होंने देहरी पर भेंट भी रखी। विशेष दर्शन में होने वाली ठाकुरजी की आरती उतारे जाने तक वहीं खड़े रहे अंबानी कई बार हाथ जोड़ कर अपने आप को धन्य महसूस कर रहे थे। यहां से निधि स्वरूप लाडले लालन मंदिर पहुंचे। वहां दर्शन कर भेंट रखी। दर्शन के बाद महाप्रभुजी की बैठक में पहुंचकर अम्बानी ने तिलकायत राकेश गोस्वामी के पुत्र विशाल बाबा के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

■ स्वाति कार्यकारी जिला अध्यक्ष मनोनीत

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने कुमारी स्वाति राजपूत मिलक वेनीराम पालमपुर सोहरा जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश निवासी को भगवा रक्षा दल महिला मोर्चा बिजनौर उत्तर प्रदेश में कार्यकारी जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा के पद पर मनोनीत किया गया है।

■ प्रदेश के कलाकारों के मानदेय में 25% वृद्धि

जोधपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश के लोक कलाकारों के मानेदय में 25% की अभिवृद्धि के साथ संगीत, नाटक व शास्त्रीय विधाओं सहित अन्य सभी कला प्रदर्शनों के मानेदय में बढ़ोतरी की गई है। यह निर्णय राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के नव गठित बोर्ड की जोधपुर में आयोजित साधारण सभा की प्रथम बैठक में सर्व सम्मति से लिया गया।

■ लंपी पीड़ित गायों को देंगे आयुर्वेदिक काढ़ा

कोटा @ जागरूक जनता। नगर निगम की गोशालाओं में रखी गई गायों को लंपी वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए अब एलोपैथी की दवाओं के साथ आयुर्वेदिक काढ़ा पिलाने की तैयारी है। कोटा के किशोरपुरा स्थित गोशाला में लंपी वायरस से संक्रमित करीब 20 गायों में से इलाज के कारण उनकी हालत में सुधार के बाद चार गायों को अब एक अन्य बाड़े में रखा गया है ताकि वे अभी भी संक्रमित गायों से दूर रह सके।

धोती-कुर्ता, साफे के लिए राष्ट्रीय स्तर पर चलेगा अभियान-शर्मा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा (रींगस) ने बताया कि पाली जिले के विश्व प्रसिद्ध आश्रम श्री विश्व गुरुकुल स्वामी श्री महेश्वरानंद आश्रम शिक्षा एवं शोध संस्थान में जाने का अवसर मिला। स्वामी महेश्वरानंद जी महाराज जो अभी आस्ट्रेलिया गए हुए हैं। उनके शिष्य फूलपुरी जी महाराज से मुलाकात एवं बातचीत हुई। इस दौरान उन्होंने बताया कि सनातन धर्म सनातन संस्कृति को प्रचार प्रसार करते हुए स्वामी महेश्वरानंद जी महाराज द्वारा पूरे विश्व में फैलाया जा रहा है। शर्मा ने बताया कि अगले माह श्री महामंडलेश्वर स्वामी महेश्वरानंद जी से मुलाकात होगी। जिसमें भगवा रक्षा दल एवं स्वामी महेश्वरानंद जी महाराज द्वारा सनातन संस्कृति के सम्मान के लिए पूरे देश में धोती कुर्ता साफा पहने के लिए बड़े स्तर पर कार्य किया जाएगा।

प्रेस क्लब में दन्त चिकित्सा शिविर आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। क्लब सदस्यों एवं उनके परिजनों के लिए पिंकसिटी प्रेस क्लब एवं मीरा डेंटल अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को डेंटल चेकअप कैम्प आयोजित हुआ। क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा ने बताया कि चिकित्सा समिति संयोजक एवं उपाध्यक्ष पंकज शर्मा के संयोजन में शिविर आयोजित हुआ। मीरा डेंटल अस्पताल के वरिष्ठ दन्त चिकित्सक डॉ. अमित पाटोदिया एवं उनकी टीम ने निःशुल्क दन्त जांच की। चिकित्सकों ने स्केलिंग, क्लिनिंग और पॉलिशिंग, ब्लीचिंग, कम्पोजिट्स, रूट केनाल, ट्रीटमेंट एवं दांतो की देख-रेख के बारें में परामर्श दिया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष गिरिराज प्रसाद गुर्जर, प्रबन्ध कार्यकारिणी सदस्य विजेन्द्र जायसवाल, संतोष कुमार शर्मा, पुष्पेन्द्र सिंह राजावत, अनिता शर्मा, नमोनारायण अवस्थी एवं वरिष्ठ पत्रकार बृज भूषण शर्मा, विष्णुदत्त शर्मा सहित अनेक पत्रकार एवं परिवार उपस्थित थे।

मीणा ने सिंह से मुलाकात की

राज्य में आइएएस काडर बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। राजस्थान से राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा ने केंद्रीय कार्मिक मंत्री जितेन्द्र सिंह से मुलाकात कर राजस्थान में भारतीय प्रशासनिक सेवा के काडर को बढ़ाने का आग्रह किया। मीणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के लिए काडर बढ़ाना जरूरी है। राजस्थान भौगोलिक दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ-साथ तीव्र गति से विकासरत राज्य है। विकास की गति बनाए रखने के लिए पर्याप्त प्रशासनिक ढांचे का होना प्राथमिक आवश्यकता है। राज्य में भारतीय प्रशासनिक सेवा के फिलहाल 313 अधिकारी हैं। जबकि राजस्थान की तुलना में मध्यप्रदेश में भारतीय प्रशासन सेवा के 439 अधिकारी है।

प्रतिभा खोज परीक्षा परिणाम में बेटियों ने बाजी मारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में शिक्षा प्रकोष्ठ के द्वारा आयोजित प्रतिभा खोज परीक्षा 2022 का परिणाम में विद्वानों द्वारा मां गायत्री के समक्ष गिरधारी दास के सानिध्य एवं मंजू शर्मा उपाध्यक्ष विप्र कल्याण बोर्ड राजस्थान सरकार के मुख्य अतिथ्य में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में विश्वनाथ कौशिक आरए एस, बजरंग सिंह काचरेडा आर्मी ऑफिसर, देवेंद्र जिंदल अधिशासी अधिकारी नगर पालिका चोमू, गोपाल शर्मा समाजसेवी, प्रदीप शर्मा समाजसेवी, रामसहाय कुमावत वरिष्ठ शिक्षाविद, राजेंद्र कुमावत समाज सेवी, नगेंद्र वशिष्ठ, अनुराग शर्मा अतिथि रहे। प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी व पदाधिकारियों ने आगंतुक अतिथियों का माल्यापर्ण कर शॉल व अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस दौरान अतिथियों ने प्रथम स्थान सारथी मिश्रा को साइकिल द्वितीय स्थान छवि टांक को स्मार्ट वॉच तृतीय स्थान महक शर्मा को लैपटॉप बैग एवं 21 प्रतिभाओं को गोल्ड मेडल एवं प्रशस्ति पत्र एव अन्य सभी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, पेन व कॉपी देकर सम्मानित किया गया। प्रदेशाध्यक्ष शिक्षा प्रकोष्ठ हरिओम शर्मा एवं प्रदेश महामंत्री इंद्र कुमार शर्मा ने मंच संचालन कर कार्यक्रम को संचालित किया।

बिहार समाज के सदस्यता अभियान की शुरुआत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। बिहार समाज संगठन की ओर से सिविल लाइन विधान सभा क्षेत्र के सोडाला मे होटल मारवाड़ में बैठक आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता समाज के वरिष्ठ सदस्य शेषनाथ तिवाड़ी ने किया। समाज की ओर से सदस्यता अभियान के दौरान समाज जोड़ो अभियान यात्रा की शुभारंभ किया गया। संस्था के महासचिव सुरेश पंडित ने बताया कि इस अभियान में जयपुर हेरिटेज नगर निगम, ग्रेटर नगर निगम व ग्रामीण क्षेत्रो मे रह रहे बिहार समुदाय के लोगे को इस अभियान से जोड़ा जाएगा। सुरेश पंडित ने श्लोक में एक नारा बुलंद किया बिहारवासी करे पुकार बिहार समाज हो हमार।

कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रदेशाध्यक्ष बाबा बोले...

कांग्रेस में शामिल विधायकों को बसपा नहीं देगी टिकट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा ने घोषणा की है कि पार्टी छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए छह विधायकों को इस बार पार्टी किसी भी कीमत पर टिकट नहीं देगी। भरतपुर के नगर में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में यह घोषणा की गई। इस दौरान बसपा से राज्यसभा सांसद रामजी गौतम समेत कई नेता मौजूद थे। राज्यसभा सांसद ने कहा कि राजस्थान में अत्याचार बड़े पैमाने पर बढ़ रहा है। संविधान की रक्षा करनी है तो बसपा को मजबूत करना होगा। प्रदेश अध्यक्ष बाबा ने कहा कि बसपा से 6 विधायक जीत कर गए और सभी को कांग्रेस ने खरीद लिया। कांग्रेस को इसका खामियाजा 2023 में भुगतना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री वर्क फ्रॉम होम-जॉब वर्क योजना : महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। महिला अधिकारिता विभाग की ओर से मुख्यमंत्री वर्क फ्रॉम होम-जॉब वर्क योजना का शुभारम्भ किया गया है। इसमें तकनीकी और कौशल एवं अन्य किसी क्षेत्र में दक्ष महिलाओं को उनकी क्षमता एवं अभिरुचि के अनुसार वर्क फ्रॉम होम-जॉब वर्क दिया जाएगा। महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक राकेश तंवर ने बताया कि इच्छुक महिलाएं ऑनलाइन आवेदन कर सकती है। इसके अतिरिक्त जागृति बैक टु वर्क योजना के अन्तर्गत विभिन्न कारणों से कामकाजी एवं व्यवसायिक क्षेत्र में प्रशिक्षित महिलाएं अपने व्यावसायिक कैरियर का परित्याग कर चुकी है, उन्हें नीजी क्षेत्र के सहयोग से पुनः जॉब दिलवाने एवं वर्क फ्रॉम होम के अवसर उपलब्ध करवाये जा रहे है। उन्होंने बताया कि योजना में ऑनलाईन लिंक https://www.jagritibacktowork-org के माध्यम से पंजीकरण किया जा सकता है। योजना के दिशा-निर्देश एवं पंजीकरण के लिए लिंक विभागीय वेबसाइट www-wed-rajasthan-gov-in पर उपलब्ध है।

जागरूक खबरें

■ प्रवीण सुथार ने की लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात,

कोटा @ जागरूक जनता। फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज (फोर्टी) शाखाओं के को-चेयरमैन और उदयपुर के युवा उद्यमी प्रवीण सुथार ने दो दिवसीय कोटा दौरे के दौरान कोटा स्थित लोक सभा अध्यक्ष कार्यालय पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिष्टाचार मुलाकात की और मेवाड़ के आराध्य देव श्रीनाथ जी की प्रतिमा भेंट की। इस दौरान फोर्टी द्वारा आयोजित होने वाले आगामी व्यापारिक सम्मेलन में उन्हें बतौर मुख्य अतिथि भी आमंत्रित किया। साथ हीं कोटा क्लब में उनकी अध्यक्षता में फोर्टी कोटा संभाग के व्यापारियों की बैठक हुई जिसमें पदाधिकारियों ने सुथार का स्वागत किया। बैठक में कई व्यापारियों ने हिस्सा लिया व व्यापारिक समस्याओं से सुथार को अवगत कराया।

■ जिला स्तरीय जनसुनवाई अब 16 को

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। राजीव गांधी ग्रामीण ओलिंपिक खेलों के आयोजन के चलते इस बार जिला स्तरीय जनसुनवाई 15 सितम्बर के स्थान पर 16 सितम्बर को सुबह 11 से 2 बजे तक आयोजित की जाएगी। जिला कलक्टर अरविंद कुमार पोसवाल ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को अद्यतन प्रगति रिपोर्ट के साथ जिला स्तरीय जनसुनवाई में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

डेयरी सम्मेलन : 100% टीकाकरण होगा

गौवंश बचाएगा देसी टीका-मोदी

लंपी वायरस का करेगा खात्मा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें मवेशियों में ढेलेदार त्वचा रोग (लंपी स्किन डिजीज) के प्रसार को नियंत्रित करने की कोशिशों में जुटी हैं। इसकी रोकथाम के लिए एक स्वदेशी टीका विकसित किया गया है। हम 2025 तक पशुओं के 100 प्रतिशत टीकाकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं। कई राज्य मवेशियों में इस त्वचा रोग से जूझ रहे हैं। गुजरात, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा समेत कई राज्यों में इसके कारण हजारों मवेशियों की मौत हो चुकी है। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में विश्व डेयरी सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा, यह संक्रामक रोग मवेशियों को प्रभावित करता है। यह उनमें बुखार, त्वचा पर गांठ का कारण बनता है। लंपी नाम की इस बीमारी से कई राज्यों में पशुधन का नुकसान हुआ है। पशुधन की बीमारी बड़ा खतरा है, क्योंकि यह किसानों व आय को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि यह बीमारी मवेशियों में दूध उत्पादन और इसकी गुणवत्ता को भी प्रभावित करती है, इसलिए सरकार पशुधन के सार्वभौमिक टीकाकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

डेयरी पशुओं का बनेगा डेटाबेस

मोदी ने कहा कि भारत डेयरी पशुओं का डेटाबेस बना रहा है। डेयरी क्षेत्र से जुड़े हर जानवर को टैग किया जा रहा है। हम जानवरों की बायोमेट्रिक पहचान कर रहे हैं। हमने इस योजना का नाम पशु आधार रखा है। उन्होंने कहा कि पशु आधार के तहत पशुधन की डिजिटल पहचान उनके स्वास्थ्य पर नजर रखने के लिए की जा रही है।

फिल्म जहां चार यार का प्रमोशनल इवेंट

सुशांत सुसाइड केस आधी हकीकत आधा अफसाना-स्वरा भास्कर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने दिलीतौर पर एक्टर सुशांत सिंह राजपूत क सुसाइड केस में कहा कि इसमें आधी हकीकत और आधा अफसाना है। उन्होंने कहा सुशांत मामले में पूरा बॉलीवुड दो खेमों में बंटता दिखाई दिया। वे मंगलवार को यहां वैशाली नगर स्थित सीज्जलिन सीजर्स पर अपनी अपकमिंग मूवी जहां चार यार के एक प्रमोशनल इवेंट में मीडिया से बातचीत कर रही थीं। इस मौके पर फिल्म के डायरेक्टर कमल पाण्डेय भी मौजूद रहे।

स्वरा ने एक्टर सुशांत केस से जुड़े नेपोटिज्म का जिक्र करते हुए कहा कि मेरा भी बॉलीवुड बैकग्राउंड नहीं है। यह जर्नी मेरी अपनी है। किसी तरह का कोई सहारा नहीं है। फिर भी बॉलीवुड में काम कर रही हूं। बस! ऑडिशन के जरिए खुद को साबित करती रही, और आज फिल्में भी कर रही हूं। फिल्म जहां चार चार के बारे में स्वरा ने कहा कि यह मूवी वूमन सेंट्रिक फैमिली ड्रामा है जो दर्शकों न सिर्फ गुदगुदाएगा, खूब मनोरंजन भी करेगा। इस फिल्म में महिलाओं की आजाद उड़ान को दिखाने की पुरजोर कोशिश की है, जो अपने सपनों को सच करना चाहती है, अपनी जिन्दगी खुद के नजरिए से जीना चाहती है। गौरतलब है कि स्वरा हमेशा दिलचस्प प्रोजेक्ट चुनने के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्हें कुछ वेब शो में देखा गया। फिल्म जहां चार यार के साथ स्वरा ने तनु वेड्स मनु के निर्माता विंदो बच्चन के साथ पूरे 11 साल बाद फिर से काम किया है। स्वरा ने कहा मुझे जयपुर ही नहीं पूरा राजस्थान बहुत पसंद है। रणथंभौर में मैंने पहली दफा अजगर भी देखा जो बेहद दिलचस्प पल था। मुझे जोधपुर शहर पसंद है। फिल्म डायरेक्टर कमल पाण्डेय ने कहा कि यह 4 गृहिणियों के बारे में एक प्यारी दिल को छू लेने वाली स्क्रिप्ट है, जो सबसे अच्छी दोस्त हैं।

थानाधिकारियों का किया स्वागत

केकड़ी @ जागरूक जनता। केकड़ी स्थित दोनों थाने के नवीन थाना अधिकारियों का स्वागत बार एसोसिएशन केकड़ी के बैनर तले अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में किया गया जिसमें सिटी थाने के नवीन थानाधिकारी राजवीर सिंह एवम सदर थाने के नवीन थानाधिकारी अनिल देव का राजस्थानी परंपरा के अनुसार माल्यार्पण कर साफा पहनाकर स्वागत किया। राठौड ने बताया कि बार एसोसिएशन केकड़ी की परंपरा रही है कि जब भी कोई नवीन अधिकारी केकड़ी पद स्थापित होता है तो बार एसोसिएशन केकड़ी के बैनर तले उनका स्वागत सत्कार किया जाता है। स्वागत कार्यक्रम के दौरान सिटी थाना अधिकारी राजबीर सिंह ने बताया कि उनका प्रथम उद्देश्य केकड़ी को भय मुक्त वातावरण प्रदान कर जनता को सुरक्षा प्रदान करना है तथा सदर थानाधिकारी अनिल देव कला ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में हो रहे अपराधों पर लगाम लगाना उनका प्रथम कर्तव्य है स्वागत कार्यक्रम में अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राठौड़, पुस्तकालय अध्यक्ष विजेंद्र पाराशर, सांस्कृतिक सचिव सुनील जैन, कार्यकारिणी सदस्य गजेंद्र पाराशर, नवल किशोर पारीक, सीताराम कुमावत, महेंद्र चौधरी, गजराज सिंह, शिवप्रताप सिंह, राम सिंह राठौड़, धर्मेंद्र सिंह, महावीर गुर्जर, पवन राठी, इरफान अली, सुमित धाभाई, दिनेश पारीक, अर्जुन सिंह, मुकेश गढ़वाल, योगेंद्र सिंह,लेसी झंवर सहित अनेक अधिवक्ता गण उपस्थित थे।

ज्ञान के अभाव में दिशाहीन जीवन जी रहे लोग-संत रूप रघुनाथ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। अर्जेंटीना में जन्मे संत रूप रघुनाथ स्वामी महाराज ने रविवार रात्रि में इस्कॉन मंदिर में भगवदगीता पर प्रवचन दिया। जिसमें दूसरे अध्याय के 13वें श्लोक की व्याख्या करते हुए उन्होंने बताया, कि आज के समय में लोग शास्त्रों के ज्ञान के अभाव में दिशाहीन जीवन जी रहेहै। लोग स्वयं को शरीर मानते हुए। केवल स्वयं एवम दूसरों की शारीरिक सुख सुविधाओं की पूर्ति हेतु ही विभिन्न प्रकार के क्रियाकलापों में लगे हुए है। परंतु सुख प्राप्ति तो दूर रही वे सदैव विभिन्न कष्टों को भोगते रहते है। इस जन्म के बाद पुनः इस संसार में कोई दूसरा शरीर प्राप्त कर पुनः जन्म ग्रहण करते है। उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति सभी समस्याओं से छूटकर सुख प्राप्त करना चाहता है उसे भगवान कृष्ण की भक्ति करनी चाहिए। महाराज जी का जन्म दक्षिण अमेरिका महाद्वीप में अर्जेंटीना देश में हुआ था एवं युवावस्था में वे इस्कॉन के भक्तों के संपर्क में आए थे जिसके पश्चात वे भगवान श्री कृष्ण की भक्ति एवं इसके प्रचार में लग गए। महाराज इस्कॉन के वरिष्ठ संन्यासी भक्तों में से है एवं पूरे विश्व में भ्रमण करते है। कथा के बाद महाराज जी ने हरे कृष्ण महामंत्र का कीर्तन भी किया।

खारिया खंगार से जोधपुर तक रोडवेज बस सेवा प्रारंभ

खारिया खंगार @ जागरूक जनता। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम नेआस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में रोडवेज बस के अभाव में ग्रामीणों को बहुत समय सें आवागमन में होने वाली परेशानियों को ध्यान में रखते हुए प्रधान सोनिया जयंत चौधरी एवं सरपंच प्रमीला चौधरी के अथक प्रयासों के फलस्वरूप राजस्थान सरकार ने रूट खारिया खंगार-देवनगर-बुध्दा बासनी-भोपालगढ़- जोधपुर के लिए रोड़वेज बस की सौगात दी। जो सुबह खारिया खंगार रेलवे फाटक से सुबह 06:45 से रवाना होगी पुनः जोधपुर से सांयकाल 03:15 पी एम रवाना होगी। सरपंच प्रमिला चौधरी ने खारिया खंगार बस स्टैंड से ग्राम वासियों सहित अन्य पदाधिकारियों के साथ बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बस का खारिया गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने चालक-परिचालक का स्वागत किया।

एबीवीपी की नगर कार्यकारिणी घोषित

पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने नगर इकाई की घोषणा की है। प्रवास के दौरान रामलाल परिहार जिला संयोजक ने बताया की जिसमें नगर मंत्री का दायित्व मनीष सैनी नगर सह मंत्री प्रवीण सैनी, हेमंत वैष्णव, धीरज सोनेल,राजेंद्र सिंह राजपुरोहित, नगर SFD संयोजक नरपत परिहार, नगर SFD समिति सदस्य अरविंद चौधरी, राष्ट्रीय कला मंच संयोजक जितेंद्र सैनी, राष्ट्रीय कला मंच समिति सदस्य सचिन जैन, नगर SFS संयोजक सुरेंद्र विश्नोई, SFS समिति सदस्य मयंक सैनी, सोशल मीडिया प्रमुख विवेक सोलंकी, नगर कार्यकारिणी सदस्य के रूप में धर्मेंद्र, मनीष, वीर टाक, सुमेर सिंह भाटी, गौतम, रमेश चौहान, संजय को दायित्व दिया गया। इस दौरान विद्यार्थी परिषद के भवनी सिंह कच्छावाह ने बताया कि एबीवीपी विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। जिसके लिए छात्र हित, राष्ट्र हित एवं देश हित सर्वोपरि है। इस दौरान विद्यार्थी परिषद के नगर मंत्री सीताराम टाक, अतुल सिंह कच्छावाह, मनीष टाक, मेहराम गहलोत रमेश चौहान भाणु मौजूद रहे।

ANCHOR

जिंक कौशल केन्द्र से प्रशिक्षण

13 मूक बधिर प्रशिक्षणार्थियों का हुआ प्लेसमेंट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चितौड़गढ़। भाग्यश्री, दिव्या, पियूष और मोहम्मद आसिफ की तरह ही इनके साथ प्रशिक्षित हुए 13 विशेष योग्य युवा आत्मविश्वास की वाणी और हौसलों की उड़ान के साथ परिपूर्ण दिखाई दे रहे थे। जिसे उनके चेहरों पर फैली मुस्कान एक साथ कई शब्दों अंर्तमन की खुशी और अर्थ बयां कर रही थी। यह विशेष अवसर था इन युवाओं के जिंक कौशल केन्द्र में 60 दिवसीय प्रशिक्षण के बाद आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर होने और अपने पैरों पर खड़े होने का। जिसे इन सभी ने मूक और बधिर होने के बावजूद कड़ी मेहनत और लगन से पूरा किया और वहां मौजूद हर सक्षम व्यक्ति को यह संदेश दिया कि यदि ठान लिया जाएं तो मंजिल पाने में कोई बाधा नही होती। इन प्रशिक्षित युवाओं ने जब सांकेतिक भाषा में आत्मनिर्भर होने और भविष्य के आंत्रप्रिन्योर बनने की अपनी दृढ़ ईच्छा को व्यक्त किया तो वहां मौजूद हर व्यक्ति ने सांकेतिक भाषा में उनका उत्सावर्धन किया।

हिन्दुस्तान जिंक द्वारा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु की गयी पहल के तहत् उदयपुर जिलें के इन विशेष योग्यजन युवाओं की रूचि अनुसार इन्हें प्रशिक्षित किया गया और प्रशिक्षण के साथ ही इन्हें प्लेसमेंट भी मिल गया। प्रशिक्षण पूर्ण करने के अवसर पर आयोजित समारोह में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर ओपी बुनकर ने मुख्य अतिथी के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिन्दुस्तान जिंक द्वारा इन विशेष योग्यजन युवाओं के आत्मविश्वास को बढ़ा कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने हेतु यह प्रयास सराहनीय है। सामान्य युवाओं के साथ ही इन युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये किया गया यह प्रयास समाज हित के कार्यो का अनूठा उदाहरण है। बुनकर ने प्रशिक्षणार्थियों को सकारात्मक सोच के माध्यम से जीवन में सफलता के मार्ग को अपनाने और स्वयं की प्रतिभा को पहचान कर उसे निखारने का आव्हान किया। इस अवसर पर विशेष योग्यजन के परिजनों के चेहरों पर भी खुशी दिखाई दे रही थी, जिन्होंने अपने इन बच्चों के लिये इस प्रकार के प्रशिक्षण और उनके आत्मनिर्भर बनने की कल्पना की थी। देबारी में संचालित जिंक कौशल केन्द्र में प्रशिक्षण ले रहे अन्य प्रशिक्षणार्थियों के साथ इन 13 मूक बधिर युवाओं ने रूचि के अनुसार फूड एंड बेवरेज और रिटेल सेक्टर हेतु प्रशिक्षण प्राप्त किया जिन्हें उदयपुर में ही हॉटल्स और रिटेल स्टोर जैसे मेक्स में हाथों हाथ नियुक्ति मिल गयी। समारोह के दौरान इन्हें राष्ट्रीय कौशल विकास निगम मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र के साथ ही बेस्ट प्रशिक्षु, बेस्ट विद्यार्थी और बेस्ट क्रियेटिवीटी के लिये पुरस्कृत भी किया गया।

केंद्र में नामांकित अधिकांश प्रशिक्षु नियमित शिक्षा का हिस्सा नहीं हैं। वे ज्यादातर 10वीं और 12वीं कक्षा के बाद ड्रॉपआउट हैं,इसलिए, संस्थान उन्हें सॉफ्ट स्किल, जीवन कौशल और

पितृ दोष से पितृ मोक्ष की ओर आपकी आध्यात्मिक यात्रा

सत्संग और विवेक प्राणी के ये दो नेत्र हैं। जिसके पास ये दोनों नहीं हैं, वह मनुष्य अंधा है। जटाओं का भार और मृगचर्म से युक्त अनेक साधु वेशधारी दाभिक ज्ञानियों के रूप में इस संसार में भ्रमण करते लोग, लौकिक सुख में आसक्त यत्र-तत्र, सर्वत्र यह कहते मिल जायेंगे ''मैं ब्रह्म को जानता हूं''। ऐसे कहने वाले अधिसंय कर्म तथा ब्रह्म दोनों से भ्रष्ट हैं। ऐसे ढ़ोंगियों का परित्याग करना चाहिए। जो कर्म जीवात्मा को बंधन में नहीं ले जाता, वही सत्कर्म है। जो विद्या प्राणी को मुक्ति प्रदान करती है, वही विद्या है। गृहस्थ भी सद्कर्मों द्वारा परिवार को ही तीर्थ मानकर मोक्ष प्राप्त कर सकता है। तत्व का ज्ञान रखने वाले धर्मनिष्ठ होकर स्वर्ग जाते हैं। पापी नरक को जाते हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से देखा जाये तो मोक्ष असंभव नहीं है, मात्र सात्विक कर्म करते रहिए, मोक्ष प्राप्ति हेतु।

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

यदि आरंभ से ही मृत्यु को जीवन का अनिवार्य अतिथि मानकर चला जाए, उसकी सुनिश्चितता को समझा जाये और अपनी दिनचर्या इस प्रकार बनाई जाये, जिससे मृत्यु के समय जीवन व्यर्थ जाने का पश्चाताप न रहे, तो मृत्यु हर किसी के लिए सरल और सुखद हो सकती है। मृत्यु के बाद किसी व्यक्ति का चेहरा बहुत शांत और तनाव रहित दिखाई देता है तथा अनेकों का चेहरा विकृत हो जाता है। इसका तात्पर्य यह है कि मृतक की आत्मा शांत या उद्विग्न अवस्था में विदा हुई। अचानक मृत्यु किसी की नहीं होती। मृत्यु तीन क्रम में धीरे-धीरे होती है। इन तीनों क्रमों को स्लेनिकल, बायोलॉजिकल और सेलुलर कहा जाता है। प्रथम क्रम में स्लेनिकल मृत्यु वह है, जिसमें सांस, स्पंदन और मस्तिष्कीय विद्युत लहरों का प्रवाह रुक जाता है। इस स्तर पर मरे हुए व्यक्ति को हृदय की मालिश जैसे उपचारों द्वारा पुनर्जीवित किया जा सकता है।

मृत्यु के दूसरे चरण में शरीर के कुछ भाग विसंगठित होते हुए भी इस दशा में बने रहते हैं कि विद्युत प्रवाह के संचार से उनमें पुनः गतिशीलता उत्पन्न की जा सके तथा तीसरा और अन्तिम मरण रोका जा सके। तीसरी सेलुलर मृत्यु वह है जिसमें शरीर के कोश विगलन की स्थिति में पहुंच जाते हैं, फिर किसी भी स्थिति में जीवन चेतना वापस लौटना संभव नहीं होता। लेकिन कई बार पहली मृत्यु से तीसरी मृत्यु तक पहुंचने में दो-तीन दिन लग जाते हैं। मस्तिष्कीय विद्युत तरंगों को मापने वाले यंत्र 'इलेट्रो एन्सिफेलों ग्राफ' का निष्कर्ष यह है कि मृत्यु के समय मस्तिष्क की तरंगें धीरे-धीरे मंद होती चली जाती हैं और गहरी मूर्च्छा आने लगती है। उस स्थिति में मृतक की स्मरण शक्ति और मस्तिष्कीय क्रियाशीलता धीरे-धीरे बंद होने लगती है। यदि आरभ से ही मृतक को जीवन का अनिवार्य अतिथि मानकर चला जाए तो निद्रा देवी की गोद में लबी थकान मिटाने के लिए जीवन की अनिवार्य घटना मृत्यु से घबराने तथा पश्चाताप करने का या औचित्य मनुष्य योनि को छोड़कर अन्य सभी योनि केवल भोग्य योनि हैं। अर्थात् उनमें केवल पूर्व जन्मों के कर्मों का उपभोग मात्र होता है। किसी नये कर्म की सृष्टि नहीं होती, परन्तु मनुष्य योनि में जहां पूर्व जन्मों के किए हुए संचित कर्मकोष के प्रारध नामक कुछ अंश का उपयोग होता है, वहीं नये कर्मों की सृष्टि भी होती है। इसलिए मनुष्य योनि 'कर्म योनि' के नाम से भी वियात है। अतः यही स्वर्ग और नरक आदि लोक-लोकान्तरों की व्यवस्थाओं की विवेचनात्मक स्थिति है।

पितृदोष कारण और निवारण

मृत्यु के पश्चात् हमारा और मृतात्मा का संबंध विच्छेद केवल दैहिक स्तर पर होता है, आत्मिक स्तर पर नहीं और तब हमारा दायित्व पहले से अधिक बढ़ चुका होता है, योंकि तब तो यह इस भौतिक देह के अभाव में अनेक ऐसे कार्य और कर्व्य करने में असमर्थ हो जाता है, जो कि अन्यथा कर सकता था। जबकि हमारे पास ईश्वर प्रदा यह स्थूल देह है, जिसका न केवल हम अपने लिए अपितु अपने आत्मीयजनों के लिए उपयोग कर सकते हैं। हम मृतात्मा की शांति के लिए निर्धारित विधि विधानों को पूर्ण कर तर्पण, दान देकर, उसे भी निन कोटि की योनि से निकाल कर पितृ वर्ग में ले जाएं, जहां वे उच्चता और श्रेष्ठता से आसीन हो स्वयं भी तृप्त हों एवं हमारे लिए भी सहायक बने तथा उनका आशीर्वाद और कृपा हमें प्राप्त हो। अतः प्राणी को पितरों की संतुष्टि एवं अपने हित के लिए श्राद्ध अवश्य करना चाहिए, उनको संतुष्ट करना चाहिए। इस तथ्य की पुष्टि महर्षि सुमन्तु द्वारा भी की गई है। श्राद्ध से श्रेष्ठ और अन्य कल्याणप्रद उपाय नहीं है। अतः विवेकवान मनुष्य को य%पूर्वक श्राद्ध करना चाहिए। गरूढ़ पुराण में कहा गया है कि श्राद्ध कर्म से संतुष्ट होकर पितर मनुष्यों के लिए आयु, पुत्र, यश, स्वर्ग, कीर्ति, पुष्टि, बल, वैभव, पशु-सुख, धन एवं धान्य देते हैं। सूक्ष्म जगत में परोपकारी देवताओं का भी अस्तित्व है। परोपकारी देवात्माएं अनेक बार मनुष्यों को सत्परामर्श, मार्ग-दर्शन देती एवं संकटों के प्रति सावधान करती हैं। उनके बताये मार्ग का अनुशरण और परामर्श का पालन कर कितने ही लोग आये दिन विपत्तियों से बचते और सुयोग का लाभ उठाते देखे जाते हैं।

पितृ दोष-मुक्ति साधना

जब व्यक्ति अपने अंतिम समय में होता है, तो एक क्षण ऐसा आता है, जब वह तन्द्रा में चला जाता है और चित्रगुप्त के द्वारा उसके जीवन का सारा लेखा-जोखा उसकी आंखों के सामने चलचित्र की भांति तैर जाता है और जीवन में विभिन्न कर्मों के आधार पर वह व्यक्ति जीव अगले जीवन के लिए कर्म चयन करता है। ग्रंथों में कहा गया है कि - "अन्ते या मतिः सा गतिः" अर्थात् अंत समय में जैसा विचार व चिंतन होता है, उसी हिसाब से व्यक्ति का पुनर्जन्म होता है। ऐसे समय में जीव का कोई सशक्त मार्ग-दर्शक हो तो उस आत्मा का शुभ-दायित्व निभा सकता है। आत्माएं, भौतिक वस्तुएं नहीं खाती, वे मात्र उनकी गंध (महक) ग्रहण करती हैं। ठीक उसी प्रकार वे आपकी बातों को सुनकर अच्छी या बुरी तरंगें ग्रहण कर अपनी दिव्य साधना तथा मंत्रों की तेजस्वी तरंगों से उसे सही सात्विक मार्ग-दर्शन देती हैं। यह व्यवस्था जब तक चलती है जब तक उसे नवीन जन्म दिलवाने का कार्य पूर्ण नहीं जाता तथा पूर्व जन्म की सभी स्मृतियां तथा पुराने संस्कार को भुलाकर नये संस्कारों से युक्त कर देती है।

पितृदोष निवारणार्थ साधनाएं

हमारे पूर्वजों को, पितरों को जब तक मृत्यु के पश्चात् भी शांति नहीं मिलती, तब तक वे इसी लोक में भटकते रहते हैं। यदि हम उनके लिए श्राद्ध, कर्मकाण्ड आदि नहीं करेंगे, तो उनको पुण्य लाभ नहीं होगा। ग्रहों की कुदृष्टि से भी पितृ दोष प्राप्त होता है। जन्म कुण्डली का बारहवां (द्वादश भवन) भाव पितृदोष के लक्षण का आभास करवाता है। इसी भाव पर ग्रहों के अनुकूल तथा प्रतिकूल दृष्टियों से इस भाव द्वारा पितृ दोष का प्रभाव दृष्टांकित होता है। यदि द्वादश भवन में चंद्रमा हो और उस पर मंगल की दृष्टि पड़ती हो तो जातक को पितृदोष होता है। मूल नक्षत्र में जन्में जातकों को पितरों का सत्कार, प्रसाद अनेक कष्टों द्वारा प्राप्त होता है। कुल पितृदोष ग्रस्त रहने पर पूर्वजों द्वारा पितृ ऋण न चुकाने पर बालक अपंग पैदा होते हैं। यदि राहु की महादशा में सूर्य की अन्तर्दशा में चन्द्र की प्रत्यन्तर दशा में पितृदोष होने पर व्यापक कष्ट उठाना पड़ता है।

साधना विधान

हमारे शास्त्रों में पितृदोष निवारण से संबंधित साधनाएं पितृभुक्ति साधना कहलाती है। यह साधना श्राद्ध पक्ष में सुविधानुसार किसी भी दिन प्रातः काल सपन्न करें। यह एक दिवसीय साधना है। इसमें 'पितृभुक्ति यंत्र' दिव्य माला, प्रायण गुटिका की आवश्यकता होती है। साधक ब्रह्ममुहूर्त में उठे और सफेद धोती पहनकर दक्षिणाभिमुखी हो सफेद आसन पर बैठे। साधक को चाहिए कि अपने सामने सफेद वस्त्र पर 'पितृ मुक्ति यंत्र' स्थापित कर, उसके चारों ओर दिव्य माला को रखें। कुंकुम से दिवंगत व्यक्ति का नाम यंत्र पर लिखें। यदि साधना सभी पितरों के लिए हो तो 'सर्वपितृ' लिखे यंत्र और माला का पूजन करें। यंत्र पर 'प्रायण गुटिका' स्थापित करें और उसका पूजन भी करें। मंत्रः "ऊँ क्रीं लीं ऐं सर्वपितृयो स्वात्म सिद्धसे, ऊँ फट्"।। साधना से पूर्व संकल्प में पितृ या पितरों के नाम अवश्य लिखें और यंत्र पर भी नाम अंकित करें।

गृहस्थ सुख श्राद्ध प्रयोग

सामग्रीः (1) जल पात्र, घी का दीपक, छोटा नारियल, अगरबत्ती तथा दूध की बनी मिठाई का भोग इच्छानुसार। (2) माला - मूंगे की अथवा तुलसी माला। (3) समय - सायंकाल। (4) आसन - ऊनी आसन, श्वेत रंग का हो, तो श्रेष्ठ। (5) दिशा - पश्चिम दिशा। (6) जप संया - नित्य 3, 7 या 11 माला। (7) अवधि 11 दिन। साधना विधिः सायंकाल के समय धोती या स्वच्छ वस्त्र पहनकर सामने मिट्टी के पात्र में रेत युक्त मिट्टी डालकर उसमें गेहूं या धान बो दें तथा नित्य इसमें थोड़ा-थोड़ा जल डालते रहें, जिसमें जवारे या धान उग आयें। सामने सफेद वस्त्र बिछाकर उस पर काले तिल की ढेरी बनाकर उस पर लघु नारियल स्थापित कर दें। इसके पश्चात् दीपक व अगरबी जलाकर निन मंत्र का 108 बार जाप करें। मंत्रः ऊँ श्रीं सर्व पितृ दोष निवारणाय् लेश हन हन सुख-शांति देहि-देहि फट् स्वाहा। नित्य दूध से बने प्रसाद का भोग लगायें और नित्य मंत्र जाप के बाद पश्चिम दिशा की तरफवह भोग छत या मैदान में फेंक दें। इस प्रकार ग्यारह दिन तक प्रयोग करें, पितृ पक्ष के दरम्यान। बारहवें दिन उस मिट्टी के पात्र को किसी नदी या तालाब या पवित्र जलाशय में विसर्जित कर दें।

प्रयोजन

पितृपक्ष केवल सामान्य रूप से ब्राह्मण भोज कराकर श्राद्ध सपन्न कर देने का ही दिन नहीं है, वरन् इन्हीं दिनों में समस्त पितृवर्ग एवं जिनकी अप्राकृतिक मृत्यु हो गई हो, उनके लिए भी इस प्रयोग को सपन्न करना अति आवश्यक है, क्योंकि इस प्रकार से व्यक्ति अपने पूर्वजों की कृपा और पारिवारिक स्थितियों से श्रेष्ठता प्राप्त करने की स्थितियां निर्मित कर लेता है। वास्तव में किसी भी मृतक, पूर्वज के लिए सबसे उपयुक्त श्राद्ध का अर्थ तो यही है कि अपने सद्प्रयासों ने उन्हें निरन्तर योनियों से मुक्ति दिलाई जाए। उनके प्रति समान व्यक्त किया जाए, उनको भावनात्मक रूप से तृप्ति दी जाए।

जागरूक खबरें

■ वार्ड नंबर 2 में हुआ नाली निर्माण

केकड़ी @ जागरूक जनता। नगर पालिका स्थित वार्ड नंबर 2 में नाली निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ गौरतलब है कि विगत कई वर्षों से वार्ड नंबर 2 में नालियों का अभाव था जिसको देखते हुए स्थानीय पार्षद कुंदन देवतवाल ने नाली निर्माण का संकल्प लिया और विकास कार्यों के लिए लगातार संघर्षरत रहे उनके इस संघर्ष में उनके पिता युवा कांग्रेसी नेता श्याम लाल बेरवा ने भी सहयोग किया उपरोक्त समस्या को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष कमलेश साहू ने तुरंत इस कार्य को करने की स्वीकृति प्रदान की जिसके तहत वार्ड में नाली निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ जिससे समस्त वार्ड वासियों में हर्ष का माहौल है तथा उन्होंने विधायक एवं पूर्व चिकित्सा मंत्री डॉ रघु शर्मा युवा नेता सागर शर्मा नगर पालिका अध्यक्ष कमलेश साहू अधिशासी अधिकारी बसंत सैनी युवा नेता श्याम लाल बेरवा, एडवोकेट विजेंद्र पाराशर, पार्षद कुंदन देवातवाल, भागचंद लखारा सहित सभी अधिकारियों व इस कार्य में सहयोग करने वाले प्रत्येक व्यक्ति का आभार व्यक्त किया।

■ भीनमाल के युवक का एमबीबीएस प्रवेश परीक्षा में चयन

भीनमाल @ जागरूक जनता। स्थानीय घाचियो का चौहटा निवासी एक युवक का एमबीबीएस प्रवेश परीक्षा में चयन हुआ है। घाचियो का चौहटा निवासी जयेश पुत्र दिनेश कुमार घाची ने अहमदाबाद में रहकर एमबीबीएस प्रवेश परीक्षा के लिए तैयारी की। जयेश ने बताया कि ये यह तीसरा प्रयास था, इसके पहले सेल्फ स्टडी से नीट परीक्षा की तैयारी की थी। वर्ष 2021 में 582 अंक प्राप्त किये थे, इससे सेमी प्राईवेट कॉलेज मिल रहा था, लेकिन एक साल और मेहनत करने की ठान ली। रोजाना 10 से 12 घंटे की सेल्फ स्टडी में फोकस एनसीइआरटी पर ही रहा। जयेश ने एमबीबीएस प्रवेश के लिए आयोजित नीट यूजी का एग्जाम 616 अंक (99.20%) से रैंक कर लिया है और अब सरकारी मेडिकल कॉलेज से डॉक्टर की पढ़ाई करेंगे।

■ ट्रान्सटिबियल मोड्यूलर प्रोस्थेसिस फीटिंग कार्यशाला सम्पन्न

उदयपुर @ जागरूक जनता। दिव्यांगों के जीवन में सुगमता लाने के लिए निरन्तर सार्थक कार्य करने वाली नारायण सेवा संस्थान में 7 से 10 सितम्बर तक चार दिवसीय फिटमेंट ऑफ ट्रान्सटिबियल मोड्यूलर प्रोस्थेसिस कार्यशाला शनिवार को सेवामहातीर्थ परिसर में सम्पन्न हुई। यह ट्रेनिंग प्रोग्राम जर्मनी की ऑटो-बॉक कम्पनी के ट्रेनर डॉ. संतोष राउत के निर्देशन में हुआ। संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल ने बताया कि संस्थान में संचालित फेब्रीकेशन यूनिट को ओर उन्नत और तकनीक रूप से समृद्ध बनाने के लिए यह कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें संस्थान के लगभग 25 सदस्य डॉक्टर्स एवं टेक्नीशियन ने हिस्सा लिया। पीएण्डओ विभाग के प्रभारी डॉ. मानस रंजन साहू ने बताया कि ट्रेनिंग के दौरान विभाग को प्रोस्थेसिस फीटिंग कार्य प्रणाली को समझाने के लिए 4 टीमों में बांटा गया। प्रत्येक को घुटने के नीचे से पांव कटे हुए पेशेन्ट की विकृति का अध्ययन करवाते हुए उनका मेजरमेंट लेते हुए प्रोस्थेसिस फीटिंग की गई। डॉ. रोली मिश्रा और डॉ रितुपल्ला का कहना है कि इससे हमारी टीम की स्किल में सुधार हुआ है और बेहतर तकनीक के साथ दिव्यांग भाईयों को मदद पहुंचाई जा सकेगी। राकेश शर्मा एवं कैलाश दाधिच भी मौजूद रहे।

यूनिवर्सिटी की अकेडमिक काउंसिल ने दी रेप्टाइलियन साइंस कोर्स को अप्रूवल

पहली बार कोटा यूनिवर्सिटी में होगी सांपों की पढ़ाई

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

1 साल का कोर्स, दो सेमेस्टर में देने होंगे 3 पेपर

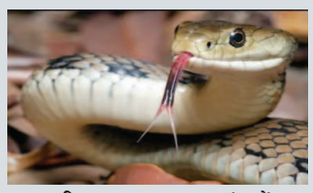

कोटा। कोटा यूनिवर्सिटी में अब विद्यार्थी सर्पों (सांपों) की पढ़ाई भी करेंगे। यूनिवर्सिटी की अकेडमिक काउंसिल ने रेप्टिलियन साइंस कोर्स को अप्रूवल दे दी है। खास बात यह है कि इस तरह का कोर्स करवाने वाली प्रदेश की पहली यूनिवर्सिटी बन गई है। यूनिवर्सिटी के प्रोफेसरों के अनुसार दक्षिण भारत में इसे एक यूनिवर्सिटी करवाती थी। डीन पीजी प्रो. घनश्याम शर्मा ने बताया कि इसका पहले कॅरिकुलम तैयार कर लिया था। बोर्ड ऑफ स्टडी में भेजा गया था, फिर अकेडमिक काउंसिल की मंजूरी मिलने के बाद इसे कोर्स की सूची में जोड़ दिया गया है। इस कोर्स की शुरुआत होने से यूनिवर्सिटी में यूजी और पीजी के कोर्स की संख्या 32 हो गई है, साथ ही सीटों की संख्या भी बढ़कर 1085 हो गई है। रेप्टिलियन साइंस में 20 सीटें है। सभी कोर्स के लिए यूनिवर्सिटी ने 30 सितंबर तक आवेदन मांगे हैं।

वाइल्ड लाइफ डिपार्टमेंट की कोर्डिनेटर डॉ. रंजना गुप्ता ने बताया कि यह एक साल का कोर्स होगा। इसमें दो सेमेस्टर रखे गए हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में तीन पेपर होंगे। प्रत्येक पेपर 100 अंकों का होगा। प्रेक्टिकल भी होगा। हालांकि, अभी यूनिवर्सिटी में इस कोर्स से संबंधित लैब नहीं है। इसमें साइंस की किसी भी स्ट्रीम में उतीर्ण बैचलर डिग्री के विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। इस कोर्स में विद्यार्थियों के लिए करीब 20 हजार फीस रखी गई है। डॉ. गुप्ता ने बताया कि वाइल्ड लाइफ साइंस में अब तक दो कोर्स थे। अब इनकी संख्या दो हो जाएगी। कोटा में रेप्टिलियन साइंस की डिमांड अधिक होने से इस कोर्स की शुरुआत की गई है। कोर्स में सांपों बॉडी पार्ट्स, कार्डियक साइकिल, ब्लड सकुर्लेशन, इम्यूनोलॉजी, हियरिंग और सेंसिंग इकोलॉजी और ऑर्गन के बारे में जानकारी दी जाएगी।

हर साल सर्पदंश से 50 लाख से अधिक मौत

यूनिवर्सिटी में वाइल्ड साइंस में को-कोर्डिनेटर डॉ. विनीत महोबिया के अनुसार हर साल दुनिया में 50 लाख मौतें सर्पदंश से हो जाती है। अकेले भारत में 60 हजार मौतें होती है। ऐसे में इस क्षेत्र में एक्सपर्ट की जरूरत हो रही है, जो लोगों का जीवन बचा सके। इस कोर्स में सर्प का रेस्क्यू, सर्पदंश पर उपचार, सर्पों की प्रजातियों की जानकारी, व्यवहार, हाड़ौती में मिलने वाले सभी सरीसृप, उनकी पहचान, ब्रीडिंग की जानकारी दी जाएगी। डॉ. महोबिया ने बताया कि बूंदी रोड पर स्नेक पार्क शुरू हो रहा है।

स्टूडेंट सांप पकडेंगे भी और छोड़ेंगे भी

जितने भी सरीसृप होते हैं, उनके बारे में इस कोर्स में पढ़ाया जाएगा। इसमें सांप, कछुए, छिपकली, मगरमच्छ, व अन्य शामिल है। इसमें इन्हें पकड़ना, रेस्क्यू करना, जंगल मे छोड़ना सिखाया जाएगा। इसके अलावा स्नेक बाइट का उपचार कैसे होता है। सरीसृप की अलग-अलग प्रजाति, उत्पत्ति, अभी तक की संरचना व इतिहास पढ़ाया जाएगा। छोटे-बड़े शरीर के सरीसृप के बारे में जानकारी दी जाएगी, जिनमें डायनोसोर भी शामिल है। भारत में मिलने वाले और खासतौर पर राजस्थान व हाड़ौती में मिलने वाले सभी सरीसृप के बारे में बच्चों को ट्रेंड किया जाएगा। कोर्स में वाइल्डलाइफ प्रोटक्शन एक्ट भी शामिल किया है।

इन्दिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना शुरू

जिला प्रभारी मंत्री ने किया शुभारंभ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही। सिरोही जिला मुख्यालय पर इन्दिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना का शुभारम्भ जिला प्रभारी मंत्री महेन्द्र चौधरी ने किया। कार्यक्रम के तहत जरूरतमन्द बेरोजगारों को साल में 100 दिन का रोजगार दिया जाएगा। इस मौके पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। इस मौके पर सिरोही सदर थाना और साइबर थाने के लिए आवंटित भूमि के पत्र एसपी को सौंपे। जिले के प्रभारी मंत्री और राज. विधानसभा के उपमुख्य सचेतक महेन्द्र चौधरी ने कहा कि आज बड़ा ही खुशी का दिन है। यूपीए सरकार ने गांव के गरीब बेरोजगार को भावना को समझते हुए मनरेगा योजना शुरू की थी। उन्होंने कहा आज गांव का आदमी खुशहाल जीवन जी रहा है। वहीं मुख्यमंत्री सलाहकार और क्षेत्रीय विधायक संयम लोढा ने कहा कि भारत में पहली बार नगरीय क्षेत्र में शहर में रहने वाले लोगों को रोजगार का सरकार ने अधिकार दिया है। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ भंवरलाल, एसडीएम रमेश चन्द्र बहेडिया, राजस्थान प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी रवि प्रकाश, आयुक्त नगर परिषद अनिल झिंगौनिया, उपसभापति जितेन्द्र सिंघी, सीएमएचओ डॉ राजेश कुमार, राजेन्द्र सांखला सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

धूमधाम से किया गणपति विसर्जन

केकड़ी @ जागरूक जनता। अनंत चतुर्दशी के पर्व पर गणेश जी का विसर्जन धूमधाम से किया गया बजरंग दल के दशरथ साहू ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणपति विसर्जन बड़ी धूमधाम से किया गया जिसमें समस्त नगरवासियों व सभी संगठनों ने बहुत बहुत सहयोग किया गणेश विसर्जन के दौरान लोग नाचते गाते गुलाल उड़ाते नजर आए विशाल जुलूस में पुलिस प्रशासन का भी बहुत सहयोग रहा गणपति को संपूर्ण नगर में घुमा कर कचहरी परिसर स्थित बावड़ी में विसर्जन किया तथा सुख शांति की कामना की।

उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

केकडी @ जागरूक जनता। भारतीय किसान संघ ने उपखंड अधिकारी केकड़ी को विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने से पूर्व अजमेर रोड स्थित बालाजी के मंदिर में तहसील स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता संभाग अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद शर्मा ने की। बैठक में जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा ने संगठन की मजबूती व उद्देश्यों पर बल दिया। बैठक के उपरांत जैविक खेती, पेयजल की किल्लत को दूर करने के लिए बीसलपुर परियोजना से लिफ्ट सिंचाई योजना अजमेर जिले में ही किए जाने, गोवंश में लंपी बीमारी से राहत के लिए उच्च स्तर पर व्यवस्था कराने, फसल खराबा का क्लेम दिलाने और क्रमोन्नत विद्यालय में अध्यापकों की शीघ्र व्यवस्था कराए जाने की मांगों सहित विभिन्न मांगों को लेकर उपखंड अधिकारी महोदय को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने के दौरान संभाग अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद शर्मा, जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा, तहसील मंत्री केकड़ी घनश्याम बडला, तहसील मंत्री सावर किशन लाल मीणा, जिला कोषाध्यक्ष रामकिशन सुनारिया, तहसील उपाध्यक्ष महावीर जाट, जिला राजस्व प्रमुख पोखर जाट, तहसील उपाध्यक्ष जीवा लाल कुमावत, जैविक प्रमुख रामकिशन धाकड़,गोवर्धन शर्मा, भैरू बात्रा रामफूल कुमावत, जगदीश जाट, बन्ना लाल जा, हरजी कुमावत पाचू माली, शिव, सत्यनारायण धाकड़, महावीर रेगर, भंवर प्रजापत, बन्ना लोहार, किशन लाल जाट, बनवारी, रामेश्वर जाट, सुगन चंद, घीलाल कुमावत, जगदीश जाट, जगदीश कुमावत, सत्यनारायण, किरोड़ी लाल जाट ,सोनू तेली, पोखर प्रजापत सहित अनेक किसान बंधु उपस्थित थे।

आर सी टु युनियन ने 58 सूत्रीय मांग पत्र महाप्रबंधक बिरला व्हाइट को सौंपा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

खारिया खंगार /जोधपुर। खारिया खंगार स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड यूनिट बिरला व्हाइट सीमेंट श्रमिक एकता यूनियन संबंधित आर सी टू यूनियन ने 58 सूत्रीय मांगों को लेकर महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपा। आर सी टू यूनियन अध्यक्ष दिलीप सिंह भाटी ने कहा कि यूनियन के साथ 2018 में त्रिपक्षीय समझौता हो रखा है। जो 31 अगस्त को पूरा हो गया है भाटी ने कहा समझौता सभी ठेकेदार कर्मचारियों पर लागू होगा जिस पर कंपनी जल्द से जल्द 58 सूत्री मांगों पर चर्चा करें जो श्रमिक हित में रखी गयी है। इस दौरान आर सी टू यूनियन अध्यक्ष दिलीप सिंह भाटी, महामंत्री राजाराम प्रजापत, उपाध्यक्ष मांगू सिंह, सचिव अमराराम एवं कार्यकारिणी सदस्य चेनाराम, पर्वत सिंह, राम किशोर, नेमाराम, सत्यनारायण, अनिल कुमार जैपाल, रामेश्वर लाल माली सहित सभी श्रमिक गण मौजूद रहे।

करोलबाग में टारगेट मोबाइल एसेसरीज आउटलेट का उद्घाटन

लोगों की सबसे अहम जरूरतों में शामिल है मोबाइल- ईशांत शर्मा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। स्पोर्टस फील्ड में भी इन एसेसरीज का खूब इस्तेमाल क्रिकेटर भी कर रहे हैं। यह बात क्रिकेटर ईशांत शर्मा ने करोलबाग में टारगेट मोबाइल एसेसरीज आउटलेट के उद्घाटन के दौरान कही। उन्होंने कहा इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी की बदौलत आज सारी दुनिया एक मोबाइल के अंदर समा चुकी है। ऐसे में मोबाइल से जुड़े तमाम डिवाइस बाजार में आ गए हैं, जिनकी मदद से मोबाइल का इस्तेमाल बहुत से प्रोफेशनल कामकाज के लिए भी किया जा सकता है। इन्हीं जरूरतों को देखते हुए टारगेट ग्रुप ने आउटलेट खोला है। कंपनी के डायरेक्टर मगन चौधरी ने बताया टारगेट का यह ब्रांड कई वर्षों से से मोबाइल एसेसरीज ब्रांड का नेतृत्व कर रहा है। यहां मोबाइल और स्पोर्ट्स एसेसरीज की विशाल रेंज है, जिसमें वायरलेस एंड स्पोसर्टी एसेसरीज, वायर्ड ईयर फोन आदि एसेसरीज शामिल हैं। पूरे भारत वह कही देशों में काफी पसंद किया जाता है।

हज़रत अब्दुल्ला शाह उर्फ घोड़ा देह वाले बाबा साहब के उर्स

कव्वाल जुनैद सुल्तानी ने पेश किए सूफियाना कलाम, कलामो पर झूमे जायरीन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

निम्बाहेड़ा। हजरत अब्दुल्ला शाह उर्फ घोड़ा देह वाले बाबा साहब (र.अ.) के 5 दिवसीय सालाना 63वे उर्स मुबारक के मौके पर चौथे दिन शनिवार रात्रि को मेहफिले कव्वाली के आयोजन में आठ सौ किलोमीटर दूर उत्तर प्रदेश के बदायूं से तशरीफ लाए हिंदुस्तान के मशहूर कव्वाल "जुनैद सुल्तानी" ने अपने सूफियाना कलाम पेश किए। जुनैद सुल्तानी एंड पार्टी ने अपने सूफी कलाम से सभी को झूमने पर मजबुर कर दिया, महफिल मे मौजुद सभी जायरीन झुमने लगे। अंजुमने इस्लाम कमेटी एवं घोड़ा देह बाबा सेवा समिति (रजि.) के सदर शोएब खान लाला ने बताया कि उर्स के चौथे दिन शनिवार बाद नमाज़-ए-ईशा मेहफिले कव्वाली का प्रोग्राम शुरू हुआ जिसमें हक निभाना मेरे हुसैन का है, हुसैन जिंदाबाद है जिंदाबाद रहेगा, जश्न हम मनाते है, जलने वाले जलते है जैसे सूफी कलाम एवं रब से सच्ची मोहब्बत, मां - बाप कि मोहब्बत, भाई - बहन की मोहब्बत जैसी गजलों पर वहां मौजूद अकीदतमंद झूम उठे। सुल्तानी के सूफ़ी कलामों पर सदर शोएब लाला एवं वसीम खान एवं कई जायरीनों द्वारा सुल्तानी कि हौसला अफजाई करते हुए नोटों का नजराना पेश किया गया। कव्वाल सुल्तानी के कलाम सुनने के लिए कई उर्स कमेटियों एवं अकीदतमंदों ने आस पास के क्षेत्र सहित कई दूसरे जिलों से शिरकत कि। सुल्तानी ने अपने सूफी कलामो से सभी का दिल जीत लिया, जिससे प्रोग्राम पूरी रात सुबह फजर तक चलता रहा एवं हजारों कि बड़ी संख्या में तशरीफ लाए जायरीनों ने सुबह पांच बजे तक जगह नहीं छोड़ी और कव्वाली का लुत्फ उठाया।

इस मौके पर अंजुमन नायब सदर हाजी ख्वाजा हुसैन, घोड़ा देह बाबा उर्स कमेटी के सचिव रजा इंदौरी, सलाहकार यूसुफ खान, नायब सदर वसीम खान, पप्पू पठान, कोषाध्यक्ष भईया कुरेशी, इशरत उस्ताद, हाजी मुन्ना खान, राजू पठान, छोटे पठान, सलीम मामू, रिजवान खान, हनी खान, युनुस खान आदि बड़ी संख्या में कई अकीदतमंद मौजूद रहें।

बार अध्यक्ष ने किया उपराष्ट्रपति का अभिवादन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

केकड़ी। बार एसोसिएशन केकड़ी के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राठौड़ ने बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में उपराष्ट्रपति का अभिवादन किया। बार के पुस्तकालय अध्यक्ष विजेंद्र पाराशर एडवोकेट ने बताया कि वकालत के क्षेत्र मे अपना परचम लहराने के बाद जन सेवा करने के लिए देश की राजनीती के मैदान मे उतरकर बतौर विधायक, सांसद, और राज्यपाल बन जनता की सेवा कर देश का प्रतिनिधित्व कर वर्तमान मे भारत के उपराष्ट्रपति के पद पर विराजमान सम्मानीय महामहिम जगदीप धनखड़ साहब के सम्मान मे बार कॉन्सिल ऑफ राजस्थान द्वारा जयपुर मे माननीय न्यायाधिपति एम. एम. श्रीवास्तव कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय की गौरवमय उपस्थिती मे सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमे केकड़ी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष महोदय भूपेंद्र सिंह राठौड़ साहब कों शामिल होने के साथ ही महामाहिम उपराष्ट्रपति महोदय का अभिवादन करने का सुनहरा अवसर मिला जो बार एसोसिएशन केकड़ी के लिए बड़े ही सौभाग्य की बात है।

चौमूं को बीसलपुर योजना से जोड़ने की मांग

पेयजल समस्या से निजात जल के लिए सत्याग्रह जन आक्रोश रैली आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमूं। चौमूं शहर में स्वराज फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष श्याम शर्मा के नेतृत्व में जल सत्याग्रह विशाल जन आक्रोश रैली का आयोजन किया गया। यह रैली रींगस रोड स्थित राधाकृष्ण गार्डन से शुरू हुई और रींगस रोड, बस स्टैंड होकर थाना मोड़ तहसील कार्यालय पहुंची। जहां एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा और पेयजल समस्या से निजात दिलवाने की मांग की। जल सत्याग्रह जन आक्रोश रैली में हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए।

स्वराज फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष श्याम शर्मा ने बताया कि चौमूं क्षेत्र में भीषण जल संकट चल रहा है। इसको लेकर चुनावी माहौल में बीसलपुर से पानी लाने की मांग उठाई जाती है। साल 2018 के चुनावों में गोविंदगढ़ में मुख्यमंत्री गहलोत ने रैली के दौरान मेट्रो ट्रेन और बीसलपुर से पानी जोड़ने का वादा किया था, लेकिन साढ़े 3 साल से ज्यादा समय हो गया है। इसके बाद भी चौमूं क्षेत्र को बीसलपुर पेयजल योजना से नहीं जोड़ा गया है। जिससे शहर में पेयजल की किल्लत चल रही है। पेयजल समस्या को लेकर आए दिन शहर में विरोध-प्रदर्शन होते रहते हैं। प्रदेश अध्यक्ष श्याम शर्मा ने मांग की है कि पेयजल व्यवस्था के लिए बीसलपुर से चौमूं को जोड़ा जाए और खेतों में सिंचाई के लिए यमुना नदी से जोड़ा जाए। जिससे किसानों को भी सिंचाई के लिए पानी मिल सके। इस मौके पर स्वराज फाउंडेशन प्रदेश प्रवक्ता श्रवण सैनी, सुरेश गोदारा, ओम प्रकाश पुरी, संदीप मीणा, अरविंद यादव, महेंद्र देवंदा, राजेश गौरा, कानाराम जाट, अटल मेठी, अशोक सैनी, समीर चौधरी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ANCHOR बम्पर फसल भरेगी झोली

मानसूनी मेहरबानी से चमका बाजरा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

करौली। बाजरे के लिए मानसूनी मेहरबानी से इस बार जिले में बाजरा चमक गया है, जो किसानों की झोली भरेगा। खेतों में लहलहाते बाजरे से किसान खुश हैं। गत वर्ष के मुकाबले इस बार जिले में खेतों में बाजरे की फसल अधिक मुस्कुरा रही है।

जिलेभर के खेतों में इन दिनों लहलहा रही बाजरे की फसल को देख किसानों के चेहरों पर भी खुशी छाई है। गत वर्ष के मुकाबले इस वर्ष जिले में करीब 32 हजार मीट्रिक टन बाजरे का अधिक उत्पादन होने की उम्मीद है। कृषि विभाग अधिकारियों का मानना है कि इस बार जितना भी मानसून जिले में मेहरबान रहा है, उसने बाजरे की फसल को खासा संबल प्रदान किया है। यही वजह है कि इस बार जिले में बाजरे की बम्पर पैदावार की उम्मीद है। कई जगह बाजरे की फसल पककर भी तैयार हो चुकी है। कृषि विभाग के अनुसार वर्ष 2022-23 की खरीफ फसल में जिले में बाजरे का कुल बुवाई का लक्ष्य एक लाख 30 हजार हैक्टेयर क्षेत्रफल में रखा गया था, जिसके मुकाबले एक लाख 32 हजार हैक्टेयर में किसानों ने बाजरा फसल की बुवाई की।

यह है उत्पादन का अनुमान

इस बार जिले में कुल एक लाख 32 हजार हैक्टेयर क्षेत्रफल में बाजरे की बुवाई की गई थी। हालांकि इस बार मानसून अधिक मेहरबान तो नहीं रहा, लेकिन बीच-बीच में नियमित अंतराल पर होती रही बारिश ने बाजरे को खूब सहारा दिया। इसके अलावा कृषि विभाग के अधिकारियों का यह भी कहना है कि इस बार फसल में ना तो प्रकृति की मार पड़ी है और ना ही फड़का आदि का रोग का विशेष प्रभाव रहा है, जिसके चलते अब खेतों में फसल लहलहा रही है। कृषि विभाग अधिकारियों को उम्मीद है कि इस बार प्रति हैक्टेयर 24 क्विंटल फसल का उत्पादन होगा। इस प्रकार जिले में 3 लाख 16 हजार 826 मीट्रिक टन बाजरा उत्पादन का अनुमान है। जबकि गत वर्ष जिले में कुल 1 लाख 31 हजार हैक्टेयर क्षेत्रफल में बाजरे की बुवाई की गई थी, जिसमें 2 लाख 84 हजार 891 मीट्रिक टन का उत्पादन हुआ था।

सर्वाधिक बाजरा टोडाभीम में

कृषि विभाग के अनुसार जिले में बाजरे का सर्वाधिक क्षेत्रफल टोडाभीम इलाके में है। उसके बाद श्रीमहावीरजी, सपोटरा, हिंडौन, करौली, सूरौठ, नादौती, मासलपुर क्षेत्र में बाजरा उत्पादन होता है।

जिले में बाजरा फसल के लिए बारिश पर्याप्त हुई है। नियमित अंतराल पर बारिश होती रही, जिससे बाजरे की बम्पर पैदावार की उम्मीद है। बुवाई के अनुसार करीब 3 लाख 16 हजार से अधिक मीट्रिक टन बाजरा उत्पादन का अनुमान है।

-रामलाल जाट, उपनिदेशक,
कृषि विभाग करौली

कृष्ण भक्ति से प्राप्त होगा सुख-रघुनाथ स्वामी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। अर्जेंटीना में जन्मे संत रूप रघुनाथ स्वामी महाराज ने इस्कॉन मंदिर में भगवदगीता पर प्रवचन दिया। जिसमे दूसरे अध्याय के 13 वें श्लोक की व्याख्या करते हुए उन्होंने बताया कि आज के समय में लोग शास्त्रों के ज्ञान के अभाव में दिशाहीन जीवन जी रहे है। लोग स्वयं को शरीर मानते हुए। केवल स्वयं एवं दूसरों की शारीरिक सुख सुविधाओं की पूर्ति हेतु ही विभिन्न प्रकार के कार्यकलापों में लगे हुए है। परंतु सुख प्राप्ति तो दूर रही वे सदैव विभिन्न कष्टों को भोगते रहते है। इस जन्म के बाद पुनः इस संसार में कोई दूसरा शरीर प्राप्त कर पुनः जन्म ग्रहण करते है। उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति सभी समस्याओं से छूटकर सुख प्राप्त करना चाहता है उसे भगवान कृष्ण की भक्ति करनी चाहिए। महाराज जी का जन्म दक्षिण अमेरिका महाद्वीप में अर्जेंटीना देश में हुआ था एवम युवावस्था में वे इस्कॉन के भक्तों के संपर्क में आए थे जिसके पश्चात वे भगवान श्री कृष्ण की भक्ति एवं इसके प्रचार में लग गए। महाराज इस्कॉन के वरिष्ठ संन्यासी भक्तों में से है एवं पूरे विश्व में भ्रमण करते है। कथा के बाद महाराज जी ने हरे कृष्ण महामंत्र का कीर्तन भी किया ।

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23

धरती पर उतरेगा 'चांद'

दुबई में बनेगा 'मून रिसॉर्ट'

तैयारी : योजना पर खर्च होंगे 40 हजार करोड़ रुपए

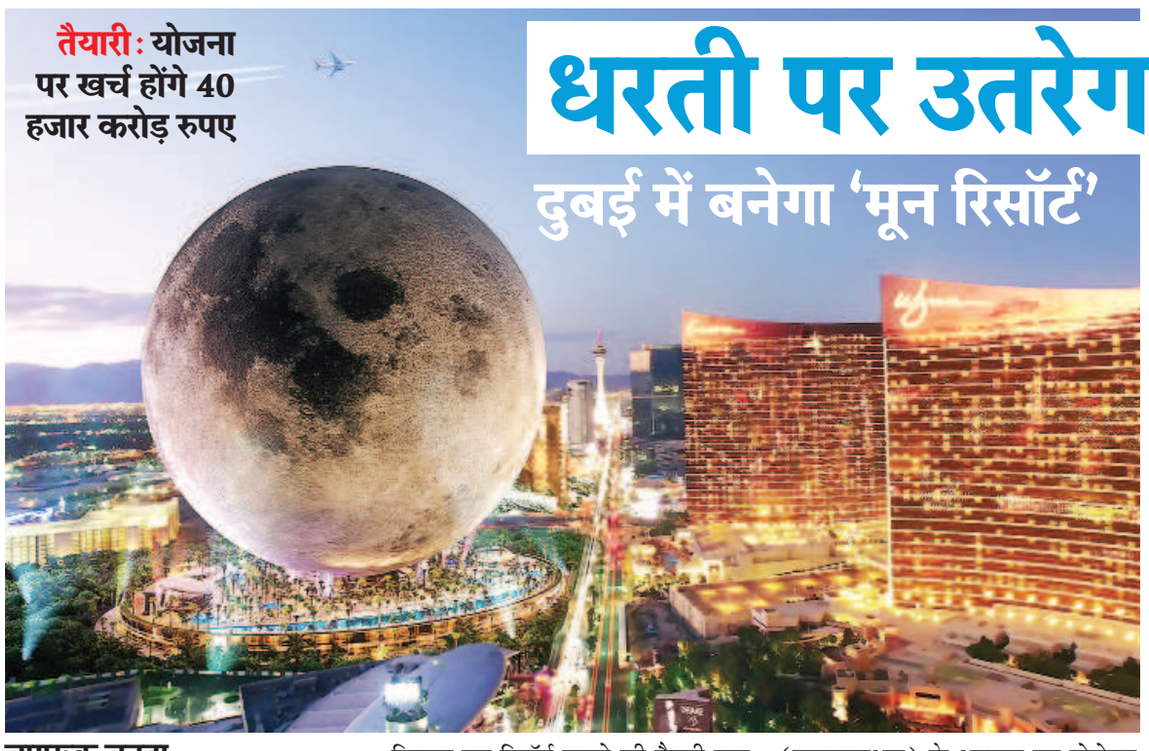

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

दुबई। दुबई गगनचुंबी और खूबसूरत इमारतों के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। दुबई ने अपनी खूबसूरती को और बढ़ाने के लिए चांद को धरती पर उतारने का फैसला किया है। दरअसल, दुबई में एक विशाल मून रिसॉर्ट बनाने की तैयारी चल रही है। इसके लिए चंद्रमा जैसी नजर आने वाली बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा। बाद में इसे एक रिसॉर्ट के रूप में बदल दिया जाएगा। अरेबियन बिजनेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा की आर्किटेक्चर कंपनी मून वर्ल्ड रिसॉर्ट्स (एमडब्ल्यूआर) के अनुसार इस प्रोजेक्ट के निर्माण पर 5 बिलियन डॉलर (करीब 40 हजार करोड़ रुपए) का खर्च आने की संभावना है। एमडब्ल्यूआर के सैंड्रा मैथ्यूज और माइकल हेंडरसन ने कहा कि रिसॉर्ट का निर्माण 48 माह में करने का लक्ष्य है।

हर साल 25 लाख पर्यटकों को करेगा आकर्षित

चंद्रमा के आकार के इस मेगा रिसॉर्ट में आधुनिक सुख-सुविधाओं के साथ नाइट क्लब और वेलनेस सेंटर भी बनाया जाएगा। उम्मीद है कि इस मून रिसॉर्ट में हर साल 25 लाख पर्यटक पहुंचेंगे। इसके लिए रिसॉर्ट की बिल्डिंग को विशाल आकार दिया जाएगा। चांद जैसे दिखने वाले गोले की परिधि 622 मीटर बनाए जाने की योजना है। इससे एक साल में 1.5 बिलियन यूरो (13 हजार करोड़ रुपए) से अधिक की कमाई होने की संभावना है।

मून शटल पर सवार होकर घूमेंगे मेहमान

रिसॉर्ट में मेहमान मून शटल पर सवार होकर नजारों का लुत्फ उठा सकेंगे। यह मून शटल लोगों को रिसॉर्ट के आसपास ट्रैक पर घुमाने में सक्षम होगा। इसका ट्रैक रिसॉर्ट के स्ट्रक्चर के सेंटर में गोल आकार में बनाया जाएगा।

राम मंदिर के लिए कर्नाटक से भेजेंगे स्वर्ण शिखर

शिखर सौंपने से पहले पूरे राज्य में निकाली जाएगी शोभायात्रा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बेंगलूरु। अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के लिए कर्नाटक से स्वर्ण शिखर भेजा जाएगा। इस शिखर का निर्माण राज्य के राम भक्तों की ओर से किया जाएगा। उडुपी स्थित पेजावर मठ के प्रमुख और रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के सदस्य विश्वप्रसन्न तीर्थ स्वामी ने अयोध्या में हुई न्यास की बैठक में यह जानकारी दी।

मठ की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि स्वामी ने ट्रस्ट के सदस्यों को बताया कि स्वर्ण शिखर को इस तरह से डिजाइन किया जाएगा कि वह मंदिर की वास्तुकला से मेल खा सके। मंदिर ट्रस्ट को शिखर सौंपने से पहले विश्व हिंदू परिषद के बैनर तले पूरे राज्य में उसकी शोभायात्रा निकाली जाएगी। स्वामी ने कहा कि अगले साल के अंत में प्रस्तावित मंदिर के उद्घाटन में लोगों को आमंत्रित करने के लिए ट्रस्टी राष्ट्रव्यापी यात्रा भी कर सकते हैं।

विनायक ज्वैलर्स
Retailer of Gold, Diamond & Silver Jewellery
22 K 916 हॉलमार्क ज्वैलरी
18 K 750 हॉलमार्क डायमंड ज्वैलरी
970 Silver Utensiles
Certified राशि रत्न
BIS 100% Hall Marked Jewellery
G-46, Unnati Tower, Central Spine, Vidhya Dhar Nagar, Jaipur
0141-2337548, 0141-2337458, 9414156451

जागरूक खबरें

■ अविमुक्तेश्वरानंद और सदानंद को मठों का जिम्मा

अविमुक्तेश्वरानंद और सदानंद

नरसिंहपुर @ जागरूक जनता। मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले में शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के उत्तराधिकारी घोषित कर दिए गए। उनके दो शिष्यों को अलग-अलग मठों की जिम्मेदारी सौंपी है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ज्योतिषपीठ, जबकि स्वामी सदानंद शारदा पीठ के प्रमुख होंगे। शंकराचार्य के पार्थिव शरीर के सामने उनके निजी सचिव सुबोद्यानंद महाराज ने यह घोषणा की। स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती का रविवार को निधन हो गया था।

■ विश्व में 4.96 करोड़ लोग आधुनिक दासता के शिकार

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार संकट के रूप में बढ़ रही आधुनिक दासता दुनियाभर में गरीबी को बढ़ा रही है। संगठन की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार हाल के वर्षों में 4.96 करोड़ लोग ऐसे हैं, जो बंधुआ मजदूर हैं या फिर उन्हें इच्छा के विरुद्ध विवाह करना पड़ा है।

www.shpgroup.in
SHP HOME LLP
Perfect Home for Perfect Lifestyle
ATHARV APARTMENTS
2 BHK PREMIUM HOMES
Site : C-8, Eden Garden Grand Sikar Road, Jaipur
CALL : +91 7665 678 678
FEATURES THAT AMAZE YOU
Skywalk, located in the 300 beegah integrated township surrounded by Park and lush green areas | Podium Garden | Vehicle Charging Point | Gym and Club | Digital Library | Work From Home Desk | Indoor Games | Sky Lounge and many more...
READY FOR FITOUT | FEW FLAT LEFT | BOOK NOW

QSI Reliable, Professional & Genuine ISO Certification
Serving Govt, PSU, MSME, Health & Education etc
Services since 2001
ISO Awareness, Auditors/ L.A. Training On site - PUBLIC
CE, NABL, NABH, SEDEX, Disaster M.PLAN Product & Process standards ISO 4427 Assistance & Certifications
HBO Oxygen Treatment
Franchise Available
SNHL, Wounds, AUTISM, C.P. Side effects of Post Chemo-Radio Preventive Healthcare
-: Contact :-
R. C. Agrawal, Director
Call. 9829017133, 0141- 2236895
QSI (India) Certifications P.L.
SF 1/557 Vidyadhar Ngr, Jaipur-39
Email: qsicert@gmail.com
www.qsi-india.com
ISO 9001, 14001 IMS ISO 45001, 22000, 27001 EA ISO 50001, MD 13485, SA 8000 , Weld Quality ISO 3834-2 , 15085, IRIS 22163 IATF-16949 ETC

आज़ादी का अमृत महोत्सव
हमारे साथ बीमा सप्ताह मनाने के लिए आपका धन्यवाद!
एक लंबी विजयी पारी
1956 से
एलआईसी का न्यू पेंशन प्लस
एलआईसी का टेक टर्म
एलआईसी का जीवन उमंग
एलआईसी का आरोग्य रक्षक
एलआईसी का एसआईआईपी
एलआईसी का धन संचय
एलआईसी का जीवन अक्षय VII
गौरव और विश्वास के 66 वर्ष
LIC 66 years ANNIVERSARY
66 Years of Glory and Trust
एलआईसी की दीर्घकालीन सुरक्षा ने इसे भारत का सबसे भरोसेमंद बीमा साथी बनाया है. आइए, हम अपने आने वाले कल में अपनी जीत सुनिश्चित करें और भारत को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित बनाएँ.
डाउनलोड करें एलआईसी मोबाइल ऐप "MyLIC" | विज़िट करें: licindia.in | कॉल सेन्टर सर्विस (022) 6827 6827
हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512
नकली फोन कॉल्स और झूठे/धोखाधड़ी पूर्ण ऑफ़र्स से सावधान रहें. आईआरडीएआई जीवन बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बोनस घोषित करने या प्रीमियमों के निवेश जैसी गतिविधियों में संलग्न नहीं है. ऐसे फोन कॉल प्राप्त करने वाले व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करवाएँ. बिक्री समापन से पूर्व अधिक जानकारी या जोखिम घटकों, नियम और शर्तों के लिए बिक्री पुस्तिका को ध्यानपूर्वक पढ़े.
LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
हर पल आपके साथ
LIC / P1 / 2022 - 23 / 12 / Hin

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

जागरूक खबरें

■ शारीरिक शिक्षा अध्यापक सीधी भर्ती परीक्षा-2022 के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर द्वारा शारीरिक शिक्षा अध्यापक सीधी भर्ती परीक्षा-2022 का आयोजन 25 सितम्बर (रविवार) को प्रातः 10.00 बजे से अपरान्ह 12.00 बजे तक (प्रथम प्रश्न पत्र) एवं दोपहर 2.30 बजे से 4.30 बजे तक (द्वितीय प्रश्न पत्र) किया जायेगा। परीक्षा के सुचारू एवं सफल संचालन के लिए कलक्ट्रेट के कक्ष संख्या 116 में एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि नियंत्रण कक्ष 23 से 24 सितम्बर तक प्रातः 9:30 बजे से सांय 6.00 बजे तक तथा 25 सितम्बर को प्रातः 8.00 बजे से परीक्षा समाप्ति के उपरान्त समस्त कार्य पूर्ण होने तक संचालित रहेगा। परीक्षा नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नम्बर- 0141-2206699 रहेगा।

■ मिशन तहसील 392 कार्यक्रम 27 सितंबर से

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य सरकार द्वारा विशेष योग्यजन को त्वरित राहत प्रदान करने के लिए आगामी 27 सितंबर से 'विशेष योग्यजन आयुक्त आपके द्वार-मिशन तहसील 392' प्रारम्भ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की प्रेरणा से चलाये जा रहे इस कार्यक्रम के तहत विशेष योग्यजनों की समस्याओं के निराकरण के साथ राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से उन्हें लाभान्वित किया जाएगा। राज्य आयुक्त, न्यायालय, विशेष योग्यजन उमाशंकर शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में विशेष योग्यजनों को चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना सहित सरकार की समस्त फ्लैगशिप योजनाओं के संबंध में जागरूक भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत 27 सितंबर को बीकानेर जिले नोखा तहसील से की जाएगी। यह कार्यक्रम में प्रदेश के 7 संभागों की कुल 392 तहसील में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लगभग चार महीने तक चलने वाले इस कार्यक्रम के दौरान व्यक्तिश विशेष योग्यजनों से मिलकर उनकी समस्याओं की सुनवाई कर मौके पर ही समाधान का प्रयास किया जाएगा।

जयपुर पहुंचे रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने सैन्य अधिकारियों से प्रदेश की सीमाओं को लेकर लिया फीडबैक, कहा...

अग्निपथ योजना में नहीं होगा संशोधन

रूस यूक्रेन युद्ध में पाकिस्तानी भी तिरंगा लेकर पहुंचे अपने देश, अब सेना घर में घुसकर देती है जवाब

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने कहा है कि अग्नीपथ योजना में किसी तरह का संशोधन नहीं किया जाएगा। कुछ लोगों द्वारा बेवजह योजना के खिलाफ भ्रांतियां फैलाई गई थी। उन्हें दूर कर लिया गया है। जयपुर पहुंचे भट्ट ने कहा कि रूस और यूक्रेन का युद्ध प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से ठहरा था। तब न सिर्फ भारत बल्कि पाकिस्तानी बच्चे भी तिरंगा लेकर सकुशल अपने देश लौटे थे।

अग्निपथ भर्ती प्रक्रिया में नहीं होगा बदलाव

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने कहा कि अग्निपथ को लेकर गलतफहमी फैलाई गई। लेकिन हमने भर्ती के मानकों में कोई बदलाव नहीं किया है। अग्निपथ को दुनिया के दूसरे देशों की सैन्य शक्ति का अध्ययन करने के बाद तैयार किया गया है। इसमें एप्लाई करने वाले युवाओं में से 25 फीसदी का फाइनल सिलेक्शन होगा, शेष 75 फीसदी को बाहर किया जाएगा। लेकिन सिलेक्ट नहीं होने वाले कैंडिडेट्स को भी अच्छी ट्रेनिंग मिलेगी। जिससे उन्हें भविष्य में अच्छी नौकरी मिल सकेगी।

पाकिस्तानी स्टूडेंट्स भी तिरंगा लेकर रूस से निकले

रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से ही रूस और यूक्रेन का युद्ध कुछ वक्त के लिए रुक गया था। तब भारत के 22 हजार 500 से ज्यादा स्टूडेंट्स को सकुशल वापस लाया गया। उस वक्त न सिर्फ भारत बल्कि पाकिस्तानी स्टूडेंट्स भी छाती पर तिरंगा लगाकर रूस से सकुशल अपने देश पहुंचे थे।

मोदी के नेतृत्व में सेना घर में घुसकर देती है जवाब

केंद्रीय मंत्री भट्ट ने कहा कि आज हर मोर्चे पर मोदी सरकार ने नेतृत्व में सेना ने मोर्चा संभाल रखा है। देशभर में हमारे जवान पूरी मुस्तैदी से सीमा की सुरक्षा कर रहे है। यहीं कारण है कि जिस किसी ने भी आंख उठाकर हमारे देश की ओर देख सकें। हमने जल, थल और आकाश तीनों मोर्चो से उसे पुरजोर जवाब दिया है। अब हमारी सेना सर्जिकल स्ट्राइक से दुश्मनों के घर में घुस उन्हें सबक सीखा रही है।

NCC कैडेट्स देश का फ्यूचर

केंद्रीय राज्य मंत्री ने NCC कैडेट्स में से ही कोई आईएएस बनेगा, कोई आईपीएस, कोई एमपी और एमएलए बनेगा। वो जहां भी जाएंगे उनसे एक अनुशासित व्यक्तित्व की पहचान होगी। एक परफेक्ट नागरिक कैसा होना चाहिए और राष्ट्रप्रेम क्या है, ये कूट-कूटकर एनसीसी कैडेट्स में भरा पड़ा है। यदि कोई कैडेट सी सर्टिफिकेट प्राप्त लेता है तो उसे रिटन टेस्ट देने की जरूरत नहीं है। वो सीधे-सीधे आर्मी में चयनित हो जाएगा।

भारत तोड़ने वाले निकल रहे जोड़ो यात्रा

मंत्री अजय भट्ट ने कांग्रेस और राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भारत तेरे टुकड़े होंगे, भारत तेरी बर्बादी तक जंग रहेगी जारी रहेगी, कांग्रेसी ऐसे लोगों को साथ में लेकर भारत जोड़ने के लिए चले हैं। जबकि जब देश में 370 हटाई गई। तब इन्हीं लोगों ने विरोध किया। सर्जिकल स्ट्राइक की गई तब विरोध किया। एयर स्ट्राइक पर भी विरोध किया। ऐसे में मुझे नहीं लगता कांग्रेस की इस यात्रा से कोई फरक पड़ेगा।

10 आईआईटी ने 15 नई ब्रांचेज शुरू की

23 आईआईटी की 16 हजार 598 सीटों पर इस साल दिया जाएगा प्रवेश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। देश के 23 आईआईटी, 32 एनआईटी, 26 ट्रिपल आईटी, 33 जीएफटीआई की 54477 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। इन सभी कॉलेजज की ज्वाइंट काउंसलिंग प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। विद्यार्थियों को कुल 112 कॉलेजों की 469 ब्रांचेज को भरकर लॉक करने का विकल्प दिया गया है। विद्यार्थी लाखों की संख्या में इस काउंसलिंग में भाग ले रहे हैं। विद्यार्थी 21 सितम्बर तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं च्वाईस फिलिंग कर सकते हैं।

एलन करियर इंस्टीट्यूट के करियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि इस वर्ष 10 आईआईटी की 15 नई ब्रांचों की शुरुआत की गई है। आईआईटी मुम्बई में 4 वर्षीय एनर्जी इंजीनियरिंग की 47 सीटें, आईआईटी रूड़की में डेटासाइंस और आर्टिफिशियल इंजीनियरिंग 40 सीटें, आईआईटी गुवाहाटी की एनर्जी इंजीनियरिंग की 20 सीटें, आईआईटी हैदराबाद में इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग विद आईसी डिजाइन एण्ड टेक्नोलॉजी की 16 सीटें, आईआईटी गांधीनगर में पांच वर्षीय कम्प्यूटर साइंस की 20 एवं इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग की 20, आईआईटी जोधपुर में फिजिक्स विद् स्पेशलाइजेशन एवं कैमेस्ट्री विद् स्पेशलाइजेशन की 32, आईआईटी रूपड़ में इंजीनियरिंग फिजिक्स की 25, आईआईटी धारवाड़ में केमिकल एवं बायोकेमिकल इंजीनियरिंग की 15, मैथेमेटिक एण्ड कम्प्यूटिंग की 28, सिविल एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग की 15, इंटर डिसिप्लनरी साइंसेज की 57, आईआईटी भिलाई में मेकाट्रोनिक्स इंजीनियरिंग की 20, पलक्कड़ में डेटा साइंस एवं इंजीनियरिंग की 28 सीटें नई जुड़ी हैं, जिन पर प्रवेश शुरू किया गया है। इन 10 आईआईटी की नई ब्रांचेज की 383 सीटों पर प्रवेश मिलेगा।आईआईटी-एनआईटी में प्रवेश के लिए जोसा काउंसलिंग जारी है, विद्यार्थी 112 इंजीनियरिंग कॉलेजों की 469 से ज्यादा प्रोग्राम्स को प्राथमिकता के घटते क्रम में भरने में व्यस्त दिखाई दे रहे हैं। इसके लिए विद्यार्थियों को ब्रांचों के स्कोप एवं स्वयं की रुचि को देखते हुए कॉलेज ब्रांच प्रिफरेंस को बनाना चाहिए ताकि वो जोसा काउंसलिंग में किसी भी राउंड में सीट आवंटित होने पर फ्लोट एवं स्लाइड के विकल्प को चुनकर आगे की राउंड की काउंसलिंग में भाग ले सके।

ऐसे करें च्वाइस फिलिंग

आहूजा ने बताया कि विद्यार्थियों को च्वाइस फिलिंग का अवसर एक बार ही दिया गया है, अतः विद्यार्थी ज्यादा से ज्यादा कॉलेजों के विकल्प को अपनी प्राथमिकता के घटते क्रम में भरें। विद्यार्थी गत वर्षों की कॉलेजों की ओपनिंग एंड क्लोजिंग रैंक्स को देखते हुए कॉलेजों को चुनने के ट्रेण्ड का अनुमान लगा सकते हैं। विद्यार्थी अपनी रैंक के अनुसार गत वर्षों की क्लोजिंग रैंक से नीचे की रैंक वाले कॉलेज ब्रांचों को भी अपनी रुचि अनुसार कॉलेज प्राथमिकता सूची के क्रम में शामिल करे। जोसा काउंसलिंग में कॉलेजों को भरने से पूर्व अपनी प्राथमिकता के कॉलेजों की सूची कागज पर बनाकर उसका आकलन कर ही ऑनलाइन भरें ताकि गलती होने की संभावना ना रहे। विद्यार्थियों को कॉलेज च्वाइस लॉक करने से पूर्व अवश्य पूर्ण चेक करें क्योंकि लॉक करने के उपरान्त उसमें बदलाव संभव नहीं होंगे।

आरसीए के चुनाव 30 को

वैभव का फिर से अध्यक्ष बनना तय, कार्यकारिणी बदलेगी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) में फिर चुनाव बिगुल बज गया है। सभी पदों के लिए 30 सितंबर को वोटिंग होगी। हालांकि, सीएम अशोक गहलोत के पुत्र वैभव का लगातार दूसरी बार अध्यक्ष चुना जाना तय है। हालांकि, कार्यकारिणी में कई बदलाव हो सकते हैं। बता दें कि 4 अक्टूबर से आरसीए की वर्तमान कार्यकारिणी को तीन साल पूरे हो रहे हैं। इससे पहले नई कार्यकारिणी के चुनाव होने जरूरी हैं। चुनाव के विस्तृत कार्यक्रम की घोषणा चुनाव अधिकारी व पूर्व आईएएस अधिकारी रामलुभाया करेंगे।

सचिव और उपाध्यक्ष नया मिलना तय

लोढ़ा कमेटी के अनुसार कोई व्यक्ति छह साल से ज्यादा कार्यकारिणी में नहीं रह सकता। इसे देखते हुए मौजूदा सचिव महेंद्र शर्मा और उपाध्यक्ष आमीन पठान के जगह नए नाम सामने आ सकते हैं। सचिव का एक साल बचा है। वहीं आमीन अपने कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। नई कार्यकारिणी के लिए भीलवाड़ा के रामपाल शर्मा, चित्तौड़गढ़ के शक्ति सिंह राठौड़, सवाई माधोपुर के डॉ. सुमित गर्ग, अजमेर के राजेश भड़ाना, झालावाड़ के फारुख और कोटा के अनस पठान के नामों की चर्चा है। सीकर से केके निमावत या भवानी समोता में से कोई एक कार्यकारिणी में शामिल हो सकता है।

कोटा-पटना ट्रेन में लगाया वातानुकूलित इकोनॉमी तृतीय श्रेणी की कोच

कोटा @ जागरूक जनता। रेल प्रशासन ने पूर्व मध्य रेलवे से प्रारम्भ एवं टर्मिनेट होने वाली कोटा से पटना के मध्य चलने वाली ट्रेन में 15 सितम्बर से वातानुकूलित इकोनॉमी तृतीय श्रेणी का एक कोच लगाया जा रहा है। कोटा मण्ड़ल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रोहित मालवीय ने बताया कि गाड़ी संख्या 13237, 13238 एवं 13239 व 13240 पटना-कोटा-पटना एक्सप्रेस ट्रेन पश्चिमी-मध्य रेलवे के भरतपुर, बयाना, हिण्डौनसिटी, गंगापुरसिटी, सवाई माधोपुर एवं इंद्रगढ़ स्टेशनों से होकर कोटा जाती है जिससे कोटा मंडल के उक्त स्टेशनों के यात्रियों को इस कोच में यात्रा का लाभ मिलेगा।

जयपुर ओपन 2022 का 14 आज होगा आगाज

विजेता टीम जीतेगी ₹40 लाख का पुरस्कार

पर्यटन विभाग है टूर्नामेंट का प्रेजेंटिंग पार्टनर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पर्यटन विभाग, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और रामबाग गोल्फ क्लब के संयुक्त तत्वावधान में टाटा स्टील प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) द्वारा 14 से 17 सितंबर तक जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब में जयपुर ओपन 2022 का आयोजन किया जाएगा। टूर्नामेंट की विजेता टीम को 40 लाख रूपये का पुरस्कार दिया जाएगा और इसका प्रो-एम इवेंट 18 सितंबर को खेला जाएगा। पर्यटन विभाग इस टूर्नामेंट का प्रेजेंटिंग पार्टनर है। पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक आनंद कुमार त्रिपाठी ने बताया कि राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देना राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है है। इसी क्रम में एडवेंचर टूरिज्म और स्पोर्ट्स टूरिज्म के माध्यम से प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि राज्य में गोल्फ पर्यटन की भी अपार संभावनाएं मौजूद है। इसी क्रम में जयपुर ओपन 2022 राजस्थान का आयोजन किया जा रहा है, जो गोल्फ पर्यटन को राज्य में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। त्रिपाठी मंगलवार को जयपुर स्थित होटल हिल्टन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

पीजीटीआई के सीईओ उत्तम सिंह मंडी ने कहा की पर्यटन विभाग के सहयोग से जयपुर ओपन के पांचवें संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में यह टूर्नामेंट पीजीटीआई कैलेंडर में एक प्रमुख आकर्षण के रूप में उभरा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पर्यटन विभाग की संयुक्त निदेशक सुमिता सरोच, उप निदेशक दलीप सिंह राठौड़, रामबाग गोल्फ क्लब के अध्यक्ष डॉ. अशोक गुप्ता, गोल्फ खिलाड़ियों सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि टूर्नामेंट में कुल 126 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं जिसमें 123 पेशेवर और तीन गैर पेशेवर खिलाड़ी शामिल हैं। युवराज सिंह संधू, अभिजीत सिंह चड्ढा, शमीम खान, ओम प्रकाश चौहान, अक्षय शर्मा, अभिनव लोहान, अर्जुन भाटी और वरूण पारिख जैसे प्रमुख भारतीय पेशेवर खिलाड़ी टूर्नामेंट में भाग ले रहे है। साथ ही, प्रमुख विदेशी खिलाड़ी जैसे श्रीलंका के मिथुन परेरा और एन थंगराजा सहित बांग्लादेश के जमाल हुसैन और बादल हुसैन भी इसमें भाग लेंगे। टूर्नामेंट का प्रो-एम इवेंट 18 सितम्बर को खेला जाएगा।

विश्व साक्षरता दिवस पर जयपुर जेल में हुआ मोटिवेशन सेमिनार

महिलाओं के पढ़ने से 2 परिवारों का भविष्य होता है सुरक्षित-डॉ साहिल त्रिवेदी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विश्व साक्षरता दिवस के मौके पर शिक्षा के प्रति कैदियों को जागरूक करने के लिए जयपुर जेल में सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षाविद और मोटिवेशनल स्पीकर डॉक्टर साहिल त्रिवेदी मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रही। इस दौरान त्रिवेदी ने महिला बंदियों को शिक्षा का महत्त्व समझते हुए साक्षर होने की अपील की। उन्होंने कहा कि जब एक स्कूल खुलता है। तो उसके अच्छे प्रभाव से दस जेल बंद होने जैसे हालत बनते हैं। इसी से साक्षरता के महत्व को जाना जा सकता है।

आज के दौर में पढ़ा लिखा व्यक्ति हमेशा अपने परिवार को भी साक्षर बनाने के लिए प्रयास करता है। क्यों की पढ़ लिखकर ही हम अपने आप और अपने परिवार को मजबूत बनाने के साथ बेहतर समाज का निर्माण कर सकते है। डॉ साहिल ने कहा कि

महिलाओं के पास असीम शक्ति होती है। वह जो चाहें कर सकती हैं। इसलिए आज के दौर में महिलाओं को साक्षर होने की ज्यादा जरुरत है। क्योंकि शिक्षित महिला दो परिवारों को सामर्थ्यवान बनाकर उनका भविष्य सुरक्षित कर सकती है। इस दौरान जेल अधीक्षक शिवेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि हर इंसान पूरी दुनिया के लिए बुरा नहीं होता है। हमारे देश में सभी को पढ़-लिखकर समाज की मुख्यधारा में लौटने का अधिकार है। अगर जेल में बंद कैदी भी यह सोचले। तो आने वाले दिनों में ना सिर्फ हर व्यक्ति साक्षर होगा। बल्कि हम क्राइम को कंट्रोल कर सकेंगे।

मोदी को अपनाना चाहिए राजस्थान मॉडल-गहलोत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से देश में अहिंसा का माहौल बनाने के लिए देशवासियों को संबोधित करने की मांग दोहराते हुए कहा है कि मोदी को राजस्थान मॉडल अपनाना चाहिए। गहलोत जयपुर के दूदू में ब्लॉक स्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल गतिविधियों के अवलोकन के बाद आयोजित जनसभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना जैसी जनहित की कई महत्वपूर्ण योजनाएं लाकर लोक कल्याणकारी काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि लोककल्याणकारी काम करना कोई रेवड़ियां बांटना नहीं हैं।

26 लाख का फ्लैट 16 में दिएः हाउसिंग बोर्ड का पहला ऐसा प्रोजेक्ट जहां स्वीमिंग पूल, सिंथेटिक बास्केटबॉल कोर्ट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में कार्यरत सरकारी टीचर्स और पुलिस के जवानों के लिए बनाई मल्टी स्टोरी फ्लेट्स की हाउसिंग स्कीम का आज राजस्थान हाउसिंग बोर्ड ने कब्जा सौंपा। करीब 26 लाख रुपए की कॉस्ट वाले फ्लैट्स 16 लाख रुपए में पाकर सभी के चहेरे खिले नजर आए। यही नहीं ये प्रदेश का पहला ऐसा प्रोजेक्ट है जिसमें आवासीय सुविधा के अलावा स्वीमिंग पूल, सिंथेटिक बास्केटबॉल कोर्ट और 1000 मीटर का जॉगिंग ट्रेक है।

जयपुर के प्रताप नगर में मुख्यमंत्री शिक्षक एवं प्रहरी आवासीय योजना नाम से बनाई इस स्कीम में 13 मंजिला 6 टॉवर बनाए हैं। हर टॉवर में 96 फ्लैट बनाए गए है। नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल की मौजूदगी में शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला और गृहराज्य मंत्री राजेन्द्र प्रसाद यादव ने इस योजना के सफल 10 से ज्यादा आवंटियों को फ्लैट का कब्जा पत्र और चाबी सौंपी। इस मौके पर धारीवाल ने बताया कि ये पहला ऐसा मल्टी स्टोरी हाउसिंग प्रोजेक्ट है जो 2 साल रिकॉर्ड समय में पूरा हुआ है। उन्होंने खुद माना कि जिस तरह का ये प्रोजेक्ट बना है ऐसा बाजार में 30 लाख रुपए से कम नहीं मिलता। वहीं हाउसिंग बोर्ड की भी इस फ्लैट को बनाने में करीब 26 लाख रुपए की कॉस्ट आई है। जबकि इन फ्लैट्स को बोर्ड ने रियायती दर 15 लाख 70 हजार रुपए में आवंटित किए है।

ये सुविधाएं है इस योजना में

प्रोजेक्ट में बेसमेंट पार्किंग, स्वीमिंग पूल विद चेंजिंग रूम, सभी 6 ब्लॉक में ग्रीन एरिया, सिंथेटिक बास्केटबॉल कोर्ट, सीसीटीवी विद सर्विलांस, 24 घंटे वॉटर सप्लाई, पावर सप्लाई के लिए डेडीकेटेड फीडर, पावर बैकअप के लिए डीजी सैट, हर ब्लॉक में दो लिफ्ट (एक स्ट्रेचर लिफ्ट), हर टॉवर में विजिटर लाउंज, बर्थडे पार्टी, किटी पार्टी व सामाजिक आयोजन के लिए कम्यूनिटी स्पेसिंग भी दिया गया है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना

प्राप्त आवेदनों के निस्तारण की प्रक्रिया 16 से होगी प्रारम्भ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने बताया कि राज्य में खाद्य सुरक्षा योजना के तहत प्राप्त आवेदनों के निस्तारण की प्रक्रि या 16 सितम्बर 2022 से प्रारम्भ की जा रही है। खाचरियावास मंगलवार को यहां सचिवालय में आयोजित खाद्य विभाग के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। श्री खाचरियावास ने बताया कि एनएफएसए की पात्रता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्राप्त आवदेन पत्रों की जांच एवं समयबद्ध निस्तारण के कार्य का प्रभावी पर्यवेक्षण करने के लिए जिला कलेक्टरों को निर्देश दिये गये है। खाचरियावास ने बताया कि खाद्य सुरक्षा योजना के तहत आवेदनों का निस्तारण किये जाने लिए संबंधित क्षेत्र के उपखण्ड अधिकारियों को प्राधिकृत अधिकारी बनाया गया है। खाचरियावास ने बताया कि योजना के तहत प्राप्त आवेदन पत्रों के निस्तारण के दौरान कमी पूर्ति के लिए सेंड बैक किये गये आवेदन में आवेदक द्वारा कमी पूर्ति 30 दिवस में किया जाना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा योजना के आवेदन पत्रों की पूर्ण जांच प्राधिकृत अधिकारी द्वारा की जायेगी तथा आवेदन पत्र पूरी तरह से सही पाये जाने पर ही आवदेक का नाम जोड़नें का निर्णय किया जायेगा।

आईआईएम उदयपुर ने ग्लोबल एफटी एमआईएम रैंकिंग 2022 में 81वीं रैंक हासिल की

उदयपुर @ जागरूक जनता। इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट उदयपुर ने अपने दो वर्षीय एमबीए प्रोग्राम के लिए प्रतिष्ठित एफटी मास्टर्स इन मैनेजमेंट 2022 (एफटी एमआईएम) की ग्लोबल रैंकिंग में 81वीं रैंक हासिल कर शिक्षा में अद्वितीय बेंचमार्क स्थापित किया है। एफटी एमआईएम रैंकिंग 2022 में मैनेजमेंट एजुकेशन की टॉप ग्लोबल कॉलेजों को सूचीबद्ध किया गया है, जिसमें टॉप 100 में क्रमशः चार आईआईएम भी शामिल है - आईआईएम बैंगलोर (31 वीं रैंक), आईआईएम लखनऊ (64 वीं रैंक), आईआईएम उदयपुर (81 वीं रैंक) और आईआईएम इंदौर (89 वीं रैंक)। वर्ष 2011 में स्थापित, आईआईएम उदयपुर सभी आईआईएम में सबसे युवा बी-स्कूल है जिसने शीर्ष 100 रैंकिंग में जगह बनाई है।

खेल राज्यमंत्री अशोक चांदना ने हिण्डोली में किया राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों का शुभारंभ, बोले...

विश्व में राजस्थान ऐसा प्रदेश है, जहां 30 लाख लोग उत्साह से खेल रहे हैं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। युवा मामले, खेल तथा सूचना एवं जनसंपर्क राज्यमंत्री अशोक चांदना ने कहा कि विश्व में राजस्थान एकमात्र ऐसा प्रदेश है, जहां ग्रामीण ओलंपिक में 30 लाख लोग उत्साह से खेल में भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा ग्रामीण ओलंपिक आयोजन से फिट राजस्थान हिट राजस्थान का सपना साकार होगा।चांदना मंगलवार को भीलवाड़ा के हिण्डोली उपखण्ड मुख्यालय स्थित गणेश बावडी स्टेडियम में आयोजित राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल प्रतियोगिताओं के शुभारंभ समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि दुनिया में इतनी बडी जन भागीदारी का खेल आयोजन आज तक कही नहीं हुआ। वर्ल्ड रिकॉर्ड ने भी यह प्रमाणित किया है। प्रदेशवासियों ने ग्रामीण ओलंपिक में बढचढ़ भागीदारी निभा कर इसे सफल बनाया है। फिट राजस्थान हिट राजस्थान की संकल्पना बेहतर स्वास्थ्य से ही पूरी होगी। गांव-गांव और शहर-शहर खेलेगा तो निश्चित रूप से फिट राजस्थान और हिट राजस्थान सपना सरकार होगा। इसके लिए हम सभी को इससे जुड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विश्वास और उनकी इच्छा शक्ति से यह आयोजन सफल हो पाया है।

चांदना ने कहा कि ग्रामीण ओलंपिक में प्रदेश के बुजुर्गों का जोश देखने को मिल रहा है। आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता में वृद्धि आई है। एक से डेढ लाख लोग इन खेलकूद प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं, जिनकी आयु 50 वर्ष से अधिक है। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिताएं राज्य के गांव ढाणी में छिपी खेल प्रतिभाओं को आगे लाने में एक बड़ा प्रयास साबित हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य में हर वर्ष ग्रामीण ओलपिंक आयोजन होगा। इस दौरान उन्होंने राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेल कूद प्रतियोगिताओं में सहयोग करने वाले भामाशाहों, दानदाताओं, बच्चों को सुविधाएं देने वाले आमजन का आभार जताया। साथ ही प्रतियोगिताओं में शामिल होने वाले सभी खिलाडियों को बधाई भी दी।

सरकार के साथ आमजन बने सहयोगी

राज्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान गौवंश में वायरस फेल रहा है। राज्य सरकार लंपी रोग की रोकथाम के लिए हर संभव कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ ही आमजन भी वायरस की रोकथाम में अपना सहयोग दें और गौवंश बचाने के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि आज हमें कुदरत के प्रति जागरूक रहने की जरूरत है। उन्होंने आमजन का आव्हान किया जहां लंपी बीमारी से ग्रसित गौवंश मिले उसका घर में रखकर दवाईयां देकर उपचार करें। उन्होनें कहा कि कि लंपी से मनुष्य संक्र मित नहीं हो रहे है यह प्रमाणित है।

ध्वज चढाकर की शुभारंभ की घोषणा

राज्यमंत्री चांदना ने राजीव गांधी ग्रामीण ओलपिंक खेल प्रतियोगिताओं का ध्वज चढाकर प्रतियोगिताओं के शुभारंभ की घोषणा की। इस दौरान प्रतियोगिताओं में शामिल होने वाली टीमों ने फ्लेग मार्च निकाला। इसका पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया।

प्रतियोगिताओं में की शिरकत

खेल राज्यमंत्री चांदना ने मंगलवार को नैनवां ब्लॉक के लिए नैनवां के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित ग्रामीण ओलंपिक खेलकूद प्रतियोगिताओं में शिरकत कर खिलाडियों की हौसला अफजाई की। इस दौरान राज्यमंत्री ने खिलाडियों के साथ क्रिकेट और बॉलीवाल का लुत्फ उठाया।

आमजन को मिले त्वरित लाभ

युवा मामले, खेल तथा सूचना एवं जनसंपर्क राज्यमंत्री अशोक चांदना ने मंगलवार को बूंदि जिला कलक्टेउट सभागार में अतिवृष्टि से उत्पन्न परिस्थितियों, पशुओं में लम्बी रोग, चम्बल पेयजल परियोजनाओं, निर्माणाधीन महाविद्यालयों की प्रगति की समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में राज्यमंत्री ने निर्देश दिए कि हिण्डोली-नैनवां क्षेत्र में संचालित महाविद्यालयों के निर्माण कार्यों को और अधिक गति प्रदान की जावे, ताकि समय पर विद्यार्थियों को इनका लाभ मिल सके। जिले के आमजन को राज्य सरकार की योजनाओं तथा कल्याणकारी कार्यक मों का त्वरित लाभ मिलेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रतिमाह मुख्यमंत्री की बजट घोषणा तथा राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की नियमित बैठकें आयोजित की जावे। राज्यमंत्री ने हिण्डोली-नैनवां क्षेत्र में संचालित चम्बल पेयजल परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि एक माह में जाखोली लाईन में फोरेस्ट के मामले का समाधान सुनिश्चित किया जावे। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर चम्बल परियोजना के तहत पहले पानी पहुंचता है, वहां टंकियों के निर्माण का कार्य प्राथमिकता से पूरा करवाया जावे। चांदना ने जिले में लंपी रोग की रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि गौवंश में लंपी संक्र मण होने पर ऐसे गौवंश के लिए अस्थाई जगह रखी जावे, ताकि वहां ऐसे गौवंश को आईसोलेट किया जा सके। इसके अलावा लंपी संक्रमण से बचाव के लिए स्थानीय स्तर पर आमजन का सहयोग लिया जावे। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में अतिवृष्टि से हुए फसल खराबे का किसानों को पूरा मुआवजा मिले और कोई भी किसान इससे वंचित नहीं रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि मुआवजे के लिए की जाने वाली सभी प्रक्रिया प्राथमिकता के साथ जल्द पूरी की जावे। बैठक में जिला प्रमुख चन्द्रावती कवंर, जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी सहित अधिकारी मौजूद थे।

2532 खिलाडी ले रहे प्रतियोगिताओं में भाग

हिण्डोली की ब्लॉक स्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक प्रतियोगिताओं में 236 टीमों के 2532 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इनमें 1502 पुरूष एवं 1030 महिला खिलाडी शामिल हैं। सभी खिलाडियों को खेल यूनिफार्म राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई गई है। हिण्डोली के गणेश बावडी स्टेडियम में पुरूष वर्ग में कबड्डी, टेनिस बॉल क्रिकेट, हॉकी, बॉलीवाल शूटिंग बॉलीवाल तथा महिला वर्ग कबड्डी, टेनिस बॉल क्रिकेट, हॉकी, बॉलीवाल व खो-खो की प्रतियोगिता करवाई जा रही है। समारोह में जिला प्रमुख चन्द्रावती कंवर, जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी, पुलिस अधीक्षक जय यादव, उपखण्ड अधिकारी हिण्डोली अमित चौधरी, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी तेज कंवर, जिला खेल अधिकारी वाईबी सिंह, विकास अधिकारी एमएल मीना, सतीश गुर्जर, सरपंच मंजू सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

बड़ीसादड़ी में खेलों के महाकुंभ में रंग गये खिलाड़ी व ग्रामीण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बड़ीसादड़ी। खेलों के महाकुंभ ब्लॉक स्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल का कल भव्य उद्घाटन होने के बाद खेल प्रतियोगिता अपने पूरे परवान पर चढ़ गई हैं। ग्रामीण खिलाड़ी बड़े ही उत्साह के साथ खेलों में अपनी तकनीक का प्रदर्शन कर रहे हैं। ग्रामीण खिलाड़ियों के इस खेल को देखने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी खेल मैदानों पर तेज धूप होने के बावजूद भी डटे हुए हैं।

खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए खेल से जुड़े कई अधिकारी, कर्मचारी व जनप्रतिनिधि भी इनको नकद इनाम देकर प्रोत्साहित कर रहे हैं। राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल प्रतियोगिता के आयोजक लक्ष्मीपुरा ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि प्रहलाद धाकड़ ने अपनी ग्राम पंचायत के किसी भी टीम के ब्लॉक स्तर पर विजेता रहने पर प्रत्येक टीम को 21 हजार रुपये प्रदान किये जाने की घोषणा की है। खेल प्रेमी एवं खिलाड़ी इस घोषणा का तहे दिल से स्वागत कर रहे हैं। इसी प्रकार विनायका सरपंच राजकुमार जाट ने अपनी पंचायत की किसी भी टीम के फाइनल में पहुंचने पर प्रत्येक टीम को पांच - पांच हजार रुपये नकद प्रदान करने की घोषणा की है। मुख्य निर्णायक चंद्रकांत शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार को हुए कबड्डी के मुकाबले में भाणुजा ने बोहेड़ा को शिकशस्त दी। महिला वर्ग खो- खो में जरखाना ने बोहेड़ा पर शानदार जीत दर्ज की। जरखाना पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी अशरफ खां पठान ने अपने पंचायत के विजेता खिलाड़ियों को तत्काल जीत के बाद एक हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया। हॉकी महिला वर्ग के फाइनल मैच में मुंझवा टीम बड़वल टीम को हरा कर जीत गई है। हॉकी पुरुष वर्ग में बोहेड़ा एवं महुड़ा की दोनों टीमें फाइनल में पहुंच गई है। इनका फाइनल मुकाबला कल होगा। वॉलीबॉल में लक्ष्मीपुरा टीम पुनावली को हराकर विजेता रही व अमीरामा टीम मुंझवा को हराकर विजेता रही। शूटिंग वॉलीबॉल में महुड़ा ने जरखाना को हराया, रत्ती चंद जी का खेड़ा को हरा कर खरदेवला विजेता रही। सांगरिया को हरा कर पुनावली विजेता व खेरमालिया को हरा कर कचूमरा विजेता रही। टेनिस बॉल क्रिकेट में मुंझवा ने खरदेवला को हराया। बांसी ने बड़वल को हराया। पारसोली ने कीरतपुरा को हराया। कचूमरा ने लक्ष्मीपुरा को हराया।बोहेड़ा ने पायरी को हराया। व्यवस्था में लगे बांसी महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र बुनकर व बोहेड़ा राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय के प्रधानाचार्य भूपेंद्र कुमार भंडारी भी कॉमेंट्री करते हुए दिखे।

लम्पी रोग के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक

गोवंश बचाने के लिये सरकार हरसंभव प्रयासरत -कृषि मंत्री

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने कहा कि पशुओं में गौवशं में इस समय सकंट के दौर से गुजर रहा है इसके लिये हम सबको मिलकर प्रयास करने होंगे। जिस प्रकार कोरेाना के समय मानव जीवन पर संकट आया था उसी प्रकार गौवश पर इस समय मुश्किल समय आया है इसमें सभी स्तरों पर सामूहिक प्रयास से हम लम्पी पर रोकथाम के लिये प्रसारत है जिससे कि गौवशं को बचाया जा सके। कृषि मंत्री लालचंद कटारिया मंगलवार को राजसमंद जिला कलक्टर कार्यालय के सभागार में लम्पी रोग के सम्बन्ध में आयोजित विभागीय बैठक में अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर लम्पी डिजिज के बारे में उपलब्ध संसाधनों, आवश्यकता, पशु विभाग में कार्यरत कार्मिकों, नयी नियुक्ति, आमजन से सहयोग व गौशालाओं व पशु मित्र बनाकर उनसे सहयोग लेने, दवाईया टीकाकरण, उपचार, साफ सफाई, जिले में पशुधन की स्थिति, रोगग्रस्त, और ठीक और मृत पशुओ के बारे मे, उनके निस्तारण के बारे में विस्तार से जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर उन्होंने पशुपालन विभाग के अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली और इस बारे में अवेयरनेस कार्यक्रम और कृषि व पशुपालन विभाग के समन्वय से कार्य करने और पशुमित्रों से सहयोग लेने, लम्पी डिजिज के मैकेनिज्म पर कार्य करने व विभागीय संसाधन व अन्य किसी भी प्रकार की आवश्यकता के बारे में बताने के लिये व जिले में गोशालाओं व पशुधन का निरीक्षण कर बीमार पशुओ को अलग करने के लिये निर्देश।

ANCHOR — कंपनी ने हॉन्गकॉन्ग से 3 एक्सपर्ट ठाणे भेजे, कार से डेटा चिप रिकवर करेंगे

साइरस की कार की जांच करने पहुंची मर्सिडीज की टीम

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री का 4 सितंबर को मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। दुर्घटना के समय साइरस जिस मर्सिडीज कार में सवार थे, उसकी जांच के लिए हॉन्गकॉन्ग से मर्सिडीज-बेंज के अधिकारियों की एक टीम मंगलवार को ठाणे पहुंची।दुर्घटनाग्रस्त कार को ठाणे में मर्सिडीज बेंज की यूनिट में रखा गया है। यह टीम मर्सिडीज बेंज कंपनी को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। टीम में 3 एक्सपर्ट हैं। यह टीम कार से डेटा चिप भी रिकवर करेगी।

कंपनी ने पिछले हफ्ते दी अंतरिम रिपोर्ट

मर्सिडीज-बेंज ने पिछले हफ्ते पालघर पुलिस को दुर्घटना के बारे में अंतरिम रिपोर्ट दी थी।

इसमें कहा था कि मिस्त्री और तीन अन्य को ले जा रही मर्सिडीज के दुर्घटनाग्रस्त होने से पांच सेकेंड पहले ब्रेक लगाए गए थे। शुरुआती जांच में पाया गया है कि ओवर स्पीड और ड्राइवर की 'जजमेंट में गलती' दुर्घटना का कारण बनी।

पालघर के पास रोड डिवाइडर से टकरा गई थी कार

साइरस गुजरात के उदवाड़ा में बने पारसी मंदिर से लौट रहे थे। मिस्त्री की मर्सिडीज GLC 220 कार महाराष्ट्र में पालघर के पास रोड डिवाइडर से टकरा गई थी। इस हादसे में मिस्त्री और उनके दोस्त जहांगीर पंडोले (49) की मौत हो गई, जबकि कार ड्राइव कर रही महिला डॉक्टर अनायता पंडोले और उनके पति दरीयस पंडोले घायल हैं। दरीयस JM फाइनेंशियल के CEO हैं। साइरस मिस्त्री जिस लग्जरी मर्सिडीज में थे, वह करीब 134 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से चल रही थी। इसका खुलासा कार के आखिरी CCTV फुटेज से हुआ है। कार ने 4 सितंबर को दोपहर 2 बजकर 21 मिनट पर चरौती का चेक पोस्ट क्रॉस किया था। यहां से हादसे की जगह 20 किमी दूर है। मर्सिडीज कार ने यह दूरी महज 9 मिनट में तय की।

सीट बेल्ट नहीं पहने थे साइरस और जहांगीर

पुलिस ने बताया कि तेज रफ्तार और ओवरटेकिंग के समय जजमेंट में हुई गलती की वजह से कार रोड डिवाइडर से टकराई। एक्सीडेंट में जान गंवाने वाले मिस्त्री और जहांगीर दोनों ने सीट बेल्ट नहीं लगाई थी। वहीं, डिवाइडर से टकराने के बाद कार के अगले एयरबैग तो खुल गए, लेकिन पीछे वाले एयरबैग सही समय पर नहीं खुले। एक चश्मदीद ने भी बताया था कि कार बेहद तेज स्पीड में थी और दूसरी गाड़ी को रॉन्ग साइड से ओवरटेक करते समय डिवाइडर से टकराई थी।

मल्टीट्रॉमा बना साइरस की मौत की वजह

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक एक्सीडेंट में साइरस मिस्त्री के शरीर के अंदरूनी अंगों में जबर्दस्त चोट पहुंची थी। मेडिकल टर्म में इसे पॉलीट्रॉमा या मल्टीट्रॉमा कहते हैं। इसी वजह से साइरस मिस्त्री की मौके पर ही मौत हो गई थी।

5 पावर यूनिट्स ठप, गहराएगा बिजली संकट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में बिजली का संकट बढ़ गया है। मानसून के बाद यह संकट और ज्यादा गहराएगा,ऐसे हालात बन रहे हैं। एक दिन पहले अधिकतम डिमांड 15111 मेगावाट तक पहुंच गई। जबकि बिजली की उपलब्धता 13994 मेगावाट और औसत डिमांड 12924 मेगावाट रही। 1117 मेगावाट बिजली कम पड़ गई। 8 सितम्बर को अधिकतम डिमांड 15800 मेगावाट तक पहुंच गई थी। चिंता की बात यह है कि मानसून के बाद क्या होगा। प्रदेश में बिजली की कुल खपत एक दिन में 31 करोड़ यूनिट के पार पहुंच चुकी है। जो अगस्त महीने की सर्वाधिक खपत 27 करोड़ यूनिट से भी 4 करोड़ यूनिट ज्यादा है।सूत्र बताते हैं अगस्त महीने में सबसे ज्यादा बिजली खपत आखिरी के दो दिनों 30-31 अगस्त को रिकॉर्ड की गई थी। जब एक दिन में करीब 27 करोड़ यूनिट बिजली की खपत हुई। जबकि 17 अगस्त को 19 करोड़ यूनिट सबसे कम बिजली खपत अगस्त महीने में रिकॉर्ड की गई थी।

पाक में हिंदुओं की आवाज उठाने वाला जर्नलिस्ट गिरफ्तार

कराची। पाकिस्तान में बाढ़ पीड़ित हिंदुओं की आवाज उठाने वाले जर्नलिस्ट नसरल्लाह गडानी को सिंध पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गडानी ने कुछ दिन पहले बाढ़ राहत शिविरों का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने अप्पसंख्यकों के साथ फ्लड रिलीफ कैम्पों में हो रहे भेदभाव को उजागर किया था। उनका आरोप था कि शिविरों में सिर्फ मुस्लिमों को जगह दी जा रही है। इसके अलावा राहत सामग्री भी अल्पसंख्यकों को नहीं मिल रही है।पाकिस्तान में बाढ़ से अब तक करीब 1300 लोगों की मौत हो चुकी है। 6 हजार से ज्यादा घायल हैं। एक अनुमान के मुताबिक, करीब 3.5 करोड़ लोग बेघर हो चुके हैं। सिंध प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित है।

रिलीफ कैम्प्स के वीडियो से बवाल

गडानी ने पिछले हफ्ते सिंध के मीरपुर माथेलो शहर के एक राहत शिविर का दौरा किया था। एक वीडियो में उन्होंने दिखाया था कि किस तरह वहां माइनोरिटीज भेदभाव का शिकार हो रहे हैं। इस वीडियो में राहत शिविरों से बाहर किए गए हिंदुओं के दर्द को दिखाया गया था। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बाद में सरकार ने इसे हटवा दिया।